■ लोकसभा में केंद्रीय उत्पाद शुल्क संशोधन विधेयक को मिली ध्वनिमत से मंजूरी - 12

■ श्रम संहिताएं अगले साल एक अप्रैल से पूरी तरह होंगी लागू - 12

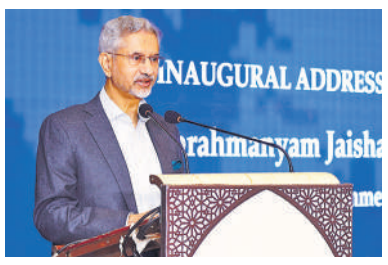

■ प्रतिभा के प्रवाह में बाधाएं खड़ी करने वाले देश नुकसान में रहेंगे : जयशंकर - 13

■ गायकवाड़ ने 77 गेंदों में अपना पहला वनडे शतक बनाया - 14

आज का मौसम
23.0° अधिकतम तापमान
09.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.42
सूर्यास्त 05.16

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष चतुर्दशी 08:37 उपरांत पूर्णिमा विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 4 दिसंबर 2025, वर्ष 4, अंक 104, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

छत्तीसगढ़ में 12 नक्सली ढेर, डीआरजी के तीन जवान भी शहीद, दो घायल

बीजापुर, एजेंसी

- बीजापुर-दंतेवाड़ा सीमा पर मुठभेड़ जारी, मौके से भारी मात्रा में हथियार बरामद

छत्तीसगढ़ के बीजापुर-दंतेवाड़ा सीमा के पश्चिम बस्तर संभाग इलाके में बुधवार सुबह शुरू किए गए नक्सल विरोधी अभियान के दौरान नक्सली और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ में 12 नक्सली मारे गए लेकिन इसके साथ जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के तीन जवान भी शहीद हो गए। दो जवान घायल हुए हैं।

पुलिस के मुताबिक, इलाके में सुरक्षा बलों की निर्णायक और आक्रामक कार्रवाई जारी है। मुठभेड़ स्थल से एलएमजी, एसएलआर इंसास एवं 303 राइफलों सहित बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त हुआ है। अब तक 12 नक्सलियों के शवों बरामद हो चुके हैं। मुठभेड़ में घायल जवानों में से एक को जंगल से वायुसेना के हेलीकॉप्टर से लाया गया है, दूसरे घायल जवान को अस्पताल लाने की कोशिश जारी है। एसपी बीजापुर डॉ. जितेन्द्र यादव ने बताया कि बुधवार सुबह नौ से डीआरजी दंतेवाड़ा-बीजापुर, स्पेशल टास्क बल, कोबरा और सीआरपीएफ की संयुक्त टीमों ने तलाशी ऑपरेशन शुरू किया था। इसी दौरान जंगल में छिपे नक्सलियों ने जवानों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

सुरक्षाबलों की ओर से जवाबी कार्रवाई के बाद दोनों तरफ से रुक-रुक कर काफी देर तक गोलीबारी होती रही। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टलिंगम ने बताया कि मारे गए नक्सलियों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। घटनास्थल से भारी मात्रा में हथियार-बारूद बरामद होने से अंदेशा है कि माओवादी दस्ते की बड़ी मौजूदगी थी।

लक्ष्य प्राप्ति में बाधक नहीं शारीरिक बनावट: योगी

मुख्यमंत्री ने विश्व दिव्यांग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भारत की ऋषि परंपरा का किया उल्लेख

- कहा- मन, संकल्प, आत्मबल में है वास्तविक शक्ति, प्रत्येक व्यक्ति ईश्वरीय कृत्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संत सूरदास का उदाहरण देते हुए दिव्यांगजन की क्षमताओं का उल्लेख किया। कहा, दुनिया में ऐसे अनेक ऐसे उदाहरण हैं जहां दिव्यांगजनों को थोड़ा भी संबल मिला तो उन्होंने अपनी सामर्थ्य व शक्ति से समाज के लिए वह सब कुछ कर दिखाया जिस पर सहज विश्वास नहीं पो पाता।

विश्व दिव्यांग दिवस-2025 पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा, भारत की ऋषि परंपरा ने हमेशा इस बात के लिए प्रेरित किया है कि शारीरिक बनावट क्षमता के निर्धारण और लक्ष्यों की प्राप्ति में बाधा नहीं बनती है। भारतीय मनीषियों का मानना है कि वास्तविक शक्ति मन, संकल्प और आत्मबल में है। मध्यकाल में संत सूरदास इसके उदाहरण हैं।

दिव्यांगजन से हालचाल लेते मुख्यमंत्री योगी।

राज्य के कई अफसरों का दिया उदाहरण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार में हमारे खेल और युवा कल्याण विभाग के सचिव पैरालंपिक मेडलिस्ट हैं। वे उस टीम का हिस्सा रहे हैं जिसने पैरा ओलंपिक में सर्वाधिक मेडल जीते। चित्रकूट के मंडलायुक्त दृष्टिबाधित हैं, लेकिन मंडलायुक्त के रूप में वहां अपनी पूरी क्षमता से कार्य कर रहे हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि हमारी संकल्प शक्ति और आत्मबल ही हमारे सामर्थ्य का वास्तविक पैमाना है। इसी कारण भारत की ऋषि परंपरा ने कभी भी शारीरिक बनावट को व्यक्ति की क्षमता का आधार नहीं माना।

दिव्यांग विद्यार्थियों से की बात, उपहार बांटे

योगी आदित्यनाथ ने दिव्यांग विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें चॉकलेट, मील बॉक्स, एमआर किट तथा अन्य उपहार दिए। दिव्यांग विद्यार्थियों के अनुरोध पर उनके साथ सेल्फी भी खिंचवाई। इसके बाद आयोजित प्रदर्शनी में हिस्सा लेते हुए विभिन्न स्टॉल्स का निरीक्षण किया। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में दिव्यांगजन सशक्तीकरण, छात्रवृत्ति वितरण, सहायक उपकरण प्रदान करने और उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं के सम्मान से जुड़े इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में लघु फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। बाद में इस क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वालों को पुरस्कृत भी किया गया।

ब्रीफ न्यूज

चेन्नई में कोल्ड्रिफ के प्रवर्तक की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश में 20 बच्चों की मौत के लिए जिम्मेदार माने जा रहे कफ सिरप कोल्ड्रिफ के निर्माता श्रीसन फार्मास्युटिकल्स के प्रवर्तक के चेन्नई स्थित दो फ्लैट धनशोधन निरोधक कानून के तहत कुर्क कर लिए गए हैं। ईडी के एक बयान के मुताबिक चेन्नई के कोडम्बक्कम में स्थित ये संपत्तियां जी रंगनाथन और उनके परिवार के सदस्यों के स्वामित्व वाली हैं। इन फ्लैटों की कीमत 2.04 करोड़ रुपये है। रंगनाथन को अक्टूबर में मध्य प्रदेश पुलिस ने गिरफ्तार किया था। ईडी ने आरोप लगाया कि श्रीसन फार्मा अपनी निर्माण लागत को कम करने और मुनाफा बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर अनुचित व्यापार प्रथाओं में लिप्त रही।

दिल्ली विस्फोट: वानी की हिरासत 7 दिन बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने लाल किले के निकट हुए विस्फोट के मामले में आरोपी जासिर बिलाल वानी की एनआईए हिरासत बुधवार को सात दिन के लिए बढ़ा दी। प्रधान सत्र एवं जिला न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना ने 27 नवंबर को जासिर को सात दिन के लिए एनआईए की हिरासत में भेजा था, जिसकी अवधि बुधवार को खत्म हो रही थी। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में काजीगुंड का निवासी वानी आत्मघाती बम हमलावर उमर का करीबी सहयोगी है। उसे 17 नवंबर को श्रीनगर से गिरफ्तार किया गया था।

वक्फ पंजीकरण समय सीमा बढ़ाने का आग्रह

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने बुधवार को 'उम्मीद' पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों को पंजीकृत करने में तकनीकी कठिनाइयों का उल्लेख किया और अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन से पंजीकरण की समयसीमा बढ़ाने का आग्रह किया। केंद्र ने छह जून को यह पोर्टल शुरू किया था। आदेश के अनुसार देश में पंजीकृत सभीवक्फ संपत्तियों का इस पर अनिवार्य रूप से छह महीने के भीतर विवरण अपलोड किया जाना है। पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता सैयद कासिम रसूल इलियास ने कहा कि पोर्टल बार-बार क्रैश हो रहा है, धीमा हो रहा है और कभी-कभी पूरी तरह बंद हो रहा है। इससे दिक्कतें हो रही हैं।

अनिवार्य रूप से 'संचार साथी' एप स्मार्टफोन में लगाने का आदेश वापस

सरकार ने कहा- लोग खुद एप कर रहे हैं डाउनलोड, इसलिए बदला फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने स्मार्टफोन विनिर्माताओं के लिए सभी नए फोन में साइबर सुरक्षा एप 'संचार साथी' को पहले से लगाने की अनिवार्यता बुधवार को वापस ले ली। इस पर उपयोगकर्ता की निजता का उल्लंघन होने और निगरानी के जोखिम की चिंता जताई गई थी। सरकार ने आदेश वापस लेते हुए साफ किया कि यह एप सिर्फ चोरी हुए फोन का पता लगाने, ब्लॉक करने और उनका दुरुपयोग रोकने में मददगार है। एप स्टोर पर स्वैच्छिक रूप से डाउनलोड के लिए उपलब्ध रहेगा।

संचार मंत्रालय ने एक बयान में कहा, सरकार ने मोबाइल विनिर्माताओं के लिए एप को फोन में पहले से इंस्टॉल करने को अनिवार्य नहीं करने का फैसला किया है। यह कदम विपक्षी दलों और निजता का समर्थन करने वालों के विरोध के बाद उठाया गया है जिन्होंने आरोप लगाया था कि एप कॉल सुनने के साथ संदेश भी पढ़ सकता है। कहा जा रहा है कि एप्पल और सैमसंग जैसे कई विनिर्माताओं ने भी 28 नवंबर के आदेश पर आपत्ति जताई है। मंत्रालय के बयान के अनुसार, उपयोगकर्ताओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है और एप इंस्टॉल करने का आदेश इस प्रक्रिया को तेज करने और कम जागरूक नागरिकों तक एप को आसानी से पहुंचाने के लिए दिया गया था।

अब तक 1.5 करोड़ एप डाउनलोड

सिंधिया ने लोकसभा में बताया, अब तक लगभग 1.5 करोड़ एप डाउनलोड हो चुके हैं। दूरसंचार विभाग के मुताबिक विरोध के बीच पिछले एक दिन में ही छह लाख नागरिकों ने एप डाउनलोड करने के लिए पंजीकरण कराया है, जो इसके उपयोग में 10 गुना वृद्धि है। इसकी मदद से 26 लाख चोरी हुए हैंडसेट का पता लगाया गया है, सात लाख चोरी हुए हैंडसेट लोगों को वापस किए गए हैं। 41 लाख मोबाइल कनेक्शन काट दिए गए हैं और छह लाख धोखाधड़ी को रोक दिया गया है।

ऐसा एप पहली बार भारत में

हालांकि, दुनिया में अब तक किसी और देश ने सभी स्मार्टफोन पर साइबर सुरक्षा एप को पहले से लगाने को अनिवार्य नहीं किया है। एकमात्र अपवाद रूस है, जिसने अगस्त में सरकारी संदेश सेवा 'मैक्स' सभी फोन और टैबलेट में इंस्टॉल करने की अनिवार्यता लागू की था।

संचार साथी से जासूसी संभव नहीं : सिंधिया

संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को कहा कि 'संचार साथी' एप के माध्यम से न तो जासूसी संभव है और न होगी। सिंधिया ने सभी नए मोबाइल उपकरणों में इस एप को प्रीलोड करने के सरकार के निर्देश पर उठे विवाद के बीच लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार देश की जनता के हाथ में अधिकार देना चाहती है ताकि वे खुद को सुरक्षित रख सकें। उन्होंने कहा कि जनता की प्रतिक्रिया पर मिली सफलता के आधार पर यह प्रयोग किया गया है और भविष्य में जनता के ही सुझावों के आधार पर सरकार इसमें परिवर्तन के लिए तैयार है। संचार मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार का इस बारे में कोई हठ नहीं है।

भाजपा बन गई भारतीय जासूस पार्टी : कांग्रेस

कांग्रेस ने बुधवार को भाजपा पर 'भारतीय जासूस पार्टी' होने का आरोप लगाया और दावा किया कि 'संचार साथी' एप लोगों के घरों में घुसने का षडयंत्र है। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह दावा भी किया कि संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भले ही एप से जुड़े दावों से इन्कार किया हो लेकिन संबंधित निर्देश को अब तक लिखित रूप से वापस नहीं लिया गया है। खेड़ा ने बगैर कोई नाम लिए कहा, देश में दो जासूस हैं। ये दोनों जासूस हर मोबाइल में 'संचार साथी' नाम का हाथी बैठाना चाहते हैं। क्योंकि, जासूसी करना इन लोगों की पुरानी आदत रही है। उन्होंने कहा, इस षड़्यंत्र के खिलाफ हर स्तर पर लड़ाई लड़ेंगे और जनता की निजता का हनन नहीं होने देंगे।

हवाई अड्डों पर चेक इन प्रणाली बाधित, उड़ानों में घंटों की देरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- मैन्युअल प्रक्रिया से की गई जांच, चेक इन काउंटरों पर लगीं कतारें

तकनीकी खराबी के कारण बुधवार सुबह देश के नौ हवाई अड्डों पर 'चेक-इन' प्रणालियों में दिक्कत आने से कई उड़ानों में देरी हुई। सिस्टम ठप होने के कारण एयरलाइनों को यात्रियों की जांच के लिए मैन्युअल प्रक्रिया अपनानी पड़ी। इससे जांच प्रक्रिया की गति धीमी हो जाने के कारण यात्रियों को चेक इन काउंटरों पर लंबी कतारों का सामना करना पड़ा।

वाराणसी हवाई अड्डे पर यात्रियों के लिए जारी एक संदेश में माइक्रोसॉफ्ट विंडोज की सेवा बाधित होने की सूचना दी गई थी, लेकिन टेक कंपनी 'माइक्रोसॉफ्ट' ने इस तरह की किसी भी समस्या से इन्कार करते हुए इस सूचना को तथ्यात्मक रूप से गलत करार दिया। वाराणसी हवाई अड्डे पर यात्रियों के लिए जारी संदेश में कहा गया था, माइक्रोसॉफ्ट विंडोज ने वैश्विक स्तर पर सेवा बाधित होने की सूचना दी है। हवाई अड्डों पर आईटी सेवाएं-चेक-इन प्रणालियां प्रभावित हुई हैं। संपर्क करने पर माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि विंडोज में कोई समस्या नहीं है। यह तथ्यात्मक रूप से गलत दावा है।

चेक इन प्रणाली में दिक्कत से दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, वाराणसी, अहमदाबाद और सूरत के हवाई अड्डों पर विमानन कंपनी इंडिगो, स्पाइसजेट, अकासा एयर और एअर इंडिया एक्सप्रेस विशेष रूप से प्रभावित हुई हैं। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने सुबह सात बजकर 40 मिनट पर 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कुछ घरेलू एयरलाइंस वर्तमान में परिचालन चुनौतियों का सामना कर रही हैं।

चालक दल की कमी से इंडिगो की 70 से अधिक उड़ानें रद्द

मुंबई। चालक दल की कमी के कारण बुधवार को घरेलू एयरलाइन इंडिगो की 70 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। बेंगलुरु और मुंबई समेत कई हवाईअड्डों पर चालक दल की पर्याप्त उपलब्धता न होने से कई उड़ानों में देरी भी हुई। इंडिगो ने कहा, पिछले कुछ दिनों में प्रौद्योगिकी से जुड़ी समस्याओं, हवाई अड्डे पर भीड़भाड़ और परिचालन प्रावधानों समेत विभिन्न कारणों से कई उड़ानों में देरी हुई है जबकि कुछ को रद्द करना पड़ा है। बताया जा रहा है कि उड़ान ड्यूटी की समय सीमा (एफडीटीएल) मानदंडों का दूसरा चरण लागू होने के बाद से इंडिगो को चालक दल की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। एयरलाइंस ने कहा है कि उड़ानों में देरी या उड़ानें रद्द होने का सिलसिला दो दिन और जारी रह सकता है।

दुकानों पर लगा क्यूआर कोड स्कैन कर दे सकेंगे दवा के दुष्प्रभावों की जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी

- पूरे देश में लागू की नई व्यवस्था, टोल फ्री नंबर भी प्रदर्शित करने का निर्देश

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के दवा लाइसेंसिंग प्राधिकारियों को निर्देश दिया है कि देशभर की खुदरा और थोक दवा दुकानों पर एक निर्धारित क्यूआर कोड और टोल-फ्री नंबर लगाया जाए, ताकि लोग किसी भी दवा से होने वाले किसी नुकसानदायक असर की जानकारी दे सकें।

सीडीएससीओ के मुताबिक इस कदम से आम लोगों को दवाओं के दुष्प्रभाव और उनसे जुड़े मामलों को 'पीवीपीआई एडवर्स ड्रग रिएक्शन मॉनिटरिंग सिस्टम' में दर्ज कराने में मदद मिलेगी। सीडीएससीओ ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के दवा लाइसेंसिंग प्राधिकारियों को भेजे गए एक परिपत्र में सुनिश्चित करने को कहा है कि देशभर की प्रत्येक खुदरा और थोक दवा दुकान में निर्धारित क्यूआर कोड को प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित किया जाए। परिपत्र के अनुसार, प्रत्येक दवा दुकान पर क्यूआर कोड के साथ टोल-फ्री नंबर भी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जाना चाहिए।

रुपया पहली बार डॉलर के मुकाबले 90 के पार

मुंबई। विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच रुपया बुधवार को पहली बार 90 प्रति डॉलर के नीचे चला गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 25 पैसे टूटकर 90.21 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो अब तक का सबसे निचला स्तर है।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों के मुताबिक, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर अनिश्चितता कायम रहने और डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट थामने के लिए रिजर्व बैंक के आगे न आने से स्थानीय मुद्रा रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये ने सुबह कारोबार की शुरुआत 89.96 के स्तर पर की थी।

पश्चिम बंगाल : 32,000 प्राथमिक शिक्षकों की नियुक्ति समाप्त करने का आदेश रद्द

कोलकाता, एजेंसी

- कोलकाता हाईकोर्ट की खंडपीठ ने पलटा एकल पीठ का फैसला

कलकत्ता हाईकोर्ट की एक खंडपीठ ने बुधवार को एकल पीठ के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें पश्चिम बंगाल में 32,000 प्राथमिक विद्यालय शिक्षकों की नियुक्तियों को रद्द कर दिया गया था। इन शिक्षकों की भर्ती पश्चिम बंगाल प्राथमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा 2014 के शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) पैनल के माध्यम से 2016 में की गई थी।

न्यायमूर्ति तपब्रत चक्रवर्ती और न्यायमूर्ति रीताब्रत कुमार मित्रा की पीठ ने कहा कि वह एकल पीठ के आदेश को बरकरार रखने के पक्ष में नहीं है, क्योंकि सभी भर्तियों में अनियमितताएं साबित नहीं हुई हैं।

अदालत ने कहा कि नौ वर्ष के बाद नौकरी समाप्त करने से प्राथमिक शिक्षकों और उनके परिवारों पर बहुत प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। पीठ ने कहा कि सीबीआई, जिसे हाईकोर्ट ने मामले की जांच करने का निर्देश दिया था, उसने शुरू में 264 नियुक्तियों की पहचान की थी, जिनमें एक अतिरिक्त अंक देने के रूप में अनियमितताएं हुई थीं। अदालत ने कहा कि जांच एजेंसी को अब तक ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है कि यह चिह्न बाहरी संस्थाओं के निर्देश पर दिया गया था।

उत्सर्जन निगरानी प्रणाली स्थापित न की तो बंद कराए जाएंगे उद्योग

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्र ने दिल्ली-एनसीआर के उद्योगों के लिए तय की 31 दिसंबर की समयसीमा

केंद्र ने लगातार खतरनाक वायु गुणवत्ता के बीच बुधवार को दिल्ली-एनसीआर के अधिकारियों को 31 दिसंबर तक उत्सर्जन निगरानी प्रणाली और वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों को स्थापित न करने पर अत्यधिक प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को बंद कराने और दूसरी सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया। केंद्र सरकार ने इसके साथ दिल्ली-एनसीआर को इस महीने के भीतर अपनी 2026 की वायु प्रदूषण नियंत्रण योजनाओं को अंतिम रूप देने का भी निर्देश दिया।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में हुई एक समीक्षा बैठक में ये निर्णय लिए गए। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अध्यक्ष वीर विक्रम यादव ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में 2,254 अत्यधिक प्रदूषणकारी उद्योगों ने अब तक अपने ऑनलाइन सतत उत्सर्जन निगरानी प्रणाली (ओसीईएमएस) को सीपीसीबी सर्वर से स्थापित और कनेक्ट नहीं किया है। यादव ने कहा, 31 दिसंबर की समयसीमा को पूरा नहीं करने वाले उद्योगों के खिलाफ उन्हें बंद करने जैसी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वैज्ञानिक आकलन

लाल ग्रह की गुफाओं में होगा मानव का पहला आशियाना, आंधी-तूफानों के साथ कई मुसीबतों से सुरक्षित रखेगी गुफा

22वीं सदी तक मंगल पर इंसानों का आना-जाना सामान्य बात होगी

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : कई मायनों में पृथ्वी से मेल खाने वाले मंगल ग्रह पर इंसान का पहला ठिकाना भूमिगत गुफाएं होंगी। हाल ही में खोजी गईं ये गुफाएं धूल भरी आंधी, तूफान, सूर्य विकिरण के अलावा सूक्ष्म जीवों से महफूज रखेंगी।

यहीं से मंगल पर बस्ती बसाने के सपने को मूर्तरूप दिए जाने की कवायद शुरू हो सकेगी। एरीज, नैनीताल के वैज्ञानिकों का कहना है कि, इस बात की प्रबल संभावना जताई जा सकती है कि 22वीं सदी तक मंगल पर आम इंसानों का आना-जाना सामान्य बात होगी।

मंगल ग्रह और पृथ्वी की तुलना में कई समानताएं हैं। मंगल पृथ्वी के समान चट्टानी ग्रह है। इसका एक दिन पृथ्वी से सिर्फ 39 मिनट अधिक है। पृथ्वी का अक्षीय झुकाव 23.44 डिग्री है, जबकि मंगल का 25.2 डिग्री है। मंगल के ध्रुवों पर बर्फ है। इसके वायुमंडल में नाइट्रोजन और ऑक्सीजन के अलावा कार्बन डाई ऑक्साइड मौजूद है और भी कई तरह की समानताएं इन दोनों ग्रहों के बीच मौजूद हैं। मगर इन सब के बीच पृथ्वी में इंसानों द्वारा बनाए भवन वहां नहीं है और इस कमी को पूरा करने का सपना हमारे वैज्ञानिक पिछले करीब ढाई वर्षों से संजोए हुए हैं।

मंगल पर घर बनाने में सबसे बड़ा खतरा सूर्य से आने वाले विकिरण का है, जो स्किन कैंसर का प्रमुख कारण है। पृथ्वी पर ओजोन लेयर का आवरण है, जो विकिरण को धरती तक आने से रोक देता है। दूसरी दिक्कत धूल भरी आंधियां हैं, जो उठने के बाद कई महीने मंगल के निचले वातावरण में सक्रिय रहती हैं। सूक्ष्म जीव भी मंगल के वातावरण में हैं, जो कई रोगों को जन्म दे सकते हैं। ये समस्याएं इतनी बड़ी हैं कि इसका हल खगोल वैज्ञानिकों को सूझ नहीं रहा था। मगर हाल ही में मंगल की धरती पर मिली गुफाओं में इस समस्या का हल वैज्ञानिकों को दिखाई देने लगा है।

डगर मुश्किल है लेकिन नामुमकिन नहीं

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे कहते हैं कि लाल ग्रह पर इंसानों की रिहायश की डगर मुश्किल तो है, लेकिन नामुमकिन नहीं। इस दिशा के मंगल की गुफाएं सहायक साबित होंगी। जहां रहकर मंगल के विकिरण से बचने के उपाय सबसे पहले तलाशने होंगे, ताकि खुले आसमान में कार्य कर सकें। इस समस्या के निदान के बाद दूसरी समस्याओं के हल तलाशने होंगे। इस कार्य में लंबा समय लग सकता है। मगर इस बात की प्रबल संभावना व्यक्त की जा सकती है कि 22वीं सदी तक मंगल पर आम इंसानों का आना-जाना सामान्य बात होगी।

नासा, स्पेस एक्स और चीन के बीच जबरदस्त होड़

मंगल पर इंसान का पहला कदम रखने को लेकर नासा, निजी संस्था स्पेस एक्स और चाइना के बीच जबरदस्त होड़ है। इस दिशा में नासा आर्टेमिस मिशन के जरिए मंगल पर चार इंसानों के दल को मंगल पर पहुंचाना चाहते है। उम्मीद है नासा का यह मिशन अगले चार पांच वर्षों में पूरा हो जाएगा। इस दौड़ में स्पेस एक्स कतई पीछे नहीं रहना चाहता और घोषणा कर चुका है कि वही सबसे पहले इंसान को लाल ग्रह पर पहुंचाएगा। चीन अभी तक कई मिशन मंगल पर चला चुका है और चीन की खासियत है कि वह दबे पांव अपने कार्य को अंजाम तक पहुंचा देता है। चीन अभी तक कई मिशन मंगल पर चला चुका है। जिस कारण मंगल पर पहुंचने की चीन के इरादे की झलक समझ में आती है।

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 4 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

बच्चों को देख मिलने पहुंचे मुख्यमंत्री

अमृत विचार, गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बालप्रेम एक बार फिर देखने को मिला। बुधवार को गोरखपुर सर्किट हाउस परिसर में हेलिपैड से उतरते ही उनकी नजर जब समीप के पार्क के गेट पर बच्चों के समूह पर गई तो वह खुद उनसे मिलने उनके पास पहुंच गए। उन्होंने बच्चों से आत्मीयता से बात की और चॉकलेट दिया। उस वक्त बच्चे ताइक्वांडो की प्रैक्टिस कर रहे थे। हेलीकाप्टर की गड़गड़ाहट सुनकर बच्चे गेट के पास आकर देखने लगे। सीएम योगी को देखते ही बच्चों ने जयकारा लगाकर उनका अभिवादन किया। बच्चों को देखकर सीएम खुद को रोक नहीं पाए और पहले पार्क के पिछले गेट की ओर गए। गेट के दूसरी ओर खड़े बच्चों से दुलारा।

समारोह की शुरुआत आज करेंगे मुख्यमंत्री

अमृत विचार, लखनऊ : महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद गोरखपुर के 93वें संस्थापक सप्ताह समारोह की शुरुआत गुरुवार 4 दिसंबर को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में होगा। मुख्य अतिथि के रूप में राज्य आपदा प्रबंध प्राधिकरण एसडीआरएफ के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट योगेंद्र डिमरी उपस्थित रहेंगे। महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के क्रीड़ांगन में आयोजित यह कार्यक्रम पूर्वांचल का अति प्रतिष्ठित एवं सबसे बड़ा अकादमिक कार्यक्रम है। 7 दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में विविध प्रकार की अकादमिक एवं क्रीड़ा प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। अकादमिक प्रतियोगिताओं में गोरखपुर मंडल के 125 से अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थान प्रतिभाग करते हैं, जबकि भाषण एवं खेल-कूद की प्रतियोगिताओं जैसे वॉलीबाल, बास्केटबाल में पूरे प्रदेश से प्रतिभागी अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित करते हैं।

भंडारण क्षमता और खरीद केंद्रों की संख्या बढ़ी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने किसानों की आय में वृद्धि के लिए बीज से बाजार तक एक मजबूत और एकीकृत मूल्य श्रृंखला तैयार की है। अन्नदाता को फसल उगाने से लेकर बाजार तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने पिछले साढ़े 8 वर्ष में बड़े फैसले लिए हैं। उत्तर प्रदेश में आधुनिक और किसान-केंद्रित मॉडल बनाया गया है। सरकार के प्रयासों से कृषि विकास दर वर्ष 2016-17 में 8.6 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 17.7 प्रतिशत हो गयी है। राज्य प्रति वर्ष 400 लाख टन फल एवं सब्जियों का उत्पादन करते हुए देश में प्रथम स्थान पर है। वर्तमान सरकार केवल अनाज उगाने तक नहीं, बल्कि किसानों को लगातार आय के नए साधन विकसित करने की पूरी व्यवस्था बना रही है।

ठंड से न हो गोवंश की मौत, दिए निर्देश

अमृत विचार, लखनऊ : पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने बुधवार को प्रदेश के सभी गोआश्रय स्थलों पर आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। पशुधन मंत्री ने कहा कि अधिकारी नियमित रूप से गोशालाओं का निरीक्षण करें। वहां प्रकाश, सोलर लाइट की व्यवस्था अवश्य हो। गोवंश के लिए हरे चारे, ठंड से बचाव, तिरपाल, औषधियां, पेयजल आदि की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे। इस दौरा पशुधन मंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि ठंड से किसी भी गोवंश की मृत्यु न हो। पशुचिकित्साधिकारी गौ आश्रयस्थल पर जाकर गोवंश के उत्तम स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं औषधि की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

अपने आवास से ही श्रद्धांजलि देंगी मायावती

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा प्रमुख मायावती ने कहा है कि उनके आवागमन के दौरान सुरक्षा प्रबंधों के कारण आम

जनता को होने वाली दिक्कतों को देखते हुए अब वह महापुरुषों की जयंती व पुण्यतिथि जैसे कार्यक्रमों में स्वयं न जाकर अपने आवास या पार्टी कार्यालय से ही श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी। साथ ही उन्होंने अपील की है कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि (6 दिसंबर) के अवसर पर उप्र. में पश्चिमी यूपी को छोड़कर राज्य के सभी पार्टी पदाधिकारी व समर्थक लखनऊ स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल पर पहुंचकर श्रद्धा सुमन अर्पित करें। मालूम हो कि पार्टी प्रमुख ने पश्चिमी यूपी, दिल्ली और उत्तराखंड के लोगों को नोएडा स्थित 'राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल' पर अपने परिवार सहित बड़ी संख्या में पहुंचने की अपील की है, मगर बुधवार शाम को जिला प्रशासन द्वारा प्रेरणा स्थल में प्रस्तावित रैली पर रोक लगा दी है।

मनुष्य में ईश्वर का वास मानें, रखें सद्भाव व सहानुभूति

विश्व दिव्यांग दिवस पर आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने लोगों से की भावनात्मक अपील

विश्व दिव्यांग दिवस के मौके पर लखनऊ में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में दिव्यांग छात्रों को उपहार देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : विश्व दिव्यांग दिवस पर आयोजित एक राज्यस्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर व्यक्ति ईश्वरीय कृति है और मनुष्य ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ रचनाओं में से एक है। यदि हम हर मनुष्य के भीतर ईश्वर का वास मानकर उसके प्रति सद्भाव और सहानुभूति रखें तथा थोड़ा सा संबल दें तो उपेक्षा के भाव से उसे बाहर निकालकर समाज और राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन की सामर्थ्य और उनकी प्रतिभा से समाज को लाभान्वित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने दिव्यांगजनों के प्रति समाज की दृष्टि बदली है। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि शारीरिक रूप से कोई अंग कमजोर हो, लेकिन मानसिक रूप से वह अत्यंत परिपक्व हो। यदि संबल दिया जाए तो वह अपनी क्षमता, शक्ति और आत्मबल के आधार पर समाज और राष्ट्र के लिए अत्यंत उपयोगी बन सकता है। योगी के मुताबिक, आज राज्य सरकार ने पेंशन की राशि को 300 रुपये से बढ़ाकर 1000 रुपये कर दिया है। लाभार्थियों की संख्या भी 8 लाख से बढ़ाकर 11 लाख से अधिक कर दी गई है और तकनीक के उपयोग से पारदर्शी व सरल प्रक्रिया के जरिए उन्हें लाभान्वित किया जा रहा है। दिव्यांगजन के लिए अच्छे संस्थान स्थापित किए गए हैं और सहायक उपकरण वितरण की प्रक्रिया को भी व्यापक रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है।

सहायक सामग्रियों के लिए उपलब्ध कराया धन

मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि प्रदेश में यूडीआईडी कार्ड के 16,23,000 से अधिक कार्ड निर्गत किए गए हैं और 19,74,000 से अधिक पंजीकृत हैं। कुष्ठावस्था पेंशन को 2,500 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये किया गया है तथा कृत्रिम अंगों के लिए अनुदान 10,000 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपये किया गया है। स्मार्टफोन, टैबलेट और डेजी प्लेयर जैसी आधुनिक सहायक सामग्रियों के लिए भी धन उपलब्ध कराया गया है।

समारोह में इन्हें मिला सम्मान

- पुरस्कार वितरण के दौरान प्रतीक सैनी, विक्रम कुमार, विकास कुमार और मोहम्मद हामिद को राज्य स्तरीय सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग कर्मचारी के रूप में शॉल, चेक और प्रतीक चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।
- रागिनी शाह को सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन नियोक्ता के राज्य स्तरीय सम्मान से सम्मानित किया गया। केशव जालान को सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट अधिकारी और एजेंसी के राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- मुकेश कुमार शुक्ला और बॉबी रमानी को दिव्यांगजन के लिए कार्य करने वाले सर्वश्रेष्ठ व्यक्तियों के राज्य स्तरीय सम्मान से सम्मानित किया गया। भिनगा श्रावस्ती की संस्था को सर्वश्रेष्ठ संस्था के राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- आशादीप धर्मार्थ सेवा समिति, मुजफ्फरनगर को दिव्यांगजन के लिए कार्यरत सर्वश्रेष्ठ संस्था के राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- नंद प्रसाद यादव, पंकज कुमार श्रीवास्तव, विनायक बहादुर, अशोक कुमार और आस्था राय को प्रेरणास्रोत के राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- अंकित सिंघल को दिव्यांगजनों का जीवन सुधारने के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किया गया। शाजिया सिद्दीकी को उत्पाद विकास के राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- समेकित विकास क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र, गोरखपुर तथा उत्तर प्रदेश मूक बधिर विद्यालय, प्रयागराज को बाधा मुक्त वातावरण के सृजन हेतु राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- जनपद प्रयागराज को दिव्यांगजनों को उत्कृष्ट सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सर्वश्रेष्ठ जनपद का सम्मान दिया गया। प्रवीण शेखर, कुमारी पूजा, शुभम प्रजापति, साधना सिंह और हिमांशु नागपाल को भी सम्मानित किया गया।
- राजकीय ब्रेल प्रेस, लखनऊ को सर्वश्रेष्ठ ब्रेल प्रेस के सम्मान से सम्मानित किया गया। अजीत सिंह तथा रिदम शर्मा को सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग खिलाड़ी के रूप में सम्मानित किया गया। वहीं, डॉ. राजेंद्र पैसिया और डॉ. दिलीप कुमार को भी सम्मानित किया गया।
- शैक्षिक सत्र 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्पर्श राजकीय दृष्टिबाधित बालक तथा बालिका इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

25 को लखनऊ में होंगे पीएम मोदी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस क्रिसमस पर राजधानी पहुंचकर विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हो सकते हैं। संभावित यात्रा के अनुसार, प्रधानमंत्री 25 दिसंबर को लखनऊ आएंगे। उस दिन पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जयंती कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसी दिन यूपी समेत अन्य राज्यों में भी कई कार्यक्रम होंगे। अटल की जयंती को हर वर्ष सुशासन दिवस के रूप में भी मनाया जाता है।

इसी कड़ी में पीएम मोदी लखनऊ में पूरे दिन कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। वह अटल के साथ काम कर चुके भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित करेंगे। वाजपेयी के नाम पर प्रधानमंत्री मोदी नई शैक्षिक योजनाओं की घोषणा भी कर सकते हैं। यहां वह एक बड़ी जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

25 दिसंबर को लखनऊ में तैयार प्रेरणा स्थल (म्यूजियम) का पीएम मोदी उद्घाटन भी करेंगे। इस प्रेरणा स्थल में अटल बिहारी वाजपेयी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी से जुड़ी तस्वीरें और उनके व्यक्तिगत उपयोग की वस्तुएं प्रदर्शित की गई हैं।

परीक्षा को लेकर संवेदनशील जिलों में रखी जाएगी निगरानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्य सचिव ने सहायक अध्यापक परीक्षा को नकलविहीन कराने के दिए सख्त निर्देश

अमृत विचार: मुख्य सचिव एसपी गोयल ने सहायक अध्यापक परीक्षा को लेकर संवेदनशील जिलों में सख्त निगरानी रखने की हिदायत दी है। मुख्य सचिव परीक्षा को पूरी तरह निष्पक्ष, नकलविहीन कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सहायक अध्यापक (प्रशिक्षित स्नातक) के 7466 (15 विषय) पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा 6, 7 व 21 दिसम्बर और 17, 18, 24 व 25 जनवरी 2026 को दो पालियों में होगी। इसमें कुल 12,36,239 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं।

एसपी गोयल ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग से सभी मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक अध्यापक (प्रशिक्षित स्नातक) (पुरुष व महिला शाखा) (प्रा.) परीक्षा-2025 की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। मुख्य सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी स्वयं व्यक्तिगत निगरानी करते हुए सभी परीक्षा केंद्रों पर आयोग के मानकों के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं। यह भी निर्देश दिए कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह क्रियाशील रहें तथा पेयजल, शौचालय, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध रहें। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए एलआईयू और एसटीएफ की टीमें पूरी परीक्षा अवधि में सक्रिय रहें।

सड़क हादसों में मौतें कम करने को लगेंगी इन्फोर्समेंट डिवाइस

सड़क सुरक्षा कोष प्रबंधन समिति की बैठक में मुख्य सचिव एसपी गोयल ने दी बजट की जानकारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश के 25 जिलों में जहां सड़क दुर्घटना मृत्यु को कम करने के लक्ष्य से इलेक्ट्रॉनिक इन्फोर्समेंट डिवाइसेज लगाई जाएगी वहीं 9 जिलों के प्रमुख चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाएं जाएंगे। इतना ही नहीं व्हाट्सएप मेटा से ई-चालान भेजने समेत अन्य उपायों से जागरूकता संदेश देने के लिए भी बजट की व्यवस्था शासन ने कर दी है।

मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में आयोजित सड़क सुरक्षा कोष प्रबंधन समिति की बैठक हुई। मुख्य सचिव ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा निर्धारित सड़क दुर्घटना मृत्यु में 50 प्रतिशत कमी के लक्ष्य और सर्वोच्च न्यायालय एवं भारत सरकार के निर्देशों के क्रम में वर्ष 2024 के सड़क दुर्घटना आंकड़ों के आधार पर प्रदेश में घटित कुल दुर्घटना मृत्यु का 50 प्रतिशत भाग वाले राज्य के 25 जिलों (हरदोई, मथुरा, आगरा, लखनऊ, बुलन्दशहर, कानपुर नगर, प्रयागराज, सीतापुर, उन्नाव, बाराबंकी, लखीमपुर खीरी, बरेली, अलीगढ़, गौतमबुद्ध नगर, शाहजहांपुर, गोरखपुर, कुशीनगर, बदायूं, मेरठ, बिजनौर, आजमगढ़, फतेहपुर, गाजियाबाद, जौनपुर एवं फिरोजाबाद) में इलेक्ट्रॉनिक इन्फोर्समेंट डिवाइसेज की स्थापना के लिए प्रति जनपद 100 लाख रुपये और शेष 50 जनपदों में प्रति जनपद 50 लाख रुपये, कुल 5,000 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते मुख्य सचिव एसपी गोयल।

परिवहन अधिकारियों को मिलेंगे हाईटेक टैबलेट

प्रवर्तन को और सशक्त बनाने के लिए सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (सड़क सुरक्षा) के लिए प्रथम चरण में 18 अत्याधुनिक इंटरसेप्टर वाहन (एएनपीआर 360 डिग्री कैमरा, स्पीड रडार गन, ब्रेथ एनालाइजर आदि से सुसज्जित) की खरीद को 576 लाख रु. और क्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों के लिए 106 हाई-टेक टैबलेट के लिए 53 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यातायात निदेशालय द्वारा 25 करोड़ रुपये की लागत से 4,500 आयरन बैरियर, 4,525 फोल्डिंग बैरियर, 7,200 सेफ्टी हेलमेट, 8,000 फ्लोरोसेन्ट जैकेट, 270 ब्रेथ एनालाइजर, 85 स्पीड लेजर गन, 15 चार-पहिया एवं 62 दो-पहिया इंटरसेप्टर वाहनों की खरीद भी की जाएगी।

सड़क सुरक्षा के लिए 18,155.81 लाख रुपये की परियोजनाओं को हरी झंडी

सड़क सुरक्षा के लिए 18,155.81 लाख रुपये की परियोजनाओं को हरी झंडी दी गई। बैठक में फरवरी 2026 में सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत प्रस्तावित लार्ज स्केल सेंसिटाइजेशन इवेन्ट के लिए 3 करोड़ रुपये, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों को रोड सेफ्टी क्लबों के माध्यम से जागरूक करने एवं उनकी गतिविधियों के लिए 225 लाख रुपये, ब्लॉक, जिला, मंडल एवं राज्य स्तर पर सड़क सुरक्षा प्रतियोगिताओं एवं पुरस्कार वितरण के लिए 191.91 लाख रुपये, सड़क सुरक्षा सप्ताह, पखवाड़ा एवं माह के अंतर्गत सभी 75 जिलों में जन-जागरूकता कार्यक्रमों के लिए 244 लाख रुपये, जिलों में सुधारात्मक कार्यों के लिए 225 लाख रुपये, सड़क सुरक्षा मित्र योजना के अंतर्गत चयनित 28 जिलों के लिए 14 लाख रुपये, परिवहन निगम की सभी बसों में प्रचार-प्रसार के लिए 100 लाख रुपये और व्हाट्सएप मेटा के माध्यम से ई-चालान एवं जागरूकता संदेश भेजने के लिए 50 लाख रुपये की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त बाराबंकी, बुलन्दशहर, शाहजहांपुर, पीलीभीत, शामली, लखनऊ, उन्नाव, अलीगढ़ एवं औरैया जिलों में निर्माणाधीन डिटेंशन यार्ड के लिए 1,200.76 लाख रुपये तथा बलिया के प्रमुख चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे स्थापना के लिए 202.98 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

कारीपहाड़ी बना स्वच्छ ऊर्जा का मॉडल गांव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: गांवों में अब सरकार की योजना बायोगैस प्लांट के जरिए रोजगार और रोशनी दोनों को बूस्ट करने की है। इस क्रम में ललितपुर का कारीपहाड़ी एक बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है। इस क्षेत्र को स्वच्छ ऊर्जा का ऐसा मॉडल गांव बनाया जा रहा है, जिसके बाद राज्य के सभी गांवों की तस्वीर बदली नजर आएगी।

दरअसल, ग्रामीण विकास की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए पंचायतीराज विभाग ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-2 के अंतर्गत गोवर्धन परियोजना को नई गति दी है। अपशिष्ट को संपदा में बदलने के उद्देश्य से ललितपुर की ग्राम पंचायत कारीपहाड़ी में 85 घनमीटर क्षमता का बायोगैस संयंत्र स्थापित कर संचालित किया जा रहा है, जिसने ग्रामीण आजीविका और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणाम दिए हैं। संयंत्र से उत्पन्न गैस के उपयोग से 15 केवीए क्षमता के जेनरेटर के माध्यम से विद्युत उत्पादन किया जा रहा है, जिसका उपयोग दो निर्मित कक्षों में स्थापित आटा चक्की के संचालन के लिए किया जा रहा है। कम लागत पर उपलब्ध पिसाई सुविधा के कारण गांवों के लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती पर श्रद्धांजलि देते रालोद नेता।

रालोद ने मनाई डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती

अमृत विचार, लखनऊ : रालोद के प्रदेश कार्यालय में सोमवार को भारत के प्रथम राष्ट्रपति एवं महान स्वतंत्रता सेनानी डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने डॉ. प्रसाद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। रालोद के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सत्य, सादगी, राष्ट्रनिष्ठा और समर्पण की प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने देश के निर्माण में अमूल्य योगदान दिया।

यादव व मुस्लिम कर्मचारी बहाल हों

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एसआईआर प्रक्रिया को लेकर सपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने बुधवार को राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को एक विस्तृत शिकायत पत्र सौंपते हुए मांग की है कि प्रदेश की 403 विधानसभाओं में एसआईआर प्रक्रिया एवं मतदाता पंजीकरण केन्द्रों (वीआरसी) में वर्षों से कार्यरत यादव और मुस्लिम कर्मचारियों को जाति के आधार पर बर्खास्त न किया जाए। पार्टी ने यह भी मांग की है कि बर्खास्त किए गए इन कंप्यूटर ऑपरेटरों को तत्काल बहाल कर एसआईआर प्रक्रिया में पुनः सेवा दी जाए, जिससे निष्पक्षता और पारदर्शिता बनी रहे।

सपा ने ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि भाजपा सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक एवं अन्य नेताओं के दबाव में कई जिलों में इन कर्मचारियों को सेवा से हटाया जा रहा है। फर्रूखाबाद, भोजपुर और कायमगंज विधानसभा क्षेत्रों के मतदाता पंजीकरण केंद्रों में कई वर्षों से कार्यरत टीनम यादव, सुनील यादव और असलम खान को जिला निर्वाचन अधिकारी के अनुरोध पर 25 नवंबर 2025 को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बर्खास्त किया गया है। इसके अलावा प्रदेश अध्यक्ष ने प्रयागराज जिले में प्रतापपुर, सोरांव, हंडिया, फूलपुर, फाफामऊ विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं के गणना प्रपत्र बीएलओ द्वारा दबाव में "थर्ड ऑप्शन" में सबमिट किए जाने की भी शिकायत की गई है, जबकि मतदाताओं ने अपने दस्तावेज और विवरण साफ-साफ जमा किए थे। इससे बड़ी संख्या में मतदाताओं को अनावश्यक नोटिस भेजे जाने की आशंका है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि रायबरेली के ऊंचाहार, गोंडा की सभी विधानसभाओं, जौनपुर के केराकत तथा चित्रकूट के मानिकपुर क्षेत्र में गणना प्रपत्र न दिए जाने, 2003 की मतदाता सूची उपलब्ध न होने और बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं के नाम गायब होने जैसी गंभीर अनियमितताओं का भी उल्लेख किया गया है।

मंजूरी | लखनऊ, रायबरेली व महाराजगंज के अस्पतालों को मिला बजट

सरकारी अस्पतालों में लेप्रोस्कोपिक सर्जरी की सुविधा

पद्माकर पाण्डेय, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के अधिकतर सरकारी अस्पतालों में अब मरीजों को अत्याधुनिक लेप्रोस्कोपिक तकनीक से सर्जरी की सुविधा मिल सकेगी। इस तकनीक के आने से राजधानी ही नहीं, जिलों में भी मरीजों को बड़े चीरे, ज्यादा दर्द, अधिक खून बहने और हफ्तों अस्पताल में भर्ती रहने से छुटकारा मिलेगा। छोटे चीरे में बड़ी सर्जरी संभव होगी और मरीज जल्दी घर लौट सकेगा।

इसके लिए राज्य सरकार ने राजधानी लखनऊ के राम सागर मिश्र संयुक्त चिकित्सालय, रायबरेली जिला चिकित्सालय और महाराजगंज जिला संयुक्त चिकित्सालय में लेप्रोस्कोपिक सेट खरीदे जाने की मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही आधुनिक एनेस्थिसिया टेबल और कलर डाप्लर अल्ट्रासाउंड मशीनों की खरीद को भी न केवल मंजूरी मिली, बल्कि लगभग 5.90 करोड़ रुपये का बजट भी जारी कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त सचिव आनंद कुमार राय ने बुधवार को स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. रतन पाल सिंह सुमन को आदेश जारी कर दिया।

शासन की ओर से जारी बजट में रायबरेली जिला चिकित्सालय को लेप्रोस्कोप सेट के अलावा 35 लाख की कलर डाप्लर अल्ट्रासाउंड मशीन, डिजिटल एक्स-रे और ए-स्कैन मशीन की खरीद की अनुमति मिली है, इसी प्रकार गर्भवती महिलाओं के इलाज को ध्यान में रखकर कानपुर के एएचएम डफरिन चिकित्सालय व गोरखपुर जिला महिला चिकित्सालय में हाईटेक सेटअप स्थापित किया जा रहा है। दोनों ही अस्पतालों में आधुनिक अल्ट्रासाउंड मशीनें, ओटी टेबल और सीबीसी मशीनें स्वीकृत की गयी हैं, आधुनिक अल्ट्रासाउंड मशीनों के आने से गर्भवती महिलाओं को अल्ट्रासाउंड के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

राजधानी के राम सागर मिश्र चिकित्सालय में मिलेंगी ये सुविधाएं

- 20-20 लाख रुपये के दो लेप्रोस्कोपिक सेट
- आंखों की सर्जरी के लिए दो फेको मशीन
- सी-आर्म मशीन, एनेस्थिसिया वर्क स्टेशन, डिजिटल एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, ए-स्कैन
- बॉडी डीप फ्रीजर, इलेक्ट्रिकल ड्रिल सा., इलेक्ट्रो कॉट्री, डिफिब्रिलेटर आदि के लिए भी बजट स्वीकृत

महाराजगंज जिला अस्पताल भी होगा अपग्रेड

- 20 लाख का लेप्रोस्कोप सेट
- 30-30 लाख के दो एनेस्थिसिया वर्क स्टेशन
- सी-आर्म मशीन, नॉन-कांटेक्ट टोनोमीटर
- ऑटोमेटेड कैरोटोमीटर एंड रिफ्रैक्टोमीटर
- डेंटल एक्स-रे, एबीजी मशीन
- 250 केवीए क्षमता का जनरेटर मंजूर

एसआईआर से संवैधानिक अधिकार किए जा रहे खत्म

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार अपनी नाकामी छुपाने के लिए एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) करा रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपना वोट अवश्य बनवाएं और उसे कटने से बचाएं, क्योंकि भाजपा बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा दिए गए संवैधानिक अधिकारों को खत्म करने की तैयारी कर रही है। कहा कि यदि वोट का अधिकार छीना गया तो आरक्षण सहित संविधान से मिले अन्य अधिकार भी खतरे में पड़ जाएंगे।

सपा प्रमुख ने बुधवार को जारी बयान में चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि आयोग का काम है किसी भी मतदाता का नाम सूची से न कटे, लेकिन भाजपा सरकार के दबाव में उल्टा हो रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान लाखों लोग मतदान से वंचित हो गए, जबकि उप्र. और पश्चिम बंगाल में इस वर्ष चुनाव भी नहीं होने हैं, फिर भी अनावश्यक तेजी दिखाई जा रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार का काम जनता को रोजगार देना नहीं, बल्कि लोगों को झूठे मुकदमों में फंसाना बन गया है।

न्यूज ब्रीफ

युवती से दुष्कर्म के आरोपी पकड़े गए

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र के एक गांव में युवती से दुष्कर्म और आत्महत्या के लिए विवश करने के मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों को धर दबोचा। पूछताछ के बाद दोनों को जेल भेजा गया है। दोनों आरोपी आशिक खान और हबीब खान के खिलाफ मुकदमा कायम कराया गया था। दोनों रूरा थाना क्षेत्र के अमौली ठाकुरान गांव के रहने वाले हैं।

विवाहिता ने निगला जहर, बिगड़ी हालत

रसूलाबाद। भभोखार की एक महिला ने शराबी पति की आदतों से तंग आकर जहर निगल लिया। हालत बिगड़ने पर स्वजन उसे सीएचसी लाए, जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर गंभीर हालत में हैलट कानपुर रेफर कर दिया। बताते हैं कि भभोखर गांव की शारदा देवी (45) अपने पति अशोक कुमार की शराब कि लत से परेशान होकर बुधवार सुबह कोई जहरीला पदार्थ खा लिया। सीएचसी के डॉक्टर शैलेंद्र ने प्राथमिक उपचार के बाद हैलट कानपुर रेफर किया है।

दिव्यांगजनों को बांटे सहायक उपकरण

कानपुर देहात। विश्व दिव्यांग दिवस पर बुधवार को मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल एवं कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण वितरित किए गए। कैबिनेट मंत्री राकेश सचान और राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने 10 दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, 43 को ट्राईसाइकिल, 53 को व्हीलचेयर, 24 को वैशाखी व 16 दिव्यांगजनों को वाकिंग स्टिक बांटी। यहां विधायक पूनम संखवार, एडीएम (प्रशासन) अमित कुमार, उपायुक्त मनरेगा गंगाराम, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी सहित वंशीलाल, विनीता, रामू, सर्वेश कुमार, सौरभ, शैलेंद्र बाबू, रामकली आदि दिव्यांगजन उपस्थित रहे।

सीएचसी में टीका उत्सव का आयोजन

कानपुर देहात। अकबरपुर सीएचसी में बुधवार को टीका उत्सव हुआ। सीएमओ ने फीटा काटकर शुभारंभ किया। उत्सव में 0-05 वर्ष तक के बच्चों, गर्भवती महिलाओं तथा किशोर किशोरियों का दिसंबर में टीकाकरण किया जाना है। चिन्हित बच्चों को जानलेवा बीमारियों से बचाने के लिए प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को पूर्व में चिन्हित स्थलों पर टीकाकरण किया जाएगा। टीकाकरण से आच्छादित लाभार्थियों का डाटा यूविन पोर्टल पर एएनएम द्वारा फीड किया जाएगा। यहां जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. आशीष बाजपेयी, डा. आईएच खान, नोडल अधिकारी डा. शिवम तिवारी, प्रतिरक्षण अधिकारी नरेंद्र तिवारी, एचईओ राजीव त्रिपाठी आदि रहे।

मैथा में एसआईआर 94 प्रतिशत पूर्ण

शिवली। मैथा एसडीएम राजकुमार पांडेय ने बताया कि बुधवार तक रसूलाबाद विधानसभा आंशिक भाग संख्या 247 से 282 तक 94 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है। यहां 31,638 के सापेक्ष 29,600 मतदाताओं का डिजिटाइजेशन भी पूरा हो गया। 10 प्रतिशत मतदाता मृतक, सिफ्टेड व अपसेंट रहे। इसी प्रकार अकबरपुर-रनियां विधानसभा आंशिक भाग संख्या 239 से 384 तक कुल मतदाता संख्या 1,13,763 के सापेक्ष 1,06,200 मतदाताओं का डिजिटाइजेशन पूर्ण हो गया है। 11 प्रतिशत मतदाता मृतक, सिफ्टेड व अपसेंट पाए गए। बीएलओ के अथक प्रयासों से उपलब्धि हासिल हुई है।

इंसानियत जिंदा है...

बुधवार को अकबरपुर के नमस्ते चौराहे पर एक दिव्यांग वृद्ध काफी देर से सड़क पार करने की कोशिश कर रहा था। आते-जाते वाहनों को देख वह कभी दो कदम आगे बढ़ता तो कभी चार कदम पीछे हट जाता। इस बीच चौराहे पर तैनात होमगार्ड के जवान की उस पर नजर पड़ी तो वह वृद्ध के पास पहुंचा और वृद्ध को सहारा देकर सड़क पार कराई। बुजुर्ग उसकी तारीफ करते रहे। ● अमृत विचार

कचहरी के झंडा पार्क में शोकसभा

कानपुर देहात। वरिष्ठ अधिवक्ता सत्यनारायण गुप्ता के निधन के बाद झंडा पार्क में बुधवार को शोकसभा आयोजित हुई।

शोकसभा में जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव ने कहा कि जो व्यक्ति दुनिया से चला जाता है वह वापस कभी नहीं आता है परंतु वह हमारे दिलों दिमाग में हमेशा बना रहता है। शोक सभा में दो मिनट का मौन रखा गया। महामंत्री घनश्याम सिंह सहित संपत लाल यादव, सुबोध नारायण त्रिपाठी, रमेश चंद्र सिंह गौर, सर्वेंद्र सिंह, विश्वनाथ सिंह, जितेंद्र बाबू, महेंद्र सिंह, वैभव कान्त, नीलू यादव, राजेंद्र द्विवेदी, शिवगिरजा शंकर पाल, दुर्गेश चंद्र, रंजीत सिंह, सुरजीत सिंह, सरला अग्रवाल, सुलेखा, राजेश गुप्ता, अजहर अली, शमशाद खान, दिनेश गुप्ता, भूपेंद्र कुमार आदि रहे।

दिव्यांग सशक्तिकरण में मिला राष्ट्रपति सम्मान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

● पुखरायां के प्रमिला कटियार शिक्षण संस्थान की उपलब्धि

● राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों पूर्व विधायक को मिला प्रशस्ति पत्र

अमृत विचार: जिले को बड़ी उपलब्धि मिली है। दिव्यांग जनों के लिए उत्क्रष्ट कार्य करने पर प्रमिला कटियार शिक्षा संस्थान पुखरायां को राष्ट्रपति के हाथों सम्मान मिला है। बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संस्था के सचिव व पूर्व विधायक विनोद कटियार को द्रौपदी मुर्मू ने प्रशस्ति पत्र भेंट किया। बड़ा सम्मान मिलने पर स्थानीय लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

दिव्यांग जनों के सशक्तिकरण हेतु किए गए अच्छे कार्यों को लेकर प्रमिला कटियार शिक्षा संस्थान को राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चुना गया। दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण और उनके समावेशन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इसी परिप्रेक्ष्य में बुधवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें देश भर से चयनित लोगों और संस्थाओं को सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रशस्ति पत्र और सम्मान राशि भेंट की। सम्मानित किए जाने वाली संस्थाओं में पूर्व विधायक विनोद कटियार की संस्था प्रमिला कटियार शिक्षा संस्थान भी शामिल है।

पूर्व विधायक विनोद कटियार को प्रशस्ति पत्र देतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू। अमृत विचार

संस्था करीब एक दशक से दिव्यांग कल्याण के लिए सक्रिय है। विकलांग कल्याण के लिए कई अहम काम किए। दिव्यांगों के हित में सक्रियता से काम कर संस्था ने न केवल पुखरायां, बल्कि पूरे जिले का नाम राष्ट्रीय पटल पर रोशन किया। दिव्यांग जन सशक्तिकरण मंत्रालय के डिप्टी डायरेक्टर जनरल ऋचा शंकर ने पत्र भेज कर संस्था के सचिव विनोद कुमार कटियार को सम्मानित किए जाने की जानकारी दी। उन्हें कार्यक्रम में उपस्थित रहने को आमंत्रित भी किया। संस्था को सम्मान मिलने की जानकारी पर जिले भर में खुशी की लहर दौड़ गई। लोगों ने आगामी दिनों में विनोद कटियार के अभिनंदन की तैयारी की है।

बाइकों की सीधी भिड़ंत में एक की मौत, 2 घायल

अकबरपुर में बेटी को स्कूल लेने जा रहा था डॉक्टर का पुत्र

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचार: अकबरपुर में हाईवे पर स्कूल से बेटी को लेकर लौट रहे बाइक सवार युवक को सामने से बाइक ने टक्कर मार दी, जिससे युवक की मौत हो गई। दूसरी बाइख पर सवार दो युवक घायल हो गए। एक की हालत नाजुक होने पर कानपुर ले जाया गया है।

अकबरपुर के शंकर दयाल नगर निवासी डॉ. अब्दुल सलाम की पुराने बस स्टैंड के पास क्लीनिक है। वहीं बेटा इरशाद सिद्दकी (40) दवा की दुकान चलाता था। बेटी आयरा शहजादपुर के पास हाईवे किनारे स्कूल में पढ़ती है। इरशाद बुधवार की दोपहर उसे लेने बाइक से स्कूल जा रहे थे। ऑटो मोबाइल कंपनी के शोरूम के पास सामने से आई तेज रफ्तार बाइक ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह उछलकर दूर जा गिरे। सिर और सीने में गंभीर चोटों के कारण वह अचेत हो गए। हादसे में दूसरी बाइक के सवार युवक भी घायल हुए। पास से गुजरे ई रिक्शा चालक ने देखा तो तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया।

परीक्षण के बाद डाक्टरों ने इरशाद को मृत घोषित कर दिया। दूसरी बाइक के सवार सक्षम बाजपेई पुत्र अटल वाजपेई निवासी रसधान, सिकंदरा की हालत खराब थी। उसे परिजन इलाज के लिए कानपुर ले गए। वहां एक निजी अस्पताल में उसे भर्ती कराया गया है। बाइक पर सवार दूसरा व्यक्ति राधे यादव पुत्र जगदीश निवासी ग्राम व पोस्ट करौसा थाना अकबरपुर का है। उसकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। अकबरपुर के निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा। इरशाद के पिता डॉ.अब्दुल सलाम की ओर से कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

'हम ठीक हैं अब्बू' कहकर इरशाद ने मूंद लीं आंखें

हादसे के बाद इरशाद को एंबुलेंस से अस्पताल लाया गया। खून से सने एकलौते बेटे को देख डॉ. सिद्दीकी फफक पड़े। उनकी आंखें लाल हो गईं। आखिरी घड़ी में इरशाद की सांसें टूट रही थीं, मगर पिता को देख इरशाद बोला- 'आप चिंता न करें अब्बू, हम ठीक हैं'। इतना कहकर इरशाद ने आंखें बंद कर लीं। बेटे की सांसों की डोर टूटी तो पिता के सब्र का बांध भी टूट गया। दहाड़ मारकर रोए। गुरुवार को इरशाद का अंतिम संस्कार होगा।

एसआईआर 3 दिन में पूरा करने के निर्देश

रसूलाबाद। तहसील क्षेत्र में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य का 74 प्रतिशत पूरा हो चुका है। शेष कार्य अगले तीन दिनों में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

तहसीलदार संतोष कुमार ने बताया कि क्षेत्र में कार्य के दौरान कोई बड़ी समस्या सामने नहीं आई है। कर्मचारी अपने-अपने बूथों पर पूरी निष्ठा के साथ कार्य कर रहे हैं और सभी टीमें निर्धारित समय-सीमा के भीतर पुनरीक्षण कार्य को पूरा करने में जुटी हुई हैं।

एसडीएम सर्वेश कुमार सिंह ने जानकारी दी कि तहसील क्षेत्र में 2 लाख 35 हजार रिकॉर्ड का डिजिटाइजेशन कार्य सफलतापूर्वक संपन्न कर लिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि पुनरीक्षण कार्य शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है और इसे समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है। चुनाव से संबंधित इस महत्वपूर्ण कार्य को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने के लिए प्रशासनिक अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि समय से काम पूरा हो जाने की संभावना है।

पेड़ पर लटका मिला बस के खलासी का शव, जांच शुरू

संवाददाता, रसूलाबाद

● झींझक रोड पर दशहरा गांव की घटना, आधार कार्ड से शिनाख्त

● इटावा जिले के करपिया उरैंगा गांव का रहने वाला था रंजीत

अमृत विचार: बुधवार की शाम रसूलाबाद झींझक रोड पर दशहरा गांव स्थित नमस्ते इंडिया के मिल्क प्लांट के समीप सड़क के किनारे खड़े पेड़ पर एक बस हेल्पर का फांसी पर लटकता मिला। इसकी सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची है और जांच पड़ताल शुरू कर दी है। फोरेंसिक टीम को बुलवाया गया है। शव की शिनाख्त हो गई है। पुलिस के द्वारा उसके परिजनों को इसकी सूचना दी गई है। उनके आने पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बुधवार शाम रसूलाबाद झींझक मार्ग पर दशहरा गांव स्थित नमस्ते इंडिया के पास एक बस हेल्पर का शव कंजी के पेड़ से लटकता मिला। सूचना पर नार खास चौकी इंचार्ज शिव बहादुर सिंह पुलिस बल सहित मौके पर पहुंचे और मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। युवक की पहचान उसके आधार कार्ड से करपिया उरैंगा जिला इटावा निवासी रंजीत कुमार (21) पुत्र रामनरेश के रूप में हुई है। जो भिवाड़ी जाने वाली समय ट्रैवल्स की डबल डेकर बस में हेल्पर था। बताया जा रहा है कि बस रोज की तरह पेट्रोल पंप के पास स्थित धीरेंद्र सिंह के ढाबे पर खड़ी होती थी। बुधवार शाम करीब 5 बजे स्थानीय लोगों ने उसका शव पेड़ से लटकता हुआ देखा।

घटनास्थल पर मौजूद पुलिस।

इसकी सूचना सलेमपुर महेरा ग्राम प्रधान अर्जुन सिंह ने पुलिस को दी सूचना पाकर नारखास चौकी प्रभारी शिवबहादुर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दी है। ग्राम प्रधान अर्जुन सिंह ने बताया कि उन्हें घटना की सूचना नमस्ते इंडिया के समीप स्थित पेट्रोल पंप के मालिक भोला सिंह चौहान ने दी थी। इसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को अवगत कराया। वरिष्ठ उप निरीक्षक राम सिंह ने बताया घटना की जानकारी परिजनों को दे दी गई है उनके आने पर पंचनामा की कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा। प्रथम दृष्टया घटना आत्महत्या की प्रतीत हो रही है। मृतक किस कारण फंदे पर लटका, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है।

पत्नी की मौत के गम में युवक ने की खुदकुशी

संवाददाता, शिवली

● शिवली कोतवाली क्षेत्र के कंजर डेरा की घटना, परिवार बेहाल

● दो साल पहले बीमारी से पत्नी की मौत के बाद डिप्रेशन में था

अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के गांव कंजरडेरा में मंगलवार की देर रात गांव के बाहर एक प्लाट की बाउंड्रीवॉल में एक युवक ने निवार का फंदा लगाकर जान दे दी। बुधवार की सुबह जानकारी होते ही घर में कोहराम मच गया। परिजनों की सूचना पर फील्ड यूनिट टीम के साथ पहुंची। पुलिस ने घटना की छानबीन करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

शिवली कोतवाली क्षेत्र के भेवान के मजरा कंजरडेरा निवासी राज कपूर की पत्नी अंजली की दो-तीन वर्ष पहले बीमारी से मौत हो गई थी। तब से राज कपूर काफी तनाव में रहता था और शराब पीने का आदी हो गया था। मंगलवार की रात्रि जब परिवार के सभी लोग खाना खा-पीकर सो गए तो वह गांव के बाहर पुष्पा देवी के प्लाट में बनी बाउंड्रीवॉल में चारपाई की निवार के सहारे फांसी लगा ली। गले में फंदा कसने से उसकी मौत हो गई।

बुधवार की सुबह खेतों की ओर जा रहे ग्रामीणों ने जब फंदे पर शव लटकता देखा तो हड़कंप मच गया। खबर सुनते ही गांव वालों की भीड़ जुट गई। वहीं तीन साल के अंतराल में मां के बाद पिता का साया उठने पुत्री शीला, बबली, कोमल का रो-रोकर बुरा हाल था। कोतवाल प्रवीण यादव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

आरोपः आवास के लिए मांगी रिश्वत

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचार: रसूलाबाद ब्लाक क्षेत्र की आवास योजना के लाभ से वंचित कुछ महिलाओं ने ब्लॉक अधिकारियों और कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बुधवार को ब्लॉक मुख्यालय में मिली इन महिलाओं ने पात्रता सूची में नाम होने और सभी दस्तावेज जमा करने के बावजूद उनका नाम रुपए न देने के कारण पात्रता सूची से काट देने का आरोप लगाया है।

बुधवार की दोपहर ब्लॉक मुख्यालय पर मिली इटैली ग्राम पंचायत के दिव्यांग सरोज और उनकी पत्नी ने बताया कि वे दोनों पात्रता सूची में शामिल थे। ग्राम प्रधान और सचिव ने उनका सर्वे कराया था और सभी आवश्यक कागजात भी जमा कराए थे। सरोज का आरोप है कि ब्लॉक में तैनात दो कर्मचारियों ने उनसे आवास योजना का लाभ देने के बदले रुपए की मांग की। इसी तरह के आरोप इटैली पंचायत के मजरा रिवरी की विधवा अर्चना देवी ने भी लगाए हैं। उन्होंने बताया कि पति की मृत्यु के बाद उन्होंने आवास योजना के लिए ग्राम प्रधान से संपर्क किया था।

शिकायत करने ब्लाक पहुंचा परिवार।

प्रधान प्रतिनिधि जैल सिंह राठौर ने उनके दस्तावेज जमा कराए, लेकिन पात्र होने के बावजूद उनका नाम सूची से काट दिया गया। प्रधान प्रतिनिधि ने भी कर्मचारियों पर लाभ देने के लिए रुपए मांगने का आरोप लगाया। इसी प्रकार असालतगंज निवासी अर्चना विधवा स्व. सुदामा ने अपनी आपबीती सुनाई। उन्होंने बताया कि 10 महीने पहले उनके पति की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। वह मजदूरी करके अपनी तीन बेटियों का पालन-पोषण कर रही हैं। अर्चना का कहना है कि जब उन्होंने अधिकारियों से आवास मांगा तो उनसे भी रुपए की मांग की गई। रुपए न देने पर उन्हें भी योजना के लाभ से वंचित कर दिया गया। इस संबंध में खंड विकास अधिकारी विपुल विक्रम सिंह ने सभी आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि आवास योजना का लाभ केवल पात्र लाभार्थियों को ही निष्पक्ष जांच के आधार पर दिया जाता है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि महिलाओं द्वारा लगाए गए इन आरोपों की विस्तृत जांच कराई जाएगी।

● इटैली गांव के दिव्यांग सरोज ने कर्मचारियों पर लगाया आरोप

● बीडीओ बोले, आरोपों की जांच कराकर की जाएगी कार्रवाई

आढ़त में चोरी करते पकड़ा गया युवक

संवाददाता, रसूलाबाद

● दो साथी फरार, पकड़े गए चोर को पुलिस के सुपुर्द किया गया

अमृत विचार: लालू गांव खपरेमऊ रोड स्थित एक आढ़त से मंगलवार शाम तीन बोरी धान चोरी करते एक युवक को आढ़त मालिक ने पकड़ लिया। उसके दो साथी भाग गए। पकड़े गए चोर को पुलिस के हवाले कर दिया। आढ़त मलिक ने थाने में तहरीर दी है।

लालू स्थित एक आढ़त मलिक नीलू यादव निवासी दया का पूर्व ने बताया कि मंगलवार शाम लगभग 8 बजे तीन बोरी धान चोरी करते खपरेमऊ निवासी एक युवक सुग्रीव कुमार को उन्होंने रंगे हाँथ पकड़ लिया। वह बाइक से आया था और उसकी बाइक में धान बांधने के लिए रबर की बेल्ट भी थी। उसके दो साथी भागने में सफल रहे। उसने इसकी सूचना यूपी 112 डायल कर पुलिस को दी। मौके पर पुलिस के आने पर चोर को उनके हवाले कर दिया। रसूलाबाद कोतवाली में बन्द युवक के दो साथी अभी भी पुलिस की पकड़ से दूर है। आढ़त मलिक ने पुलिस से उसके दोनों भागे हुए साथियों के बारे में जानकारी कर उन्हें भी पकड़ने की गुहार की है।

आढ़त मालिक नीलू यादव ने बताया कि मौके पर गई यूपी 112 पुलिस ने पहले उस चोर को बिना पूछताछ के ही छोड़ दिए जाने का दबाव बनाया किंतु उसके द्वारा इसका वीडियो बना लिये जाने के कारण वे लोगों उसे थाने ले गए। उसने बताया है कि इस प्रकार की चोरियां आए दिन हो रही हैं। क्षेत्रीय ग्रामीणों ने भी यूपी 112 डायल पुलिस पर भी सवालिया निशान लगाए हैं।

प्रतियोगिता | शेखूपुर में क्रीड़ा स्पर्धा का समापन, राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने उम्दा प्रदर्शन करने वालों को बांटे पुरस्कार

कबड्डी में माती, वॉलीबॉल में ककरदही टीम विजेता

संवाददाता, शिवली

अमृत विचार: विधायक खेल स्पर्धा के अकबरपुर रनिया विधान सभा के अंतर्गत तहत दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता शेखूपुर खेल मैदान पर बुधवार को संपन्न हुई। राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने प्रतिभाग कर विजेताओं को पुरस्कार का वितरण किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि ग्रामीण अंचलों में भी खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है।

प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में खेल भावना, अनुशासन, टीमवर्क तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करना था। दूसरे दिन बैडमिंटन, भारोत्तोलन, कबड्डी, दौड़, गोला, चक्का, भाला आदि की स्पर्धाएं हुईं। बालक एवं बालिका की सब जूनियर सीनियर एवं जूनियर में किया गया।

कबड्डी प्रतियोगिता में माती की टीम ने दबदबा बनाए रखा। अमृत विचार

गोला फेंक सब जूनियर में समीर, जूनियर में अजीत, भालाफेंक में अमन, सीनियर में सौरभ कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि बालिका 40 किलो वर्ग में अर्शी, 45 किलो वर्ग में तानी, 67 किलो में मयंक पाल प्रथम रहे। जूनियर देवेश 55 किलो वर्ग प्रथम 61 किलो आदित्य पाल प्रथम, सीनियर वर्ग में 55 किलो अभिनव प्रथम 67 किलो वर्ग स्वदेश प्रथम,73 किलो धर्मेंद्र प्रथम स्थान पर रहे।

इसी तरह, बैडमिंटन में आंशिका एवं सत्यम सब जूनियर वर्ग में प्रथम, जूनियर वर्ग में शिवानी शर्मा, बालकों में नीशू शर्मा प्रथम स्थान पर रही। कबड्डी में माती की टीम विजेता रही, जबकि ककरदही की वॉलीबॉल टीम अपनी शक्ति एवं कौशल का परिचय देकर विजेता रही। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि ग्राम प्रधान श्रीमती किरण देवी रही। इस मौके पर कार्यक्रम प्रभारी नैनसी कौशल, विशिष्ट अतिथि जिला युवा कल्याण अधिकारी देवेंद्र कुमार, व्यायाम प्रशिक्षक जितेंद्र कुमार, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी हिमेंद्र गौतम मौजूद रहे।

प्रमाण पत्र पाने वाले विजेता प्रतिभागियों के साथ राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला। अमृत विचार

पंचायत सचिवों का सत्याग्रह शुरू

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचार: ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में पंचायत सचिवों ने सत्याग्रह आंदोलन शुरू कर दिया है। राजपुर ब्लॉक कार्यालय परिसर में सभी पंचायत सचिवों ने बुधवार को अपनी बांह में काली पट्टी बांधकर काम किया।

ग्राम विकास अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष अनुराग त्रिवेदी के नेतृत्व में आनलाइन हाजिरी का विरोध जताते हुए ब्लॉक इकाई के पदाधिकारियों ने कहा कि अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराए बिना पंचायत सचिवों के निजी मोबाइल व सिम से फेशियल रिकाग्निशन बेस्ड अटेंडेंस सिस्टम के जरिए पंचायत सचिवों की उपस्थिति दर्ज कराने की तैयारी की जा रही है। फार्मर रजिस्ट्री, एग्रो स्टैक सर्वे, गोशाला प्रबंधन, आयुष्मान हेल्थ कार्ड, फैमिली आईडी, विभिन्न पेंशन के सत्यापन, ऑपरेशन कायाकल्प व पराली प्रबंधन आदि गैर विभागीय कार्यों के लिए दबाव बनाया जा रहा है। यदि शासन ने इन गंभीर समस्याओं से छुटकारा न दिलाया तो पांच दिसंबर से शासकीय व्हाट्सएप ग्रुपों से हट जाएंगे।

दस दिसंबर से सभी सचिव निजी वाहन से सरकारी कार्य नहीं करेंगे और 15 दिसंबर को ई- ग्राम स्वराज की जटिल गेटवे भुगतान प्रणाली के खिलाफ प्रदर्शन किया जायेगा। उसके बाद भी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो जिले स्तर पर आंदोलन किया जायेगा। प्रदीप कुमार शुक्ला, ब्लॉक अध्यक्ष अंकित सचान, दीपक यादव, धर्मेन्द्र यादव, जिज्ञासु मिश्रा, चंदपाल, कीर्ति गुप्ता, एडीओ अजय गुप्ता, आशीष पटेल मौजूद रहे।

सत्याग्रह कर सचिवों ने ऑनलाइन हाजिरी पर विरोध जताया। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान

चौबेपुर। क्षेत्र के वाजीदपुर गांव में बुधवार सुबह स्नातक छात्रा का शव कमरे के अंदर कुंडे से लटकता मिला। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। कन्नौज जनपद के ग्राम तकीपुरवा, थाना गुरसहायगंज निवासी उपासना (22) पुत्री राजेश यादव क्षेत्र के वाजीदपुर गांव निवासी अपनी नानी रामवती के घर में रहकर पढ़ाई कर रही थी। वह बीएससी की छात्रा थी। बुधवार सुबह कमरे से काफी देर तक बाहर न निकलने पर घर वालों ने दरवाजा खोल कर देखा, तो उनके होश उड़ गए। उपासना का शव कमरे के कुंडे में दुपट्टे के सहारे लटक रहा था। जानकारी पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस पूछताछ में घर वाले छात्रा द्वारा आत्महत्या किए जाने का कारण नहीं बता सके। थाना प्रभारी आशीष कुमार चौबे ने बताया कि छात्रा के परिजनों के मौके पर आने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

चौबेपुर। क्षेत्र के भिखारीपुर गांव में बुधवार शाम करंट की चपेट में आकर अज्ञात युवक की मौत हो गई। तमाम प्रयास के बावजूद शव की शिनाख्त न हो पाने पर पुलिस ने पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। क्षेत्र के भिखारीपुर गांव स्थित एक मंदिर के निकट लगभग 26 वर्षीय युवक का शव पड़ा देख ग्रामीणों ने मामले की सूचना थाना पुलिस को दी। मृतक के शरीर पर धारीदार टी शर्ट, जींस व पैरों में जूते थे। मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा की गई छानबीन में मालूम हुआ कि युवक की मौत करंट की चपेट में आने से हुई है। निकट ही बिजली का तार टूटा हुआ पड़ा था। पुलिस ने मृतक की जामा तलाशी कराई, लेकिन कोई भी चीज ऐसी नहीं मिली, जिससे उसकी पहचान हो पाती। थाना प्रभारी आशीष कुमार चौबे ने बताया कि तमाम प्रयास के बावजूद मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई। पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

अलाव तापते झुलसी महिला की थमी सांस

राठ। कस्बे के मियांपुरा निवासी आशीष सोनी की 24 वर्षीय पत्नी काजल की आग से जलकर मौत हो गई। पति का कहना है कि सोमवार को घर में अलाव तापते समय कपड़ों में आग लगने से वह झुलस गई थी। सीएचसी में इलाज के बाद उसे घर ले आए थे। मंगलवार की शाम हालत बिगड़ने पर परिजन उसे सीएचसी लाए, जहां मृत घोषित कर दिया। आशीष ने बताया कि उनकी शादी नवंबर 2024 में हुई थी। इसी माह की 13 नवंबर को काजल ने एक पुत्री को जन्म दिया था। पुलिस उपाधीक्षक राजीव प्रताप सिंह ने कहा कि महिला की मौत आग तापते समय झुलसने से हुई है। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि परिजन इस मामले में किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई नहीं चाहते हैं।

हादसे के बाद मौके पर जमा भीड़। अमृत विचार

जाम खुलवाने के लिए परिजनों को समझाती पुलिस। अमृत विचार

डंपर ने बाइक सवार को कुचला, मौत

कानपुर-सागर हाईवे जाम कर कार्रवाई की मांग को लेकर किया लोगों ने हंगामा

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर थाना क्षेत्र के जहांगीराबाद गांव के पास एक तेज रफ्तार ओवरलोड डंपर ने बाइक सवार युवक को पीछे से टक्कर मारते हुए कुचल दिया। हादसे में युवक की मौत हो गई। हाईवे पर लगभग सौ मीटर तक मांस के चीथड़े फैल गए। घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने हाईवे पर जाम लगाकर कार्रवाई की मांग शुरू कर दी। सूचना पर पहुंचे घाटमपुर एसीपी ने परिजनों और ग्रामीणों को कार्रवाई का आश्वासन दिया, इसके बाद परिजन माने, पुलिस ने डंपर को कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इस दौरान हाईवे पर दो घंटे यातायात प्रभावित रहा।

घाटमपुर थाना क्षेत्र के प्रतापपुर गांव निवासी 18 वर्षीय नितिन अविवाहित था। वह कपड़े की फेरी लगाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। घर पर मां मीना और बड़े भाई सचिन के साथ रहता था। बुधवार दोपहर नितिन बाइक लेकर काम से घाटमपुर गया था। वहां से वापस लौटते समय घाटमपुर थाना क्षेत्र के जहांगीराबाद स्थित संतन गेट के पास तेज रफ्तार ओवरलोड डंपर की चपेट में आ गया। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। कानपुर सागर हाईवे पर लगभग सौ मीटर तक मांस के चीथड़े फैल गए।

घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने हाईवे पर कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। यहां से निकल रहे राहगीरों ने घटना की सूचना फोन कर पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही घाटमपुर एसीपी कृष्णकांत यादव फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों को कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। जिस पर परिजन माने। घाटमपुर एसीपी कृष्णकांत यादव ने बताया कि युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दो घंटे हाईवे पर बाधित रहा यातायात

घटना से गुस्साए परिजनों ने हाईवे पर जाम लगा दिया। इस दौरान कानपुर की ओर पतारा तक और घाटमपुर की ओर जगन्नाथपुर तक जाम के हालात बन गए। लगभग दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने कानपुर सागर हाईवे पर यातायात बहाल कराया।

हाईवे पर ब्रेकर बनवाने की मांग

घटना के बाद परिजनों ने घाटमपुर एसीपी कृष्णकांत यादव से कानपुर सागर हाईवे पर जहांगीराबाद और पतारा कस्बे में ब्रेकर बनवाने की मांग की हैं। घाटमपुर एसीपी ने एनएचआई को पत्र लिखकर हाईवे पर ब्रेकर बनवाने का आश्वासन दिया है। जिसके बाद परिजनों ने हाईवे पर जाम खोला।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

घटना के बाद से नितिन की मां मीना और बड़े भाई सचिन का रो-रोकर बुरा हाल है। सचिन ने बताया कि वह और उसका भाई दोनों अपनी मां के साथ घर पर रहते थे, भाई की मौत के बाद से दोनों का रो रोकर बुरा हाल है। ग्रामीण दोनों को सांत्वना देते दिखाई दिए।

अज्ञात हमलावरों ने युवक को किया मरणासन्न

घाटमपुर। साढ़ थाना क्षेत्र के सुंदरपुर गांव निवासी अंकित पासवान ने बताया कि उसका भाई अरबिंद पाली के पास मंधना गांव मामा के यहां गया था। जो देर रात बाइक से वापस घर लौट रहा था। अत्यधिक नशे में होने के कारण घर में फोन कर सड़क किनारे बाइक खड़ी कर वहीं लेट गया। सूचना पर मंझला भाई अरमान उर्फ छोटू कार लेकर मौके पर पहुंचा। इसी बीच अरमान के साथ कार में बैठे लड़के ने उनकी जेब में पड़े मोबाइल को एक पिकअप चालक के द्वारा निकलते हुए देख लिया। जिसके बाद अरमान ने पिकअप चालक से वापस मोबाइल मांगा तो मारपीट हो गई। इधर अरमान भाई को गाड़ी में बैठाकर घर जा रहा था। रास्ते में गांव के पास एक कार आगे खड़ी हो गई। कार के अंदर से करीब आधा दर्जन युवक हाथ में लाठी डंडा व हांकी लिए बाहर निकले और नशे की हालत में बैठे अरविंद और अरमान पर टूट पड़े। दोनों भाइयों को मरणासन्न हालत में छोड़कर फरार हो गए। जानकारी होने के बाद छोटा भाई अंकित मौके पर पहुंचा और जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद दोनों को भीतरगांव सीएचसी में भर्ती कराया। लेकिन डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। साढ़ प्रभारी निरीक्षक ने बताया की देर शाम अमौर के पास नशेबाजी को लेकर विवाद हुआ था। सुंदरपुर के लोगों ने पिकअप वाले को पीटा फिर पिकअप वाले ने फोन कर आदमी बुला इन लोगों को पीटा।

पंचायत सचिवों ने काली पट्टी बांधकर किया प्रदर्शन

संवाददाता, बिठूर

- पंचायत सचिवों की अनिवार्य उपस्थिति पर सख्ती, 4 दिसंबर तक जारी रहेगा विरोध-प्रदर्शन

अमृत विचार। ग्राम पंचायतों में प्रशासनिक दायित्वों के सुचारू संचालन को लेकर विभाग ने पंचायत सचिवों की उपस्थिति और कार्य निष्पादन पर कड़ा रुख अपनाया है। शासन के निर्देशों के क्रम में जारी आदेश के मुताबिक पंचायत सचिव की उपस्थिति ऑनलाइन दर्ज किया जाना अनिवार्य कर दिया गया है। कई सचिवों ने इस पर नाराजगी जताई है।

विभाग द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि वर्तमान परिस्थितियों में बिना ऑनलाइन उपस्थिति के कार्य संपादित मान्य नहीं होगा। सचिवों को प्रतिदिन समय से उपस्थिति दर्ज कर कार्यस्थल पर उपलब्ध रहना अनिवार्य है। आदेश की अवहेलना करने वाले सचिवों के विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। ग्राम पंचायत अधिकारी/विकास अधिकारी संगठन ने आदेशों के विरोध में 1 दिसंबर से काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्वक विरोध शुरू कर दिया है। चार दिसंबर तक ये विरोध जारी रहेगा। संगठन का कहना है कि कई तकनीकी समस्याओं और ऑनलाइन प्रणाली में आ रही दिक्कतों को लेकर आवाज उठाई जा रही है। संजय कुमार मिश्र अध्यक्ष ग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन कानपुर नगर और महामंत्री गोविंद सिंह द्वारा जिलाधिकारी को प्रेषित ज्ञापन में संपूर्ण जानकारी दी गई। ककवन विकासखंड मुख्यालय पर भी पंचायत सचिवों ने काली पट्टी बांधकर शासन के नियमों का विरोध किया।

बिल्हौर। ककवन विकासखंड मुख्यालय पर ग्राम पंचायत सचिव मनोज कुमार वर्मा ,बाबू सिंह यादव, अखिलेश कुमार सहित तमाम पंचायती राज विभाग के कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। बाद में जिला मुख्यालय पर ज्ञापन भी दिया गया है।

काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन करते पंचायत सचिव। अमृत विचार

पारिवारिक कलह में महिला ने लगाई फांसी, हुई मौत

घाटमपुर। साढ़ थाना क्षेत्र के करचुलीपुर गांव में सुबह महिला ने घर के अंदर पंखे में साड़ी के सहारे फांसी लगा कर जीवन लीला समाप्त कर ली। परिजनों की मानें तो शालू पत्नी महेंद्र ने सुबह बच्चों को तैयार कर टिफिन पैक कर पिता के साथ स्कूल छोड़ने भेज दिया।

जब महेंद्र बच्चों को गांव किनारे से स्कूली वैन में बिठा कर घर लौटा तो पत्नी को साड़ी के सहारे पंखे में लटका देखा। मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने जांच कर शव को फंदे से उतरवाया, वहीं साढ़ पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। मृतका के तीन बच्चे दो बेटी एक बेटा है। महेंद्र का भाइयों के बीच में घर के पानी निकासी को लेकर दो दिन पूर्व विवाद हुआ था। जिसको लेकर महेंद्र ने शिकायत भी की थी लेकिन विवाद का आपसी समझौता भी हो गया था लेकिन महेंद्र की पत्नी का इसी बात को लेकर पारिवारिक विवाद था। फतेहपुर जनपद के मलवा थाना अंतर्गत कुश्ती कला गांव की निवासी थी। थाना प्रभारी ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

100 रुपये का विवाद निपटाने में पिटी पुलिस

संवाददाता, कुरारा (हमीरपुर)

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के उमराहट गांव के पुरवा में 100 रुपये के विवाद की शिकायत पर पुलिस मामला निपटाने पहुंची थी, जहां न सिर्फ सिपाही को रस्सी से बांधकर पीटा गया, बल्कि चौकी इंचार्ज की पिस्टल और 10 कारतूस भी छीन लिए गए थे, जो अभी तक बरामद नहीं हुए। पुलिस पर हमले और पिस्टल छीनने के मामले में हरौलीपुर चौकी इंचार्ज की तहरीर पर 19 नामजद और अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

हरौलीपुर चौकी इंचार्ज राजेंद्र प्रसाद की ओर से दर्ज की गई एफआईआर में बताया गया है कि मंगलवार की शाम 7:30 बजे पीड़ित की शिकायत पर वह सिपाही आशीष मौर्य के साथ उमराहट गांव के पुरवा में आरोपी दुर्गेश के यहां जांच करने गए थे, जहां पुलिस और ग्रामीणों के बीच नोक-झोंक होने लगी। इसी बीच आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस के साथ मारपीट करने के बाद गालीगलौज करते हुए सिपाही आशीष मौर्य को रस्सी से बांधकर बंधक बना लिया और कुल्हाड़ी व नुकीले धारदार हथियार के साथ डंडों से मारपीट करने लगे। हमले में सिपाही आशीष मौर्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हरौलीपुर चौकी इंचार्ज राजेंद्र प्रसाद की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी दुर्गा, धर्मपाल, उजेल, सुरेश, दुर्गेश, लक्ष्मी, महेंद्र, राकेश, रामगोपाल, धर्म सिंह, भूरा, हीरा, रामसेवक, राजकिशोर, मलखान, प्रहलाद, रामकरणरामबाबू, रामप्रकाश व अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

दो आरोपी पुलिस की मुठभेड़ में गिरफ्तार

- पुलिस टीम पर हमला करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। दोनों के पैर में गोली लगी है। इनके पास दो तमंचा व कारतूस बरामद हुए हैं। दोनों को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। बुधवार देर शाम पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मनकी रोड पर बभनपुर मोड़ के पास राजकिशोर निषाद व महेन्द्र निषाद की घेराबंदी की। आरोपियों के फायरिंग करने पर पुलिस ने दोनों के पैर में गोली मारी। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर सीएचसी में भर्ती कराया है।

7 को सद्भावना परमार्थ सेवा समिति करेगा रजाई वितरण

घाटमपुर। नगर में सद्भावना परमार्थ सेवा समिति द्वारा विगत 26 वर्षों से मां कूष्मांडा देवी मन्दिर परिसर में रजाई वितरण का आयोजन करता है। इस बार 7 दिसंबर को वितरण होगा।

सद्भावना परमार्थ सेवा समिति के अध्यक्ष संतोष कुमार मिश्रा व कार्यवाहक अध्यक्ष प्रदीप कुमार मिश्रा ने बताया कि समिति के सदस्यों के साथ मिलकर व सदस्यों के सहयोग के द्वारा ही लोगों की सेवा का अवसर प्राप्त हुआ है। प्रदीप कुमार मिश्रा ने बताया कि यह सद्भावना परमार्थ सेवा समिति ईश्वर कृपा का एक अद्भुत स्वरूप है। 7 दिसम्बर को मन्दिर प्रांगण में विशाल रजाई वितरण का आयोजन किया जाएगा जिसमें नगर व क्षेत्र के लोगों के सहयोग से भीषण ठंड में पात्र लोगों को राहत पहुंचाने के लिए रजाई वितरण, अनाथ बच्चों की पढ़ाई आदि सेवाएं करने का अवसर मिलता है। इस दौरान कार्यवाहक अध्यक्ष प्रदीप कुमार मिश्रा, प्रबन्धक रामकुमार सिंह, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह सेंगर, रमेश गुप्ता, राकेश सिंह, देवेंद्र सिंह, राकेश तिवारी, पुनीत दीक्षित, दिनेश शर्मा, भारती ओमर आदि उपस्थित रहे।

हादसे में वृद्ध घायल

सुमेरपुर। रैपुरा गांव निवासी लल्लू प्रसाद दीक्षित स्कूटी से कस्बे से गांव जा रहे थे, तभी टेढ़ा के पहले नरहे बाबा के पास एक अज्ञात ट्रैक्टर की टक्कर से वृद्ध सड़क किनारे स्कूटी सहित गिरकर लहूलुहान हो गया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद भस्थना (इटावा)

पत्रांक– 339 / न0पा0प0भ0/2024–25/25 दिनांक 03–12–2025

निविदा सूचना

एतदद्वारा पालिका के समस्त पंजीकृत ठेकेदारों अन्य दुकानदारों / इच्छुक व्यक्तियों/अधिकृत एवं पंजीकृत फर्मो के स्वामियों/आरा मशीन स्वामियों / लकड़ी बिक्रेताओं आदि को सूचित किया जाता है कि पालिका को अत्यधिक ठण्ड एवं शीत लहरी से उत्पन्न होने वाली समस्याओं के दृष्टिगत तत्कालिक राहत कार्यो के अन्तर्गत नगर में विभिन्न स्थलों पर अलावों को पालिका द्वारा लगवाया जाना है, उक्त अलावों को लगवाने हेतु पालिका को जलाऊ लकडी की आवश्यकता है। उक्त आपूर्ति हेतु जो भी इच्छुक व्यक्ति/पंजीकृत ठेकेदार अथवा आरा मशीन स्वामी एवं अन्य कोई व्यक्ति इच्छुक हो व अपना टेण्डर प्रति कुन्तल की दर से पालिका कार्यालय में अपनी निविदा दिनांक: 10–12–2025 को सायं 3 बजे तक डाल सकता है। निविदा उसी दिन निविदा दाताओं के समक्ष खोला जायेगा। निविदा स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार अध्यक्ष महोदय को होगा। निर्धारित समयावधि के उपरान्त डाला गया निविदा मान्य नहीं होगी। निविदा की बिक्री दिनांक: 04–12–2025 से दिनांक: 10–12–2025 को दोपहर 12:00 बजे तक होगी।

एक निविदा शुल्क– रूपया 2000/– एवं जमानत धनराशि रू0 15000/– मात्र रहेगी। अन्य नियम व शर्ते किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में आकर देखी जा सकती हैं।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद भस्थना
इटावा

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद भस्थना
इटावा

कार्यालय ग्रा.पं. सरगाव, वि.ख. घाटमपुर कानपुर नगर

पत्रांकः मेमो/निविदा / पंचम–पंद्रहवा/मनरेगा–2025–26 दिनांक–02–12–2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

ग्राम पंचायत सरगाव घाटमपुर, कानपुर नगर में केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/पंचम वित्त/मनरेगा योजना के अंतर्गत 2025–26 से ग्राम पंचायत द्वारा निम्नलिखित निर्माण कार्य संपादित किये जाने हेतु आइटम रेट / निर्माण सामग्री आपूर्ति पर मुहरबंद निविदा दिनाक 08/12/2025 को अपराह 01 बजे तक आमंत्रित की जाती है प्राप्त निविदाए इसी तिथि को 2 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय से गठित समिति के द्वारा निविदादाताओ के समक्ष खोली जायेगी। निविदा के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10 बजे से सांय 4 बजे तक प्राप्त की जा सकती है। निविदा के साथ 100 के नान जूडिशियल स्टेम्प व 1/– का रसीद हस्ताक्षरयुक्त संलग्न करना अनिवार्य है। बिना कारण बताये किसी भी निविदा को निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।

क्र0 सं0	कार्य स्थल व निर्माण कार्य का विवरण	अनुमानित लागत	निर्माण सामग्री	आपूर्ति का समय
1	गौशाला मरम्मत	प्राक्कलन के अनुसार	आवश्यकतानुसार	2 माह
2	कम्पोजिट विद्यालय सरगाव सुंदरीकरण	प्राक्कलन के अनुसार	आवश्यकतानुसार	2 माह
3	आगनवाडी निर्माण कार्य सरगाँव	11.84 लाख	आवश्यकतानुसार	2 माह
4	रमेश के घर से भूरा के घर तक इन्टर लॉकिंग	प्राक्कलन के अनुसार	आवश्यकतानुसार	2 माह

अन्यशर्ते – 1–सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। 2 निविदा डालने से पूर्व ठेकेदार/आपूर्ति करने वाली फर्मे कार्य स्थल का निरीक्षण करले 3–नियमानुसार जी एस टी आदि की कटौती की जाएगी 4 किसी भी परियोजना पर शासन स्तर पर रोक या विवाद की स्थिति में स्वीकत कार्य का भुगतान ना होगा एवं न्यायालय के बाद योग भी नहीं होगा। समस्त अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास निहित होंगे ।धनराशि की उपलब्धता के आधार पर भुगतान किया जाएगा ।

निधी देवी– ग्राम प्रधान
ग्रा0पं0 सरगाव,
वि.ख. घाटमपुर, कानपुर नगर

ग्राम सचिव
ग्रा0पं0 सरगाव,
वि.ख. घाटमपुर, कानपुर नगर

संघ के शताब्दी वर्ष को लेकर बिल्हौर में घर-घर सम्पर्क अभियान शुरू हुआ

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष पर वृहद गृह सम्पर्क अभियान चला रहा है। इसके तहत बिल्हौर में भी व्यापक जन-संपर्क कार्यक्रम शुरू हो गया। इस अभियान की कमान जिला प्रचारक धीरेंद्र के हाथों में है। संघ के स्वयंसेवक बिल्हौर के प्रमुख खंडों जैसे मैथा, रसूलाबाद, बिल्हौर, और ककवन सहित कई अन्य जगहों पर घर-घर जाकर लोगों से सीधा संवाद स्थापित कर रहे हैं। जिला प्रचारक धीरेंद्र की अगुवाई में स्थानीय स्वयंसेवक बिल्हौर जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में यह संदेश पहुंचा रहे हैं।

अभियान का मुख्य उद्देश्य : संघ के स्वयंसेवक, टोलियां बनाकर, हर गांव और बस्ती के अधिकतम घरों तक पहुंच रहे हैं। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग को संघ के विचार, कार्य, और राष्ट्र निर्माण में 100 वर्षों के योगदान से परिचित कराना है।

प्रमुख संवाद के विषय : इस गृह संपर्क अभियान में स्वयंसेवकों का मुख्य फोकस सामाजिक और राष्ट्रीय उत्थान के पांच महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित है, जिसे संघ 'पंच परिवर्तन' का संदेश कहता है।

जनसम्पर्क करते संघ के पदाधिकारी। अमृत विचार

2027 से पहले संघ दिख रहा सक्रिय

- वर्ष 2027 में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उससे पहले तमाम उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में इन दिनों संघ खास सक्रिय माना जा रहा है। बीते दिनों संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी के साथ तमाम विषय की चर्चा कानपुर के मुख्यालय पर हुई। इसके साथी आगामी दिनों में प्रदेश अध्यक्ष के साथ क्षेत्रीय अध्यक्ष के चयन को लेकर भी संघ खासी भूमिका में देखा जा रहा है।

शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की रूपरेखा : यह वृहद गृह संपर्क अभियान संघ के शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो देश भर में नवंबर 2025 से जनवरी 2026 तक (विभिन्न प्रांतों में अलग-अलग समयावधि) चलाया जा रहा है। इसका लक्ष्य देश भर में करोड़ों परिवारों तक पहुंचना है। इस महाअभियान के साथ-साथ, संघ ने देश भर में एक लाख से अधिक हिंदू सम्मेलन आयोजित करने की भी योजना बनाई है, ताकि सामाजिक एकता और राष्ट्रीय पुनर्जागरण के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। बिल्हौर में यह अभियान ककवन जैसे छोटे-बड़े सभी स्थानों पर सकारात्मक वातावरण बनाने और संघ के विचारों को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की दिशा में एक सशक्त कदम है।

किशोरी से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

घाटमपुर। सजेती थाना क्षेत्र के एक गांव में मां के साथ शादी में शामिल होने आई किशोरी को एक युवक बहाने से खेतों में ले गया और दुष्कर्म किया। किशोरी को घर में न देख मां ने जब उसकी तलाश शुरू की तो उसे खेतों पर पाया। इससे पहले आरोपी मौके से भाग पाता लोगों की मदद से आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। मां की तहरीर पर पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी को मेडिकल के लिए सीएचसी भेजा। जनपद फतेहपुर के थाना चांदपुर क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली हाईस्कूल की छात्रा व उसकी मां को लेकर युवक गौरव पुत्र रमेश चंद अपने ताऊ की बेटी की शादी समारोह में शामिल होने को लेकर आया था। पीड़िता ताऊ के साले की बेटी है। आरोपी ने किशोरी को बहाने से खेतों पर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। सजेती थाना प्रभारी अवधेश कुमार ने बताया कि मंगलवार की रात दुष्कर्म की सूचना मिलने पर चौकी कुआं खेड़ा फोर्स के साथ मौके पर गया था। आरोपी वर्तमान में थाना बकेवर क्षेत्र के एक गांव में बचपन से अपनी मम्मी पापा व परिवार के साथ रहता है। रिपोर्ट दर्ज कर पीड़िता को मेडिकल के लिए भेजा गया है।

कार्यालय नगर पंचायत सौरिख–कन्नौज।

पत्रांक :– 627/न0प0सौ0/2025–26स्वकर निर्धारण सार्वजनिक सूचना अन्तिम प्रकाशन/2025–26 दिनांक– 03.12.2025

सार्वजनिक सूचना/अन्तिम प्रकाशन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उ0प्र0 शासन नगर अनुभाग–9 द्वारा जारी अधिसूचना सं0– 912/नौ–9–2024–85 ज/05 टीसी–01 लखनऊ दिनॉक– 28 जून 2024 के द्वारा उत्तर प्रदेश नगर पालिका (भवन या भूमि या दोनो के वार्षिक मूल्य पर कर) नियमावली 2024 को अन्तिम रूप से प्रख्यापित कर दिया गया है। उक्त नियमावली के अन्तर्गत अधिशासी अधिकारी को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नगर पंचायत सौरिख की भौगोलिक सीमाओं में स्थित आवासीय भवनों या भूखण्डों पर सम्पत्ति कर के अरोपण हेतु वार्ड की अवस्थिति भवन के निर्माण की प्रकृति, मार्ग की चौड़ाई जिस पर स्थित है के कवर्ड एरिया प्रति वर्ग फिट किराए की न्यूनतम मासिक किराया दर को आवासीय सम्पत्तियों कर निर्धारण के निमित्त वार्षिक किराया मूल्य के निर्धारण हेतु भवन के कार्पेट एरिया (वास्तविक माप आधारित) अथवा कवर्ड एरिया 80 प्रतिशत कीप्रति इकाई क्षेत्रफल (वर्गफुट) या भूमि के प्रत्येक समूह के लिए प्रति इकाई क्षेत्रफल, न्यूनतम मासिक किराया दर को जन सामान्य के अवलोकनार्थ एंव वार्डवार आपत्तियां प्राप्त करने हेतु सार्वजनिक सूचना कार्यालय पत्र संख्या–374/सार्व0सू/2024–25 दिनॉक– 29.03.2025 द्वारा दैनिक समाचार पत्र , राष्ट्रीय सहारा, एंव दैनिक अमृत विचार, के दिनॉक–29.03.2025 में प्रकाशन कराया गया था जिसमें दैनिक अमृत विचार, में 05.04.2025 को प्रकाशन हुआ था। जिसकी समयावधि प्रकाशन की तिथि से 15 कार्य दिवस एंव आज तक किसी भी माध्यम से पंचायत मे कोई भी आपत्ति प्राप्त नही हुयी है।

अतः प्रकाशित न्यूनतम मासिक किराया दरों को निर्धारित करते हुये अन्तिम प्रकाशन किया जाता है । वार्डवार मासिक किराया प्रति वर्गफुट दरों की सूची निम्नवत् है।

क0	वार्ड क0	24 मी0 से अधिक चौडें मार्ग पर स्थित भवन				12 मी0 से 24 मी0 तक चौड़े मार्ग पर स्थित भवन				9 मी0से 12 मी0 तक चौड़े मार्ग पर स्थित भवन				9 मी0 तक चौड़े मार्ग पर स्थित भवन			
1		पक्का भवन, RCC/RB छत सहित	अन्य पक्का भवन	कच्चा भवन	खुली भूमि/भूखण्ड	पक्का भवन, RCC/RB छत सहित	अन्य पक्का भवन	कच्चा भवन	खुली भूमि/भूखण्ड	पक्का भवन, RCC/RB छत सहित	अन्य पक्का भवन	कच्चा भवन	खुली भूमि/भूखण्ड	पक्का भवन, RCC/RB छत सहित	अन्य पक्का भवन	कच्चा भवन	खुली भूमि/भूखण्ड
1	1–11	1.10	0.90	0.50	0.40	1.00	0.80	0.40	0.30	0.90	0.70	0.30	0.20	0.70	0.50	0.20	0.10

उपरोक्त मासिक किराया दरें आवसीय सम्पत्तियों हेतु निर्धारित है । अनवासीय सम्पत्तियों पर उपरोक्त अधिसूचना में दी गई अनुसूची में वर्णित वर्गीकरण के आधार पर गुणात्मक वृद्वि करतें हुये निर्धारित किया जायेगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत सौरिख कन्नौज।

सुविचार

किसी देश की महानता उसके प्रेम और बलिदान के अमर आदर्शों में निहित होती है।

– सरोजिनी नायडू

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, गुरुवार, 4 दिसंबर 2025

कानपुर के प्रमुख समाचार

- किन परिस्थितियों में अखिलेश दुबे को सौंपा पार्क -II
- कब आओगे, देर न हो जाए कहीं देर न हो जाए -III
- आईआईटी में प्लेसमेंट का रिकार्ड बना -IV

आज का मौसम

प्रदूषण और शाम और सुबह धुंध भी नमी के कारण बनी रहेगी। बारिश की कोई संभावना नहीं है।

अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
23.0⁰	12.0⁰

सूर्योदय 06:42 | सूर्यास्त 05:16

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

न्यू कानपुर सिटी में विकास की गाड़ी आगे बढ़ी

टेंडर मांगे गए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर की महत्वाकांक्षी न्यू कानपुर सिटी योजना भले अभी लांच नहीं हुई हो, लेकिन यहां विकास कार्य की शुरुआत जल्द होगी। योजना में जोनल मार्गों पर ट्रंक सीवर लाइन, ट्रंक ड्रेन लाइन, ट्रंक वॉटर लाइन व केबिल ट्रेंस का निर्माण कार्य के लिए 74.74 करोड़ रुपये खर्च होंगे। बुधवार को केडीए ने इसके टेंडर भी आमंत्रित कर दिए, यही नहीं सिंहपुर तिराहा से मैनावती मार्ग तक सड़क के चौड़ीकरण व सुदृढीकरण के कार्य के लिए भी टेंडर निकाले गए हैं। यह मार्ग 25.53 करोड़ रुपये से चमाचम होगा। इसी मार्ग पर ही योजना लाई जा रही है।

न्यू कानपुर सिटी में जल्द शुरू होंगे काम। अमृत विचार

मैनावती मार्ग से सिंहपुर और सिंहपुर से कल्याणपुर के बीच में प्रस्तावित न्यू कानपुर सिटी योजना को तीन चरण में लाने की तैयारी है। मास्टर प्लान न पास होने की वजह से 36 हेक्टेयर व्यावसायिक जमीन आवासीय में भू- परिवर्तन नहीं हो पाई है। इसके कारण रियल एस्टेट अधिनियम (रेरा) से भी पूरी योजना की स्वीकृति नहीं मिली। 153.13 हेक्टेयर जमीन में 89.69 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहण होनी है। अभी तक सिर्फ 60 हेक्टेयर ही जमीन अधिग्रहित हो पायी है।

यही वजह है कि योजना को एक साथ लांच नहीं किया जा सका। अब 50-50 हेक्टेयर में तीन फेस में योजना लाने का खाका तैयार हो रहा है। केडीए के अधिकारियों के अनुसार नए वर्ष में पहला चरण लाने की तैयारी है। इसके लिए रेरा में योजन स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। इसके साथ ही योजना में विकास कार्य कराने के लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं।

- केडीए 74.74 करोड़ रुपये से सीवर, ड्रेन, वाटर लाइन के साथ केबिल डालने के लिए करेगा कार्य
- 25.53 करोड़ रुपये से सिंहपुर तिराहा से मैनावती मार्ग तक सड़क का चौड़ीकरण व सुदृढीकरण भी होगा

1996 में यह योजना शुरू हुई थी	**153.31** हेक्टेयर जमीन योजना के लिए तय है	**150** करोड़ रुपये केडीए बोर्ड ने दिए हैं
300 करोड़ अब तक मुआवजे में धन दिया	**150** करोड़ अधिग्रहण के लिए शासन ने दिए	**183.5** करोड़ केंद्र सरकार ने विकास के लिए दिए

इन कार्यों के लिए भी टेंडर जारी

- जवाहर सेक्टर-4 में सड़क, सीवर, वाटर लाइन, ड्रेन व पार्क का विकास कार्य 18.66 करोड़
- विकस नगर स्थित सिग्नेचर ग्रींस योजना के तीन वर्ष के लिए देखरेख 7.36 करोड़
- जवाहरपुरम सेक्ट-13 से शिवली रोड तक 12 मीटर और 24 मीटर सड़क का चौड़ीकरण एवं डिवाइडर का निर्माण 3.46 करोड़
- मैनावती मार्ग स्थित केडीए ग्रींस योजना एवं शताब्दी नगर स्थित केडीए ड्रीम्स में तीन वर्ष के लिए देखरेख व सुरक्षा गार्ड में 1.60 करोड़
- पोखरपुर में सी और डी कमें सीवर लाइन, वाटर लाइन व नाली का निर्माण 68 लाख
- जवाहरपुरम सेक्टरी 13 और 14 के सामने राजपूत चौराहा व सेक्ट 6 तक वृक्षरोपण 49 लाख
- पुरानी चुंगी पर कारगिल के शहीद स्मारक मूर्तियां लगाने का कार्य 61 लाख
- जरौजी फेस-2 में सड़क व नाली निर्माण 11.36 लाख
- बिरहाना रोड के पीछे 65 लाख रुपये की लागत से सड़क निर्माण

योजना में ये कार्य होने हैं

- ग्रुप हाउसिंग प्लाट, स्कूल, नर्सिंगहोम, सबस्टेशन होटल, शापिंग माल, मल्टीलेवल पार्किंग व कन्वेंशन सेंटर भी विकसित होंगे। ग्रीनएरिया के साथ ही सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का भी निर्माण कराया जाएगा।
- गांव – संभलपुर, गंगपुर चंकबदा, सिंहपुर कछार, हिंदूपुर व बैरी अकबरपुर

शहर में आज

- **भूमि पूजन :** राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ माधव स्मृति न्यास केंद्र के लिए भूमि पूजन श्री मुनि इंटर कालेज गोविंद नगर में प्रातः 10.30 बजे।
- **थाली बजाओ सत्याग्रह :** डॉलर के मुकाबले रुपये के रिकार्ड तोड़ गिरने एवं आर्थिक दुदर्शा पर सरकार की चुप्पी के विरोध में कानपुर महानगर कांग्रेस का थाली बचाओ सत्याग्रह कोतवाली चौराहा मेस्टन रोड पर सायं 5.15 बजे।

सिटी ब्रीफ

रामकृष्णन चंदर बने प्रबंध निदेशक

कानपुर। रामकृष्णन चंदर को 1 दिसंबर को भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबंध निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया है। वे 1990 में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम में शामिल हुए और उन्होंने वरिष्ठ मंडल प्रबंधक, विपणन एवं पेंशन एवं समूह योजनाओं के क्षेत्रीय प्रबंधक, और भारतीय जीवन बीमा निगम की अंतर्राष्ट्रीय परिचालन रणनीतिक व्यावसायिक इकाई के कार्यकारी निदेशक सहित कई प्रमुख पदों पर कार्य किया है। भारतीय जीवन बीमा निगम के विभिन्न परिचालन क्षेत्रों में उन्हें 35 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने भारतीय जीवन बीमा निगम के मुख्य निवेश अधिकारी (सीआईओ) और निवेश (फ्रंट ऑफिस) विभाग के कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्य किया।

रामाकृष्णन।

पारा चढ़ा, कोहरे ने दी दस्तक

कानपुर। शहर में बुधवार को कोहरे ने दस्तक दी। मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि अगले कुछ दिन और धुंध व कोहरा बना रह सकता है। मौसम वैज्ञानिक डॉ एसएन सुनील पाण्डेय ने जानकारी दी कि शहर में बुधवार को न्यूनतम पारा 11 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। अधिकतम पारा 25.7 डिग्री सेल्सियस रहा। दो से तीन दिन के भीतर तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस का उतार चढ़ाव बना रह सकता है।

5 लाख शिकायतों का निस्तारण

कानपुर। केस्को में फेसलेस सिस्टम का एक साल पूरा हो गया। इस व्यवस्था से आए बदलाव की जानकारी बुधवार को केस्को एमडी सैमुअल पॉल एन ने केस्को मुख्यालय में दी। उन्होंने बताया कि पहले कोई भी शिकायत और आवेदन रिकॉर्ड में न आने से उसके निस्तारण का समय निर्धारित नहीं था। एक साल में 5,18,999 शिकायतों में 5,14,352 शिकायतों का निस्तारण किया गया। सेंट्रलाइज व्यवस्था के तहत 1912 समेत ऑनलाइन माध्यमों और हेल्पडेस्क जैसे ऑफलाइन माध्यम से 79,611 शिकायतें दर्ज हुईं, जिसमें 76,232 हल हुईं।

ढाई करोड़ की जमीन हड़पने के लिए युवक की अगवाकर हत्या, खाली प्लॉट में फेंका शव

दोनों हाथ बांधे, सिर कूंचा गला घोंटकर मार डाला

रोते-बिलखते परिजन। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- प्लॉट में खेलते बच्चे शव देख भागे पुलिस-फॉरेंसिक ने की जांच आरोपी सगे भाई गिरफ्तार

अमृत विचार। गुजैनी में 2.40 करोड़ की 12 बीघा जमीन के विवाद में युवक की हत्या कर दी गई। युवक फैक्ट्री के लिए निकला था, तभी रास्ते से उसे अगवा कर लिया गया। उसके हाथ पीछे बांधकर पीटा और रस्सी से गला घोंट दिया। सिर पर पीछे भारी चीज से प्रहार किया गया है। बर्रा आठ पांडु नदी के पास खाली प्लॉट में शव फेंक दिया। शव छिपाने के इरादे से चेहरे पर बोरी कसकर ऊपर से ईंट रख दी। सुबह प्लॉट में बच्चे खेलने पहुंचे तो शव देखकर भागे। खबर पाकर डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी, एडीसीपी साउथ योगेश कुमार, गुजैनी और बर्रा थाने का फोर्स व फॉरेंसिक पहुंची। परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने आरोपी सगे भाइयों को गिरफ्तार कर लिया है।

विपिन तिवारी।

मूलरूप से बिधनू के रमईपुर जहानपुर निवासी किसान गंगा प्रसाद तिवारी का साढ़ में ननिहाल है। उनके मामा छेदालाल की कोई संतान न होने से उन्होंने अपनी 12 बीघा जमीन गंगा प्रसाद को बैनामा की थी। इसके बाद गंगा प्रसाद पत्नी रमासुती व छोटे बेटे 32 वर्षीय विपिन के साथ नेवासा में रहने लगे, जबकि बड़ा बेटा अमित पैतृक मकान पर ही परिवार के साथ रहता है। दोनों भाई टीपीनगर स्थित पान मसाला फैक्ट्री में काम करते थे। नाइट शिफ्ट होने के कारण विपिन मंगलवार शाम छह बजे साढ़ से बस से ड्यूटी के लिए निकला था। अमित ने बताया कि उनकी करीब साढ़े सात बजे भाई से बात हुई थी। उसने कहा था हमें थोड़ी देर हो जाएगी, तुम फैक्ट्री पहुंचो लेकिन भाई रात तक नहीं आया। उसने फोन मिलाया तो मोबाइल बंद बताने लगा। इस पर परिजनों को सूचना दी और उसकी तलाश में जुट गए। वह लोग पूरी रात उसे खोजते रहे, लेकिन कोई खबर नहीं मिली। सुबह करीब नौ बजे उन्हें विपिन की हत्या की खबर मिली। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल फोटो देखकर उनके सुपरवाइजर अरविंद बाजपेई उनसे पहले ही मौके पर पहुंच गए थे और शव की पहचान की। गंगा प्रसाद ने नेवासा की जमीन का विवाद बताया तो पुलिस ने आरोपी भाइयों सुरेश शुक्ला और संतोष शुक्ला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की।

आरोपी भाइयों को विपिन का रूट पता था

- गंगा प्रसाद ने बताया कि विपिन करीब आठ साल से पान-मसाला फैक्ट्री में नौकरी कर रहा था। वह बस से ही आता-जाता था। वहीं अमित गांव से अप-डाउन करता था। दोनों अलग-अलग आते-जाते थे, यह आरोपियों को भी पता था। उन्होंने बताया कि मूलरूप से साढ़ निवासी आरोपी सुरेश मौजूदा समय में यशोदानगर के गंगापुर कालोनी व संतोष जरौली के फेस टू में रह रहा है। इसलिए दोनों को बेटे को अगवाकर हत्या करना आसान था और रूट भी जानते थे। उन्होंने बताया शव से कुछ दूरी पर बेटे के जूते झाड़ियों में मिले हैं।

2.40 करोड़ रुपये मुआवजे की रंजिश

- गंगा प्रसाद ने बताया कि मामा ने 2006 में जमीन उनके नाम बैनामा की थी। जबकि आरोपी सुरेश व संतोष ने फर्जी गोदनामा दिखाकर 2014 में मुकदमा दर्ज कराया था। करीब चार साल पहले डिफेंस कॉरीडोर ने जमीन का अधिग्रहण कर लिया और मुआवजे की रकम 2.40 करोड़ बनी। इसके बाद उन्हें 60 लाख रुपये की पहली किस्त मुआवजे की मिली तो और रंजिश मानने लगे थे। इसी के चलते यह कदम उठाया है।

पत्नी ने लगाया गुमशुदा का स्टेटस

- विपिन के परिजन रातभर उसके मोबाइल पर संपर्क का प्रयास करते रहे। रात में ही परिजनों को अनहोनी की आशंका हो गई थी। इसके बाद विपिन की पत्नी शैलू ने अपने मोबाइल पर पति की गुमशुदगी का स्टेटस लगाया। स्टेटस में उसने लोगों से भी तलाश की गुजारिश की। विपिन का शव देखकर पत्नी व मां बेसुध होकर गिर पड़ी। परिजनों की चीख-पुकार देखकर विपिन के जुड़वा बच्चे छह वर्षीय रामजी व श्यामजी मां से लिपट गए।

पराली जलाने से खराब होती मिट्टी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम ग्राम मुड़ेरा में आयोजित किया गया। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने किसानों को गेहूं और सरसों की वैज्ञानिक खेती करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि फसल अवशेष जलाने से वायु प्रदूषण और मृदा में सूक्ष्म जीव की संख्या में कमी आती है। मृदा में पोषक तत्व जल जाते हैं और मृदा सतह कठोर हो जाती है। मृदा रंध्र से ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है। उन्होंने किसानों से फसल अवशेष न जलाने की बात कही और इसे पोषक तत्व बताया।

चकेरी एयरपोर्ट पर भीषण आग, डायरेक्टर कक्ष राख

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- स्पाइस जेट के बंद ऑफिस के कबाड़ में लगी आग
- सीआईएसएफ की टीम ने आग पर काबू पाया

अमृत विचार। चकेरी एयरपोर्ट (पुराना एयरपोर्ट अब यहां से उड़ान नहीं है) पर भीषण आग लगने से डायरेक्टर का कमरा समेत बिल्डिंग को भारी नुकसान पहुंचा। सीआईएसएफ की टीम ने आग पर काबू पाया। घटना की जांच के आदेश दिये गये हैं।

बुधवार को चकेरी एयरपोर्ट में स्पाइस जेट एयरलाइंस ऑफिस के बंद कबाड़ में शार्ट सर्किट से आ लगी। घटना सुबह लगभग 9 बजे की है। बिल्डिंग से धुआं उठते देख वहां मौजूद चौकीदार ने शोर मचाया तो सीआईएसएफ की टीम अग्निशमन यंत्रों के साथ मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया लेकिन घटना के चलते डायरेक्टर का कमरा, स्पाइस जेट एयरलाइंस का कमरा, हॉल जलकर खाक हो गया।

बताते चलें कि चकेरी एयरपोर्ट के रनवे के जंगल में कई बार आग लग चुकी है लेकिन एयरपोर्ट की बिल्डिंग में पहली बार आग ने विकराल रूप लिया है। चकेरी एयरपोर्ट से तीन किमी दूर नया एयरपोर्ट चालू होने के बाद चकेरी एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है, यहां से अब किसी भी प्रकार की कोई फ्लाइट संचालित नहीं होती है।

एटीएम में लकड़ी फंसाकर रुपये निकाल रहे थे, दो दबोचे गए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- एटीएम मेंटिनेस कर्मी के अचानक पहुंचने से बची घटना, दोनों गए जेल
- दबौली के यस बैंक में मंगलवार देर रात की वारदात, दो शातिर हो गए फरार

अमृत विचार। गोविंदनगर में दो शातिरों ने यस बैंक के एटीएम से छेड़छाड़ कर रुपये निकालने का प्रयास किया, लेकिन दबोचे गए। शातिरों के फरार दो साथियों की तलाश की जा रही है। एटीएम मेंटिनेस कर्मी के अचानक पहुंच जाने से पैसे बच गए, लेकिन आरोपियों ने उसे ऑटो से रौंदने का भी प्रयास किया। पुलिस भागे दोनों शातिरों की तलाश में जुटी है।

दबौली स्थित यस बैंक के एटीएम में मंगलवार रात चार शातिरों ने लकड़ी फंसाकर रुपये निकालने का प्रयास किया। उसी समय एटीएम मेंटिनेस कर्मी सुभाष दिवाकर मौके पर पहुंच गया। कर्मी ने विरोध जताते हुए नाराजगी जताई तो आरोपियों ने ऑटो से उसे कुचलकर मारने का प्रयास किया और फरार हो गए। इसके बाद सुभाष ने गोविंदनगर थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई।

मामले में विवेचक दरोगा मनीष सिंह चौहान ने बताया एटीएम से छेड़छाड़ कर रुपये निकालने का मुख्य आरोपी आशीष उर्फ सचिन, चकेरी के शिवपुरम निवासी कमलकांत अभी फरार हैं। पकड़े गए आरोपी चकेरी के गदियाना निवासी इमरान खान और जवाहरपुरम का अमित सिंह चौहान है। अमित सिंह पर लूट और धोखाधड़ी, साइबर धोखाधड़ी के कई मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि भागते समय पीछे से ऑटो की फोटो एटीएम के सफाई कर्मी करमवीर ने खींची थी। उसी नंबर से ऑटो की तलाश की गई चालक इमरान को पकड़ा गया। इसके बाद उसके साथी को पकड़ा गया। ऑटो चकेरी निवासी अनस जुम्मन का है। जिसे चलाने के लिए 15 दिन पहले इमरान ने किराए पर लिया था। दोनों आरोपियों को पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया है। आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल ऑटो और 1235 रुपये भी बरामद हुए हैं।

घमासान गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी पर्व में फैली अव्यवस्था के कारण लिया गया फैसला, श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर के प्रधान सिमरनजीत सिंह का भी त्यागपत्र

श्री गुरु सिंह सभा की सारी इकाइयां भंग की गईं, अब नए सिरे से होगा चुनाव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर के चेयरमैन एवं पूर्व एमएलसी सरदार कुलदीप सिंह ने सभा की सभी इकाइयां भंग कर दी हैं और अगले तीन माह के भीतर नए सिरे से चुनाव कराने की घोषणा की है। सभा में आम सिखों के लिए रास्ते खोल दिये गये हैं। कोई भी सिख सभा का सदस्य या पदाधिकारी बन सकेगा। बुधवार को सभा के प्रधान सरदार सिमरनजीत सिंह समेत कई पदाधिकारियों ने सभा के चेयरमैन को अपना त्यागपत्र सौंप दिया।

बुधवार को अशोक नगर स्थित श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर कार्यालय में सभा के चेयरमैन सरदार कुलदीप सिंह ने पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभा का विस्तारीकरण किया जाएगा। अब कोई भी सिख समाज का शख्स 10 रुपये वार्षिक देकर सभा का सदस्य बन सकता है। सभा में कुल 14 पदाधिकारी हैं जबकि 126 से अधिक सदस्य हैं।

श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर के चेयरमैन सरदार कुलदीप सिंह को इस्तीफा सौंपते सिमरनजीत सिंह। अमृत विचार

शहीदी पर्व में अव्यवस्था के लिए सभी जिम्मेदारों की लापरवाही : श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर के चेयरमैन एवं पूर्व एमएलसी सरदार कुलदीप सिंह ने कहा कि 350वें गुरु तेग बहादुर साहिब के शहीदी पर्व पर बीते दिनों मोतीझील में हुए समारोह में सबकी जिम्मेदारी बराबर की थी। किसी ने प्रोग्राम को खराब नहीं किया। मैंने सबको पहले आगाह कर दिया था कि अबकी बार संगत पहले से दुगुनी होगी हर तरह के प्रबंध उसी हिसाब से किये जाने चाहिए पर सेवादारों की कमी के कारण उक्त समारोह में कई कर्मियों का सामना करना पड़ा। एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप करना गलत है। प्रबंधन की कमी को दूर करने के लिए सभा के विस्तार का निर्णय लिया गया है जिस पर सभी ने त्यागपत्र देकर अपनी प्रतिबद्धता गुरु सिंह सभा महानगर में जताई है। सभा के विस्तार में सहभागी बनकर सभा द्वारा सौंपे गए किसी भी दायित्व को पूरी निष्ठा से निभाने का संकल्प लिया है।

गुरु सिंह सभा के मुख्य उद्देश्य

- शोध कार्यों को निरंतरता देना
- सिख समाज को संगठित करना
- सिखों की सत्ता एवं प्रशासनिक सहभागिता बढ़ाना
- समाजोपयोगी कार्यक्रमों का विस्तार करना
- अगले तीन माह में विस्तृत सदस्यता अभियान चलाएं
- नई, सुदृढ़ एवं प्रतिनिधिक समिति का चुनाव कराएं
- नई समिति को समस्त कार्यक्रमों के कार्यान्वयन का उत्तरदायित्व सौंपा जाएगा।

गुरु परंपरा की मूल भावना को अपनाएं

- सभा के चेयरमैन सरदार कुलदीप सिंह ने सिख संगत से अपील की है कि गुरु परम्परा की मूल भावना को अपनाएं और समाज में सकारात्मक बदलाव का हिस्सा बनने के लिए श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर के संगठन विस्तार का हिस्सा बनें। गुरु साहिबान की शिक्षाएं सेवा, शिक्षा, साहस समाज उत्थान केवल रस्म नहीं बल्कि जीवन का मार्गदर्शन हैं। सिख समाज को आवश्यकता है कि युवाओं को सशक्त करें, शिक्षा को प्राथमिकता दें, कमजोर वर्गों के उत्थान में योगदान दें और गुरमत मूल्यों को व्यवहारिक जीवन में उतारें। केवल गुरपुरब मनाना पर्याप्त नहीं आवश्यकता इस बात की है कि हम गुरु साहिबान की शिक्षाओं को अपने दैनिक जीवन में उतारें। यदि सिख संगत संगठित होकर समाज सेवा, शिक्षा और चरित्र निर्माण को प्राथमिकता दे, तो यह न केवल कौम बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की दिशा तय करेगा। 28 वर्षों तक लंबे संघर्ष के बाद छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में 'गुरु तेग बहादुर साहिब शोध पीठ' की स्थापना हो चुकी है, जो आने वाली पीढ़ियों को सिख इतिहास के वास्तविक स्वरूप से परिचित कराने में मील का पत्थर सिद्ध होगी।

सिटी ब्रीफ

मवेशी लदे दो कंटेनरों को पकड़ा, दो गिरफ्तार

कानपुर। चकेरी में रामादेवी चौराहा के पास से पुलिस ने मवेशी लदे दो कंटेनरों को पकड़ा है। पुलिस ने दोनों कंटेनरों के चालकों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। चकेरी के कार्यवाहक थाना प्रभारी रिजवान खान ने बताया कि बुधवार शाम को रामादेवी चौराहा के पास से दो कंटेनरों को रोका गया। कंटेनर में चालक के अलावा सवार अन्य लोग मौका देखकर भाग गए। वही दोनों चालकों को पुलिस ने पकड़ लिया। कंटेनर की तलाशी लेने पर उसमें मवेशी लदे मिले। चालको ने अपने नाम कौशांबी के गुलामीपुर निवासी दीपचंद और राजकरन बताया। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वह लोग कंटेनर में मवेशी लादकर झारखंड के बरही से उन्नाव स्लाटर हॉउस ले जा रहे थे।

मारपीट कर दुकान में लगाई आग

कल्याणपुर। रावतपुर के सैयद नगर निवासी आफताब के अनुसार उनकी शनेश्वर चौराहा पर दुकान है। सोमवार रात उनकी मां व बेटा दुकान पर सो रहे थे। तभी वहां अपने तीन-चार साथियों के साथ पहुंचे गोपाल तिवारी व अज्जू पंडित ने मां और बेटे के साथ मारपीट कर दुकान में आग लगा दी। रावतपुर थाना प्रभारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

एक वर्ष बाद चोरी की रिपोर्ट दर्ज

कल्याणपुर। रावतपुर के विनायकपुर निवासी तुषार श्रीवास्तव के अनुसार उनकी फर्म मीरा एजेंसी का शारदा नगर में गोदाम है। गत 28 दिसंबर 2024 की सुबह जब वह गोदाम पहुंचे, तो वहां चोरी हो चुकी थी। पीछे का दरवाजा तोड़कर गोदाम में दाखिल हुए चोर वहां अलमारी में रखें दो लैपटॉप व दो लाख 44 हजार रुपए समेत जरूरी कागजात उठा ले गए थे। इस मामले में पुलिस द्वारा कार्रवाई न करने पर पीड़ित ने न्यायालय की शरण ली थी। अब लगभग एक वर्ष बाद कोर्ट के आदेश पर रावतपुर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

सड़क हादसों में दो लोगों की गई जान

कानपुर। सचेंडी के बिनौर गांव निवासी 65 वर्षीय हरीशंकर खेती-किसानी करते थे। छोटे भाई राम प्रकाश, मुन्नालाल ने बताया कि मंगलवार रात वह बेटी की ससुराल बिधनू जा रहे थे, रास्ते में कठेरुआ के पास तेज रफ्तार किसी वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। हरीशंकर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर पाकर परिजनों में चीख-पुकार मच गई। वहीं महाराजपुर के सरसौल भेवली गांव निवासी 55 वर्षीय हरीशंकर सैनी खेती के साथ एक अगरबत्ती फैक्ट्री में नौकरी भी करते थे। परिजनों ने बताया कि सोमवार को वह फैक्ट्री से लौट रहे थे, तभी रास्ते में किसी वाहन ने टक्कर मार दी थी। पुलिस ने घायल को हैलट में भर्ती कराया था। जहां इलाज के दौरान मंगलवार रात उनकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार वाहन व चालक के बारे में पता किया जा रहा है। परिजनों की तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

दादानगर पुल रात में बंद कर देते

कल्याणपुर। करीब तीन महीने पहले चालू हुए दादानगर समानांतर पुल को मेट्रो के काम के कारण रोज रात में बंद कर दिया जाता है। जिससे शहर से दक्षिण को ओर रात में जाने वाले हजारों राहगीरों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

बताएं, अखिलेश दुबे को पार्क किन परिस्थितियों में सौंपा गया

शासन की ओर से गठित दो सदस्यीय टीम जांच करने साकेत नगर पहुंची, किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- किशोरी वाटिका से सटे पार्क के मामले की जांच करने शहर पहुंची गठित टीम
- केडीए अधिकारियों ने भौतिक और नक्शे के जरिए दी जानकारी फोटो भी खींची

अमृत विचार। पार्क की जमीन पर बने स्कूल के मामले में हाईकोर्ट की आपत्ति के बाद शासन की ओर से गठित दो सदस्यीय टीम बुधवार को जांच करने साकेत नगर पहुंची। टीम में शामिल आवास आयुक्त बलकार सिंह और विशेष सचिव राजेश राय की संयुक्त कमेटी ने केडीए और नगर निगम के अधिकारियों के साथ पार्क की जमीन, स्कूल और आस-पास बने निर्माणों की जांच की। पार्क के आसपास बने भूखंड, पार्क में बने स्कूल के बास्केटबाल कोर्ट, होम्योपैथिक अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान केडीए के अफसरों से पार्क किन परिस्थितियों में अखिलेश दुबे को सौंपा गया, उसकी जानकारी ली। साकेत नगर की भूखंड संख्या 559 ब्लाक डब्ल्यू एक योजना संख्या दो भू प्रयोग पार्क का क्षेत्रफल 1.11 एकड़ यानी 4492.011 वर्ग मीटर पर बिना स्वीकृत भवन मानचित्र के निर्माण कराया गया। इस मामले में हाईकोर्ट के स्कूल आवंटन पर आपत्ति जताने के बाद शासन की ओर से दो सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया था। कमेटी के पहुंचने से पहले नगर निगम और केडीए के तमाम अफसर मौके पर पहुंच गए। करीब दोपहर दो बजे कमेटी के सदस्य आवास आयुक्त और विशेष सचिव साकेत नगर स्थित पंडित बृज विहारी उद्यान पहुंचे। कमेटी के पार्क में बने बास्केटबाल कोर्ट को भी देखा। इसके बाद 14 प्लाट का निरीक्षण किया। इस दौरान होम्योपैथिक क्लीनिक को देखा इसके बाद बृजकिशोरी मेमोरियल स्कूल के मुख्य द्वार से होते अधिवक्ता रोहित अवस्थी के कार्यालय और आसपास के प्लाटों को भी जायजा लिया। इससे पूर्व कमेटी के सदस्य किशोरी वाटिका का भी निरीक्षण करने पहुंचे थे। टीम अपनी जांच रिपोर्ट शासन को सौंपेगी। इस दौरान केडीए उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल, सचिव अभय पांडेय, मुख्य अभियंता आरआरपी सिंह, मुख्य नगर नियोजक मनोज कुमार व जोन तीन के प्रवर्तन प्रभारी अतुल राय और नगर निगम के अपर नगर आयुक्त आवेश खान व अधिशासी अभियंता दिवाकर भास्कर मौजूद रहे।

निरीक्षण करते आवास आयुक्त बलकार सिंह और विशेष सचिव राजेश राय के साथ केडीए के अधिकारी। अमृत विचार

मंधना-बिठूर के बीच 22 हजार आवासीय भूखंड जल्द मिलेंगे

कानपुर। आवास विकास परिषद की ओर से बनाई गई मंधना योजना संख्या 4 और 5 जल्द जमीन पर उतरेगी। बिठूर के बीच करीब 22 हजार भूखंड विकसित करने की योजना है। दोनों ही योजनाओं के लिए 597 .44 हेक्टेयर जमीन अधिगृहीत करने की तैयारी है। सबकुछ ठीक रहा तो इस वर्ष की शुरूआत से योजना पर काम बढ़ने लगेगा। बुधवार को शहर आए आवास आयुक्त डॉ. बलकार सिंह और विशेष सचिव राजेश राय ने आवास विकास विभाग के हाउसिंग डेवलपमेंट कमिश्नर कानपुर जोन आत्मास्वरूप श्रीवास्तव और अन्य अफसरों के साथ मंधना में आ रही आवासीय योजना संख्या चार का निरीक्षण किया और जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि यह जमीन अधिसूचित की गई है। इसके लिए योजना संख्या चार में जमीन का अधिग्रहण की तैयारी की जा रही है। मुआवजा बांटने के लिए किसानों के साथ बातचीत भी शुरू हो गयी है। पहली योजना मंधना योजना संख्या चार है जिसके लिए 273 .71 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहण कराने की तैयारी है। यहां बगदौधी, कछार, परगना समेत कई गांव आते हैं। वहीं, दूसरी योजना मंधना योजना संख्या पांच है।

पोलियो खुराक देने के साथ शुरू हुआ टीकाकरण महाउत्सव

कानपुर। जन्म से पांच वर्ष तक के बच्चों को 12 गंभीर बीमारियों से बचाने वाले टीकाकरण उत्सव की शुरुआत जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने पोलियो की खुराक देकर बेनाझाबर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र से की है।

बुधवार को जिलाधिकारी ने फराज के पुत्र श्रेयांश (9 माह) को एमआर टीका एवं पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। जिलाधिकारी ने बताया कि दिसंबर माह प्रदेश में तथा विशेष रूप से कानपुर नगर में छूटे हुए बच्चों के टीकाकरण को समर्पित है। इस दौरान हर बुधवार और शनिवार को जनपद के कुल 502 टीकाकरण केंद्रों पर सभी योग्य बच्चों का टीकाकरण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जन्म से पांच वर्ष तक के बच्चों के लिए कुल 12 गंभीर बीमारियों से सुरक्षा देने वाले टीके अत्यंत आवश्यक हैं। नियमित टीकाकरण श्रृंखला में जो बच्चे किसी कारणवश छूट जाते हैं, उन्हें दिसंबर माह में विशेष राउंड के अंतर्गत चिन्हित कर टीका लगाया जाएगा।

जिलाधिकारी ने सभी जनपद वासियों से अनुरोध किया है कि 'टीकाकरण उत्सव 31 दिसंबर 2025 तक संचालित होगा। इस अवधि में सभी बच्चों का टीकाकरण सुनिश्चित करें।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

बाउण्ड्रीवाल व डीपीसी का निर्माण तोड़ता बुलडोजर। अमृत विचार

केडीए ने 55 करोड़ की जमीन खाली कराई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- केडीए ने बुधवार को अपनी 5500 वर्गमी. जमीन पर कब्जे किए धराशायी

अमृत विचार। केडीए ने बुधवार को एक बार फिर से सनिगवां और अहिरवां में अवैध निर्माणों पर बुलडोजर की कार्रवाई की। टीम ने दोनों ही जगह अपनी 5500 वर्गमीटर जमीन पर हुए कब्जों को धराशायी कर दिया। केडीए की माने तो खाली कराई गई जमीन की बाजारी कीमत 55 करोड़ रुपये है। बता दें कि पिछले सप्ताह केडीए ने दहेली सुजानपुर और तौधकपुर में करीब 50 करोड़ की जमीन को खाली कराया था। केडीए उपाध्यक्ष मदन सिंह के निर्देश पर जोन 4 की टीम बुधवार को सनिगवां पहुंची यहां आराजी संख्या-86 पर कब्जे थे। इसके साथ ही ग्राम अहिरवां की आराजी संख्या-1296 पर बाउण्ड्रीवाल व डीपीसी का निर्माण कराया गया था, जब कि यह जमीनें कानपुर विकास प्राधिकरण के नाम दर्ज हैं। प्राधिकरण की भूमि पर हुए अवैध कब्जे को बुलडोजर के जरिए तोड़कर कब्जा मुक्त कराया गया। इस दौरान जोनल प्रभारी अधिकारी (जोन-4), व अमीन, थाना चकेरी का पुलिस बल भी उपस्थित रहा। केडीए के अधिकारियों ने कहा कि कोई भी शासकीय भूमि पर कब्जा, अतिक्रमण न करें, अन्यथा की स्थिति में विधिक कार्यवाही प्रस्तावित की जायेगी।

फिल्म ताजमहल का सह निर्माता ठगी में गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पोल्ट्री कारोबारी को गज्जूपुरवा में जमीन दिलाने के नाम की थी 3.30 करोड़ की ठगी
- ईडी और सीबीआई समेत शहर के कई थानों में उसके खिलाफ करीब एक दर्जन मुकदमे हैं दर्ज

अमृत विचार। पोल्ट्री कारोबारी से 3.30 करोड़ की ठगी के आरोपी फिल्म ताजमहल के सह निर्माता इरशाद आलम को बेकनगंज पुलिस ने बुधवार तड़के प्रयागराज से दबोच लिया। उसके साथी को भी गिरफ्तार किया गया है। उसने जमीन दिलाने के नाम पर ठगी की थी। पीड़ित ने रुपये लौटाने को कहा तो 60 लाख रंगदारी व फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। जेसीपी (अपराध एवं मुख्यालय) विनोद कुमार सिंह से शिकायत करने पर पुलिस ने दो नामजद समेत आठ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। उसके खिलाफ ईडी और सीबीआई जांच चल रही है और शहर के कई थानों में मुकदमे दर्ज हैं।

इरशाद।

सिविल लाइन निवासी मो. शोएब पोल्ट्री कारोबारी हैं और उनका नई सड़क पर एग स्टोर है। शोएब के अनुसार उन्हें व उनके साथी नई सड़क निवासी फहद नसीम व उबैद नसीम को व्यापार बढ़ाने के लिए गोदाम की आवश्यकता थी। इसी सिलसिले में रिक्की और रफी ने उनकी मुलाकात जाजमऊ के गज्जूपुरवा निवासी इरशाद आलम से कराई, जो मौजूदा समय सिग्नेचर सिटी में रहते हैं। शोएब ने बताया कि इरशाद आलम ने उन्हें गज्जूपुरवा में ही जमीन दिखाते हुए 1.65 करोड़ में बेचने की बात कही। कागजात तैयार होने पर उन्होंने आरटीजीएस व नकद रुपये उसे दे दिए। इसके बाद कई दिन उनकी बात नहीं हुई। फिर उन्होंने जमीन की आगे की कार्रवाई के लिए कहा। इस पर इरशाद ने कहा कि जमीन की रकम दोगुनी हो गई है। रुपया फंसने के कारण शोएब ने बात मान ली और दोबारा 1.65 करोड़ और दे दिए। इसके बाद भी आरोपी ने बैनामा नहीं किया। इसी बीच पीड़ित ने जमीन के बारे में जानकारी की तो पता चला कि संपत्ति सरकार ने पहले ही अधिग्रहीत कर रखी है। जब रुपये वापस मांगे तो आरोपी ने अपने साथी मो. उजैर व अन्य लोगों के साथ मिलकर 13 सितंबर को दुकान आकर फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी।

कई मुकदमे दर्ज हैं इरशाद पर

टेनरी संचालक इरशाद आलम फिल्म ताजमहल का सह निर्माता भी है। यह फिल्म 2005 में आई थी। सह निर्माता पर ईडी और सीबीआई जांच चल रही है। इरशाद के खिलाफ जाजमऊ, चकेरी, बाबूपुरवा और बेकनगंज आदि थानों में मुकदमे दर्ज हैं।

डिजिटल अरेस्ट कर ठगी का प्रयास

कानपुर। नौबस्ता में सेवानिवृत्त वित्त प्रबंधक को साइबर ठगों ने डिजिटल अरेस्ट कर लाखों की ठगी का प्रयास किया। शातिरों ने दो दिन कॉल और वीडियो कॉल कर अर्दब में लेने का प्रयास किया। कहा आपकी पत्नी का मोबइल नंबर आतंकी घटना में इस्तेमाल हुआ है। खुद को लखनऊ मुख्यालय में तैनात इंस्पेक्टर बताकर पहले धमकाया फिर बचने के लिए पांच लाख रुपये ट्रांसफर करने को कहा। हालांकि बुजुर्ग शातिर ठगों पहचान गए और पुलिस को सूचना दी।

यशोदानगर निवासी कृष्ण कुमार शुक्ला यूपीएफसी से वरिष्ठ वित्त प्रबंधक पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि उनके मोबाइल पर अंजान नंबर से कॉल आई। फोन करने वाले ने खुद को इंस्पेक्टर रंजीत सिंह बताया और कहा कि आपकी पत्नी पुष्पा के नंबर का सिम कार्ड जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के पास मिला है। जांच में उनकी संलिप्तता पाई गई है। वीडियो कॉल करके भी डराया।

दुधमुंहे बच्चे को छोड़कर विवाहिता फंदे से झूली

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पिता को फोन करके कहा कि अब जीने की इच्छा नहीं, परेशान हो गए
- परिजनों ने पति का अवैध संबंध व आए दिन मारपीट का आरोप लगाया

अमृत विचार। कल्याणपुर में दुधमुंहे बच्चे को छोड़कर विवाहिता ने फांसी लगा ली। रात 12 बजे पिता को फोन करके बताया कि अब जीने की इच्छा नहीं है। बचेंगे नहीं, हमारी चिंता मत करना। पिता ने समझाने का प्रयास किया, लेकिन फोन बंदकर फंदे से लटक गई। परिजनों ने पति पर प्रताड़ना और दूसरी महिला से अवैध संबंध का आरोप लगाया है।

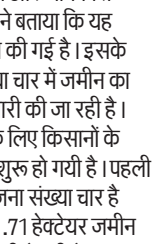

अल्मिका।

मूलरूप से कन्नौज के ठठिया निवासी प्रभाकर पांडेय कल्याणपुर के दयानंद बिहार में रहते हैं। मेडिकल स्टोर संचालक प्रभाकर की शादी 28 अप्रैल 2016 को औरैया के बिधूना निवासी अरविंद तिवारी की 33 वर्षीय बेटी अल्मिका से हुई थी। उनके दो बेटे विष्णु व छह माह का विनायक हैं। पिता के अनुसार मंगलवार रात 12 बजे बेटी ने फोन किया था। वह बहुत दुखी थी, कहा कि अब जीने की इच्छा नहीं है। परेशान हो गए। बचेंगे नहीं और हमारी चिंता मत करना। उन्होंने समझाने का प्रयास किया, कहा कि सुबह आएंगे। लेकिन बेटी ने फोन काट दिया। उन्होंने तुरंत प्रभाकर को फोन किया किया तो उसने बताया कि अल्मिका दरवाजा बंद कर फंदे से लटक गई है। दरवाजा तोड़कर शव कमरे से बाहर निकाला गया। भाई अभिषेक ने बताया कि बहन से प्रभाकर मारपीट करता था, जिसकी उसने कई बार शिकायत की थी। सूचना पर पहुंची कल्याणपुर पुलिस ने जांच-पड़ताल की और शव पोस्टमार्टम भेज। पिता के अनुसार बेटी ससुराल में बहुत दुखी थी। उससे मारपीट व प्रताड़ना झेलनी पड़ रही थी। आरोप है कि प्रभाकर का किसी दूसरी महिला से अवैध संबंध है। जिसका बेटी विरोध करती तो प्रभाकर पीटता था। कल्याणपुर पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही हैं। तहरीर देंगे तो कार्रवाई की जाएगी।

बच्चे को गोद में लिए परिजन। अमृत विचार

एक साथ बैठकर खाना खा रहे थे

- पति प्रभाकर ने बताया कि रात में मेडिकल स्टोर बंद करके घर आए तो पत्नी व बच्चों के साथ बैठकर खाना खा रहे थे। इसी बीच अल्मिका के फोन पर पिता की कॉल आई। इस पर वह उठकर कमरे में चली गई। जहां उसकी काफी देर तक बात होती रही। जब वह कुछ देर तक नहीं आई तो उसे बुलाने गए। दरवाजा बंद पाकर खिड़की से देखा तो पंखे के कुंडे से उसका शव लटका पाया।

मेरे मामा थानेदार और भाई हैं वकील, मुझे कानून से बचा लेंगे

- मायके से रुपये न लाने पर डॉक्टर ने पत्नी पर किया हमला

कल्याणपुर। कल्याणपुर में मायके से रुपये लाने का विरोध करने पर एक डॉक्टर ने पत्नी पर चाकू से हमला कर उसे लहूलुहान कर दिया। साथ ही मामा पुलिस में व भाई के वकील होने के चलते कानून से बच जाने का हवाला देते हुए पत्नी को जान से करने की धमकी दी। पीड़िता ने आरोपी पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

आवास विकास केशवपुरम निवासी रीना वर्मा के मुताबिक उनके पति डॉ सोमवीर सिंह के एक महिला से नाजायज संबंध हैं। मंगलवार शाम पति ने मायके से रुपये लाकर देने की बात कही। विरोध करने पर पति ने उन्हें व बच्चों को पीटना शुरू कर दिया। इस दौरान पति ने चाकू से उनके सिर पर वार कर उन्हें लहूलुहान कर दिया। पति ने उन्हें धमकाया कि उसके मामा सेंट्रल जोन में थाना प्रभारी व भाई हाईकोर्ट में वकील है। जो उसे कानून से बचा लेंगे। कल्याणपुर थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

नेत्रहीन दंपती के साथ की धोखाधड़ी

- कल्याणपुर। रावतपुर गांव निवासी बुजुर्ग रामानुज तिवारी व उनकी पत्नी दोनों नेत्रहीन है। रामानुज के मुताबिक इलाके के राजू सिंह चंदेल ने उन्हें कानपुर देहात के सिकंदरा निवासी रामप्यारी की कम दामों पर 100 वर्ग गज जमीन दिलाने का आश्वासन दिया। तय रकम लेने के बाद राजू ने उनके नेत्रहीन होने का फायदा उठाते हुए केवल 50 गज का बैनामा करा दिया। जो नाप में मात्र 30 गज ही पाई गई। रावतपुर पुलिस द्वारा कार्रवाई ने करने पर पीड़ित नेत्रहीन बुजुर्ग दंपती ने न्यायालय की शरण ली। रावतपुर थाना प्रभारी ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

हेल्थ जोन

टी1ईयूपी और स्पैड की ओर से सीएसजेएमयू में तीन दिन चलेगी राष्ट्रीय मीटिंग

टाइप 1 डायबिटीज पर मंथन करेंगे देशभर के विशेषज्ञ

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सीएसजेएमयू में टाइप 1 डायबिटीज पर मंथन करने के लिए देशभर के विशेषज्ञ जुटेंगे। टी1ईयूपी और स्पैड की ओर से आयोजित होने वाले सम्मेलन की शुरुआत 5 दिसंबर को सुबह 10.30 बजे से होगी। यह सम्मेलन तीन दिन तक चलेगा। बुधवार को यह जानकारी कार्यक्रम आयोजक डॉ. ऋषि शुक्ला ने गैंजेस क्लब में आयोजित एक संयुक्त प्रेसवार्ता में दी। उन्होंने बताया कि सम्मलेन में यूनाइटेड किंगडम शेफील्ड से डॉ. साइमन हेलर, ऑस्ट्रेलिया से डॉ. ग्राहम ओगले भी सम्मिलित होकर व्याख्यान देंगे।

डॉ. दीपक याज्ञनिक ने बताया कि डायबिटीज जैसी जटिल और व्यापक बीमारी का इलाज और सम्पूर्ण देखभाल समाज की जागरुकता के बिना संभव नहीं है। इसको ध्यान में रखते हुए देश और विदेश से आये प्रवक्ता विभन्न पहलुओं पर चर्चा करेंगे। आज कल टाइप 1 डायबिटीज बहुत तेजी से बच्चों में बढ़ रही है। टाइप 1 डायबिटीज का वह प्रकार है जो सिर्फ बच्चों में ही होती है। ऐसे बच्चों का इलाज केवल इंसुलिन ही होता है। इस सम्मलेन में सिर्फ बीमारी ही नहीं नई और पुरानी दवाओं, नए प्रकार की इन्सुलिन, नई और पुरानी डायबिटीज तकनीक, साथ ही टाइप 1 डायबिटीज के लड़के व लड़कियों के विवाह और प्रेग्नेंसी को लेकर भी चर्चा होगी।, डॉ. भास्कर गांगुली, डॉ. अनुराग बाजपेयी, डॉ. संगीता शुक्ला ने बताया कि हम सबके लिए बड़े हर्ष और गर्व की बात है कि इस बार हम कानपुर में एक राष्ट्रीय स्तर की मीटिंग का आयोजन कर रहे हैं। टाइप 1 डायबिटीज दो तरह की होती है। बड़ों की और बच्चों की। इसके अलावा भी कई प्रकार की डायबिटीज पर चर्चा होती है, लेकिन अभी हम टाइप 1 डायबिटीज पर बात करेंगें। यह वो डायबिटीज है जिसमें आमतौर पर इंसुलिन इंजेक्शन की जरूरत जीवन भर रहती है और अक्सर 5-8 साल की उम्र से होती है। अगर कंट्रोल अच्छा हो तो ये बच्चे सामान्य जीवन जीते हैं। प्रेस वार्ता में डॉ. संगीता शुक्ला, डॉ. सौरभ मिश्रा, डा. मनीषा, सुमित गुप्ता, प्रवीन सचदेवा, अशोक तनेजा, सीता राम खत्री एवं सुधा श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

कार्यक्रम आयोजक डॉ. ऋषि शुक्ला और अन्य डॉक्टरों ने जानकारी दी। अमृत विचार

बाइक सवार ने खुद को रैपिडो राइडर बताकर सवारी को लूटा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- गैंजेस क्लब में आयोजित प्रेसवार्ता में डॉक्टरों ने दी जानकारी, 18 वर्ष बाद कार्यक्रम
- आईआईटी की जगह फतेहपुर रोड ले गए, साथियों के साथ मिलकर पीटा
- लैपटॉप, मोबाइल, आठ हजार रुपये व सामान लूटपाट की रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार। चकेरी में बाइक सवार बदमाश युवक से मारपीट कर रुपये व लैपटॉप समेत सामान लूट ले गए। एक शातिर खुद को रैपिडो राइडर बताकर युवक को जाल में फंसाया, फिर सूनसान इलाके में ले गया, जहां साथियों के साथ मिलकर लूट का अंजाम दिया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

कल्याणपुर के नानकारी निवासी कुलजीत कुमार शर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीती 27 नवंबर की देर रात वह लखनऊ से लौटते समय रामादेवी चौराहा पर उतरे थे। चौराहा से कुछ दूरी पर एक दुकान पर चाय पीने के दौरान व रैपिडो राइड बुक कर रहे थे, तभी दुकान में बैठा एक युवक ने खुद को रैपिडो राइडर बताते हुए कहा कि कहां चलना है।

उन्होंने कल्याणपुर आईआईटी जाने की बात कही तो शातिर ने कहा कि ऑनलाइन बुकिंग करने पर आधा पैसा कंपनी ले लेती है। इसलिए कम किराए पर सीधे ले चलता हूँ। हामी भरकर वह बाइक पर बैठ गए। एक युवक उनके पीछे भी बैठ गया। शातिर बाइक टाटमिल की ओर न ले जाकर फतेहपुर की तरफ ले जाने लगा। विरोध करने पर उसने बाइक नहीं रोकी और कुछ दूरी पर एक शख्स से मिलकर कल्याणपुर चलने की बात कही। एयरपोर्ट के पास तीसरे साथी के मिलते ही तीनों ने उससे मारपीट की और पिट्ठू बैग व पर्स लूट लिए। कुलजीत के अनुसार बैग में लैपटॉप, दो मोबाइल, आठ हजार रुपये व जरूरी सामान था। बदमाशों ने जान से मारने की धमकी भी दी। किसी तरह थाने पहुंचे पीड़ित ने शिकायत की। थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। रास्ते के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

सिटी ब्रीफ

खरीफ उपज क्रय केंद्र स्थापित किए

कानपुर। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक, सहकारिता आर के प्रभाकर ने बताया कि कानपुर नगर में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत मूल्य समर्थन योजना के तहत उरद, मूंग, तिल एवं मूंगफली की खरीद के लिए तीन क्रय केन्द्र स्थापित किए गए हैं। चौबेपुर विकास खण्ड में क्रय-विक्रय समिति चौबेपुर, पतारा विकास खण्ड में बी-पैक्स तिलसड़ा तथा बिधनू विकास खण्ड में स्वावलंब किसान उत्थान प्रा. कृ. लि., नौबस्ता मंडी को क्रय केन्द्र के रूप में अधिसूचित किया गया है।

ट्रेनों में 128 बेटिकट यात्री पकड़े

कानपुर। सेंट्रल स्टेशन पर बेटिकट यात्रियों की धर पकड़ के लिए उप मुख्य यातायात प्रबंधक आशुतोष सिंह के दिशा निर्देश में चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें 128 बेटिकट यात्रियों पकड़ा गया और उनसे जुर्माना वसूला गया। वहीं स्टेशन को गंदा करने वाले 3 यात्रियों पर भी जुर्माना लगाया गया।

बेकनगंज में एसआईआर फार्म जमा कराए

कानपुर। समाजिक संस्था एमएमए जौहर फैन्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हयात जफर हाशमी द्वारा बुधवार को बेकनगंज दादामियां चौराहे के समीप हेल्प डेस्क लगाकर एसआईआर के फार्म जमा करने में सहयोग किया। लोगों की परेशानियों को दूर करने के लिए शहनवाज अंसारी, मोहम्मद तौफीक, फुरकान सैफी ने मदद की।

पूरा जीवन कांग्रेस के लिए खपाने वाले श्रीप्रकाश को श्रद्धांजलि देने दिल्ली, लखनऊ से कोई बड़ा नेता नहीं आया

कब आओगे, देर न हो जाए कहीं देर न हो जाए

शैलेश अवस्थी, कानपुर

अमृत विचार। कांग्रेस पार्टी के लिए पूरा जीवन खपा देने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री दिग्गज नेता श्रीप्रकाश जायसवाल के निधन के बाद उनके आवास पर हर दल के नेताओं की भारी भीड़ पहुंची। भाजपाइयों की संख्या सबसे ज्यादा थी। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद तक घाट पर पहुंच गए लेकिन कांग्रेस का कोई बड़ा नेता अभी तक नहीं आया। निधन, अंतिम संस्कार के बाद बुधवार को शांति पाठ भी बीत गया, लखनऊ, दिल्ली से कोई बड़ा नेता नहीं आया इसको लेकर पार्टी के भीतर चर्चा हो रही है।

तथ्य तो यह भी है कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से पहले मुख्यमंत्री आदित्यनाथ सहित बीजेपी के कई नेताओं ने ट्वीट कर श्रीप्रकाश को श्रद्धांजलि दे दी । उनके आवास पर बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा, महापौर प्रमिला पांडे, विधायक नीलिमा कटियार, सुरेंद्र मैथानी, क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, अनिल दीक्षित, शिवराम सिंह, पूर्व विधायक रघुनन्दन भदौरिया, पूर्व महापौर रविंद्र पाटनी, भाजपा नेता सुरेश अवस्थी सहित कई नेता पहुंचे और श्रद्धांजलि दी । सपा के पूर्व सांसद सुखराम सिंह यादव, सपा विधायक नसीम सोलंकी, अमिताभ बाजपेई, पूर्व सांसद राजाराम पाल सहित कई नेता भी पहुंचे । सपा मुखिया अखिलेश यादव ने ट्वीट कर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके पुत्र से फोन पर बात भी की। बसपा सरकार में मंत्री रहे अंटू मिश्रा सहित कई नेता भी श्रद्धांजलि के लिए उनके आवास गए थे । कांग्रेस के स्थानीय नेता बड़े पैमाने पर पहुंचे। शहर अध्यक्ष पवन गुप्ता तो तब तक श्रीप्रकाश के आवास पर रहे और इंतजाम देखते रहे, ज़ब तक उनकी अंतिम यात्रा घाट नहीं पहुंच गई । स्थानीय कांग्रेसी अपने बड़े नेताओं का इंतजार करते रहे, लेकिन अभी तक तो कोई नहीं आया। हां, राहुल गांधी सहित कुछ नेताओं ने फोन कर दुख जताया और श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस के जिन बड़े नेताओं के कानपुर आगमन पर श्रीप्रकाश जायसवाल पलक पांवड़े बिछा देते थे, रैलियों में भीड़ जुटाते थे और हर सुख-दुख संकट में उनके साथ खड़े रहते थे, उनमें से कोई भी उन्हें अलविदा कहने कानपुर नहीं आया । बुधवार को श्रीप्रकाश के आवास पर शांतिपाठ के दौरान भी बाहर का कोई नेता नहीं दिखा। श्रीप्रकाश खुद कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं, लेकिन प्रदेश कांग्रेस के मुखिया भी नहीं आए। कांग्रेस के एक नेता ने कहा शायद श्रीप्रकाश जायसवाल की आत्मा अपने अजीज नेताओं को तलाश रही होगी। वह जननेता थे तो जनसैलाब उमड़ा और उनके पार्थिव शरीर पर फूल बरसाए गए । बड़े नेताओं का क्या....।

शांति पाठ में गमगीन बैठे श्री प्रकाश जायसवाल के परिजन व परिचित। अमृत विचार

दिवंगत श्रीप्रकाश जायसवाल।

सभी नेता आना चाहते थे

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय आ रहे थे, लेकिन फ्लाइट लेट हो गई थी । पूर्व अध्यक्ष लल्लू जी आए थे। राहुल और प्रियंका गांधी सहित सभी नेता आना चाहते थे, पर पहले से तय पार्टी कार्यक्रमों में व्यस्तता थी। हो सकता है फिर कभी श्रीप्रकाश जी के घर आएं। श्रीप्रकाश हरदिल अज़ीज़ नेता थे तो सभी दलों के नेताओं ने श्रद्धांजलि दी।

– पवन गुप्ता, कांग्रेस शहर अध्यक्ष

- निधन, अंतिम संस्कार के बाद शांति पाठ भी बीत गया, प्रदेश अध्यक्ष नहीं आए

श्री प्रकाश जायसवाल के लिए शांति पाठ

- पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल के पोखरपुर स्थित उनके आवास पर शांति पाठ किया गया। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन गुप्ता ने बताया कि आर्य समाज पद्धति से श्रीप्रकाश की अंत्येष्टि हुई और आर्य समाज में शांति हवन सबसे महत्वपूर्ण संस्कार होता है जिसके चलते बुधवार को शांति हवन हुआ। उनकी पत्नी, बेटा सिद्धार्थ और गौरव नाती पोते आदि सबने मिलकर शांति हवन एवं पाठ किया। आलोक मिश्रा, हरप्रकाश अग्निहोत्री, मदन मोहन शुक्ला, संजीव दरियाबादी, नौशाद आलम मंसूरी, निजामुद्दीन खां, इकबाल अहमद, रितेश यादव, पदम मोहन मिश्रा ,डॉ संतोष त्रिपाठी, ग्रीनबाबू सोनकर आदि वरिष्ठ कांग्रेसजन मौजूद रहे। सपा अध्यक्ष फजल महमूद, वैश्य महापरिषद के संजय गुप्ता समेत इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन,इंडियन मेडिकल एसोसिएशन,व्यापार संगठन,सिख समाज,दलित पैंथर समेत कई संगठनों के नेता मौजूद रहे। उधर कानपुर नागरिक मंच ने शोक सभा की जिसमें छोटे भाई नरोना, मदनलाल भाटिया एवं प्रताप साहनी आदि मौजूद रहे।

एसीएम को ज्ञापन सौंपते सपाई। अमृत विचार

आरोपः हजारों मतदाताओं को शिफ्टेड, अब्सेंट बताया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- एसआईआर समस्याओं को लेकर सपा ने एसीएम को ज्ञापन सौंपा

अमृत विचार। समाजवादी पार्टी ने आरोप लगाया है कि हजारों मतदाताओं को शिफ्टेड, अब्सेंट और मृतक कोटे में डाल दिया गया है। सैकड़ों परिवारों को विशेष गहन पुनरीक्षण फार्म ही नहीं दिये गये। गोविन्दनगर, आर्यनगर, सीसामऊ, किदवई नगर, कानपुर कैंट विधानसभा क्षेत्रों में कई मतदाताओं के आवास पर फॉर्म नहीं पहुंचे हैं।

बुधवार को समाजवादी पार्टी महानगर के पदाधिकारी एवं फ्रंटल नेताओं ने सपा महानगर अध्यक्ष फजल महमूद के नेतृत्व में कचहरी में एसीएम चतुर्थ ज्वाला प्रसाद को ज्ञापन सौंपा। अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि हजारों की संख्या में मतदाताओं को शिफ्टेड अब्सेंट तथा मृतक में डाल दिया गया है। गहन समीक्षा नहीं होने के कारण मतदाताओं को एसआईआर से वंचित होने की आशंका बढ़ गई है। सपा अध्यक्ष ने मांग की है कि जहां-जहां फॉर्म नहीं पहुंचे हैं वहां फॉर्म बीएलओ द्वारा वितरित कराये जाएं और जिनके नाम शिफ्टेड, अब्सेंट तथा मृतक में डाले गये हैं, उनका पुनः सत्यापन कराया जाए। प्रदेश सचिव केके. शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू, महासचिव संजय सिंह सेंगर बंटी, रामगोपाल पुरी, नंदलाल जयसवाल, सत्यनारायण गहरवार, महेन्द्र सिह, दीपक खोटे, शादाब आलम, राजेंद्र जयसवाल, इशरत इराकी, मोनू तिवारी आदि मौजूद रहे।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

वक्फ संपत्तियां अपलोड करने की अंतिम तिथि कल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। वक्फ संपत्तियों का विवरण उम्मीद पोर्टल पर अपलोड करने की अंतिम तिथि 5 दिसंबर है। इस पोर्टल का उद्देश्य देशभर की मौजूदा औकाफ सम्पत्तियों का पंजीकरण, विवरण, लेखा, लेखा परीक्षण तथा वक्फ एवं बोर्ड से सम्बन्धित अन्य अनिवार्य सूचनाओं को डिजिटल प्रारूप में उपलब्ध कराना है। ये केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित किया गया है। जनपद में वक्फ सम्पत्तियों के पंजीकरण की प्रगति अत्यंत धीमी है।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी एवं सहायक सर्वे कमिश्नर वक्फ पवन कुमार सिंह ने बताया यह समस्त कार्य दिनांक 05 दिसम्बर, 2025 तक पूर्ण कराना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रकार की दिक्कत अपलोड करने में आए तो कचहरी स्थित जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के कार्यालय से संपर्क करें। उन्होंने बताया कि वक्फ सम्पत्तियों का विवरण उम्मीद पोर्टल पर दर्ज किये जाने के लिए सम्बन्धित मुतवल्लियों को मेकर के रूप में नामित किया गया है। इनके द्वारा अपनी-अपनी वक्फ सम्पत्तियों से सम्बन्धित सभी आवश्यक विवरण पोर्टल पर अपलोड किये जाने हैं। पोर्टल पर अपलोड की गई जानकारी का परीक्षण बोर्ड के नामित कार्मिकों द्वारा चेकरके रूप में किया जायेगा तथा अंतिम स्वीकृति बोर्ड के नामित अधिकारीगण एप्रूव के रूप में प्रदान करेंगे।

एडवांस मिलने के तीन साल में सप्लाई कर सकेंगे निर्यातक

सुविधा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पहले यह मियाद सिर्फ एक साल तक की ही थी
- सुविधा मिलने से प्रोजेक्ट अधूरे होने से बचेंगे

अमृत विचार। विदेशी खरीदार से ऑर्डर के एडवांस मिलने के बाद अब निर्यातक तीन सालों में सप्लाई कर सकेंगे। अभी तक निर्यातकों के पास यह समय सीमा सिर्फ एक साल तक की ही थी। विशेषज्ञ मान रहे हैं कि नई मिली इस सुविधा से निर्यातकों के अधूरे प्रोजेक्ट की संख्या में अब कमी आएगी।

वैश्विक निर्यात के दौरान निर्यातकों को कई लंबे समय के ऑर्डर मिलते हैं। इन ऑर्डर की खासियत यह होती है कि विदेशी खरीदार के एडवांस मिलने के बाद इसे एक साल के भीतर पूरा करना होता है। किन्हीं कारणों से यदि तय समय सीमा के भीतर ऑर्डर पूरा नहीं किया जा सकता तो साल भर के अंदर निर्यातक को एडवांस वापस करना होता था। इस स्थिति में कई बार निर्यातक को अपना प्रोजेक्ट अधूरा छोड़ना पड़ता था और आर्थिक नुकसान भी होता था। इसके अलावा उसकी गुडविल पर भी असर पड़ता था। इन परिस्थितियों में उसे दोबारा खरीदार से ऑर्डर मिलने में भी परेशानी होती है। अब नए नियम के तहत निर्यातकों को एडवांस मिलने के बाद ऑर्डर पूरा करने का समय तीन वर्ष मिल गया है। इस समय के भी निर्यातक ऑर्डर के सापेक्ष बैंक लोन, भूमि खरीद, मशीनरी की स्थापना सहित प्रोजेक्ट लगाए जाने के अन्य कार्य भी कर सकेगा।

नए निर्यातकों को मौका

- नए नियम से सबसे अधिक लाभ नए निर्यातकों को होगा। ऑर्डर के सापेक्ष एडवांस मिलने के बाद वे तीन वर्ष के भीतर ऑर्डर की सप्लाई शुरू कर सकते हैं। ऐसे में ऐसे निर्यातक जो छोटे स्तर पर काम कर रहे हैं उन्हें यदि बड़ा ऑर्डर मिलता है तो वे अपनी नई प्रोडक्शन यूनिट तय समय के भीतर स्थापित कर सकते हैं। इस नियम से शहर के नए निर्यातकों को स्थापित होने में सबसे अधिक सहायता मिलेगी।

पहले कम समय होने के चलते इन कार्यों में अक्सर निर्यातकों को देरी हो जाती थी। इस बीच समय सीमा बढ़ने पर निर्यातकों को बैंक की ओर से नोटिस भी जारी नहीं होगी। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑग्रनाईजेशन के सहायक निदेशक आलोक श्रीवास्तव ने कहा कि अब निर्यातक अपने ऑर्डर को बैंक की ओर से दी गई लिमिट के भीतर पूरा कर सकेंगे। निर्यातकों को विदेशी खरीदार का ऑर्डर पूरा करने में समय की बाध्यता की मियाद बढ़ने से शहर के निर्यात में भी बढ़ोतरी होगी।

100 फीसदी फॉर्म भरवाने वाले होंगे सम्मानित

कानपुर। भाजपा उत्तर जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित ने बुधवार को आर्य नगर विधान सभा के बूथ संख्या 95, 96, 105, 106 का निरीक्षण किया। वह ऐसे दुकानदारों की दुकानों पर गए जो पहले आर्य नगर विधान सभा के किसी वार्ड से मतदाता थे और अब आर्यनगर विधानसभा के हैं। अभी तक निर्णय नहीं कर पा रहे कि वो कहां से मतदाता बनें। ऐसे दुकानदारों से जिला अध्यक्ष ने आग्रह किया कि आप वर्तमान में जहां रह रहे वहां से ही मतदाता बनें। न्यूमरेशन फॉर्म अति शीघ्र जमा कर दें। एसआईआर अभियान में जिन बूथो पर शत प्रतिशत न्यूमरेशन फॉर्म जमा होंगे उन बूथों के बीएलओ, बीएलए 2 व बूथ अध्यक्ष को पार्टी सम्मानित करेगी। जिले के अधिकांश बूथों के बीएलओ उत्कृष्ट कार्य कर रहे और भाजपा के बीएलए 2 व बूथ अध्यक्ष और पार्टी के कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा के साथ एसआईआर अभियान पर काम कर रहे हैं। वार रूम के माध्यम से बूथों की रिपोर्टिंग भी मिल रही है। कार्यक्रम में रोहित साहू, योगेश पांडे, पार्षद विकास जायसवाल, सुनीता गौड़, सुरेश गुप्ता यश जायसवाल आदि थे।

नवीन सभागार सरसैया घाट में बैठक करते भाजपा नेता। अमृत विचार

छावनी, सीसामऊ और आर्यनगर विस.में न छूटे एक भी मतदाता

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- महानगर के प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने शहर के भाजपा नेताओं के साथ की बैठक
- किदवईनगर, महाराजपुर में 100 फीसदी गणना प्रपत्र जमा कराने के निर्देश दिए

अमृत विचार। कानपुर महानगर के प्रभारी मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बुधवार को नवीन सभागार सरसैया घाट में भाजपा कानपुर महानगर की कोर कमेटी के साथ बैठक कर एसआईआर की समीक्षा की। गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान की बिंदुवार विस्तृत जानकारी लेते हुए प्रभारी मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि छावनी, सीसामऊ और आर्यनगर विधानसभा में एक भी पात्र मतदाता छूटने न पाए, इसके लिए बूथ स्तर पर टीमों को और सक्रिय किया जाए। साथ ही किदवई नगर एवं महाराजपुर विधानसभा में 100 फीसदी गणना प्रपत्र जमा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन विधानसभाओं में गणना प्रपत्र जमा करने में दिक्कतें आ रही हैं, वहां अतिरिक्त कार्यकर्ता टोली को तैनात कर अभियान को तेज गति से पूरा किया जाए। प्रभारी मंत्री ने सभी पदाधिकारियों से आग्रह किया कि गहन मतदाता पुनरीक्षण को संगठन का शीर्ष प्राथमिकता वाला अभियान मानते हुए घर-घर पहुंचकर पात्र मतदाताओं का नाम जोड़ना, त्रुटियों का सुधार कराना तथा नए मतदाताओं को सम्मिलित कराने का कार्य युद्धस्तर पर किया जाए। बैठक में कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के अध्यक्ष प्रकाश पाल, अध्यक्ष अनिल दीक्षित, शिवराम सिंह, उपेंद्र पासवान, विधायक नीलिमा कटियार, महेश त्रिवेदी, अरुण पाठक, सरोज कुरील, महिला आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी, अनीता गुप्ता, सुनील तिवारी, मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी, पूर्व विधायक रघुनंदन भदौरिया, डॉ. दिवाकर मिश्रा, अनिल मिश्रा सहित वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में आठ पर रिपोर्ट दर्ज

कार्रवाई

कल्याणपुर संवाददाता

- भवन निर्माण कराने के नाम पर भूस्वामी से रकम देने का बना रहे थे दबाव

अमृत विचार। कल्याणपुर में दबंगों ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे सोसाइटी के प्लाट पर कब्जा करने का प्रयास किया। विरोध करने पर दबंगों ने भू स्वामी सेवानिवृत्ति सहायक नगर आयुक्त को धमकी देते हुए प्लाट को कम दाम बेचने या फिर उसमें निर्माण कार्य कराने के नाम पर एक करोड रुपये बतौर रंगदारी की मांग कर डाली। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस शक्ति इंफ्रा विजन प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर व उनके दो बेटों समेत आठ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

कल्याणपुर के इंदिरा नगर निवासी सेवानिवृत्ति सहायक नगर आयुक्त प्रेम कुमार त्रिपाठी के मुताबिक मकड़ीखेड़ा के विसायकपुर बांगर में बसाई गई आरएस कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी में उनकी सास विमला दीक्षित के नाम 1989 से दो प्लाट पंजीकृत है।

बावजूद इसके शक्ति इंफ्रा विजन की भानु प्रताप सिंह यादव द्वारा 1991 में इन प्लाटों की रजिस्ट्री श्रीनाथ अग्रवाल व विमला अग्रवाल को गई। जिसके बाद सुमित व अमित गुप्ता ने भी 2008 में उसकी रजिस्ट्री कराई और निर्माण कार्य करा लिया था। जिसे 2017 में केडीए ने ध्वस्त कर दिया था। इसके अतिरिक्त गिरजा शंकर मिश्रा, हर नारायण गुप्ता को सुमित गुप्ता द्वारा फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी और कूटरचित दस्तावेजों के जरिए प्लाट संख्या 9, 10, 13 व 14 को भी कंपनी के डायरेक्टर व कर्मचारीयों के नाम पर क्रय किया गया। इस दौरान आरोपी गिरजा शंकर मिश्रा के कई बार फोन कर उन्हे कम दाम पर प्लाट बेचने या फिर वहां निर्माण करने के नाम पर एक करोड़ रंगदारी की मांग की।

आरोप है कि विरोध करने पर उनके बेटे नितिन त्रिपाठी को दबंग शक्ति इंफ्रा विजन के कार्यालय लेकर गए, जहां हवलदार सिंह यादव, भानु प्रताप सिंह यादव व राघवेंद्र प्रताप सिंह यादव ने जान से मारने की धमकी देते हुए प्लाट से कब्जा छोड़ने का दबाव बनाया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि इसी तरह दबंगों का शिकार हुए पीड़ित विकास सचदेवा की तहरीर पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी गिरजा शंकर मिश्रा, राघवेंद्र प्रताप यादव व भानु प्रताप सिंह पर पुलिस मंगलवार को कार्रवाई कर चुकी है ।

जगमग सोलर सिटी कार्यक्रम के तहत शहर को मिले 8 करोड़, सोलर प्लांट भी स्थापित होगा

2500 सोलर स्ट्रीट लाइट और 230 हाई मास्क लगेंगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- शासन की बैठक में यूपीनेडा को 60 करोड़ स्वीकृत, नगर निगम के लिए बजट जारी

20 ऑनग्रिड सोलर पॉवर प्लाट भी स्थापित होंगे

1.25 लाख प्वाइंट पर लगी हैं स्ट्रीट लाइटें

8.26 करोड़ रुपये जारी किए गए शहर को

नगर निगम के भवनों और स्कूलों में भी सोलर प्लांट लगाए जाएंगे

- **कानपुर।** नगर निगम के अधीन दफ्तरों, गंगा बैराज में स्थित जल शोधन संयंत्र सहित नगर निगम के स्कूलों पर ग्रिड कनेक्टेड सोलर पैनल छतों पर लगना है। पूर्व नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने पहले ही इसकी स्वीकृति दी थी। इसके तहत नगर निगम मुख्यालय और अधीन दफ्तरों की छतों पर रूफ टॉप सोलर पैनल लगाए जाएंगे। 876.4 किलोवाट क्षमता के पैनल अलग-अलग छतों पर लगेंगे। नगर निगम अफसरों ने बताया कि पैनल नोडल एजेंसी यूपीनेडा के अधिकृत वेंडर एनआरजीवाई वी-2 दिल्ली कंपनी करेगी। पीपीपी मॉडल के तहत अनुबंध हुआ है। अधिकृत वेंडर आने वाले व्यय का पूर्ण रूप से वहन करेगा।

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में अंधेरे को दूर करने के लिए जल्द सोलर लाइटें लगेंगी। सोलर सिटी कार्यक्रम के तहत शहर को लाइटें लगाने के लिए 8 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इस बजट से 2500 सोलर स्ट्रीट लाइट, 230 हाई मास्क शहर के विभिन्न इलाकों में लगेंगी। इसके साथ ही 20 ऑनग्रिड सोलर पॉवर प्लाट भी स्थापित होंगे। यूपीनेडा की ओर से नगर निगम को यह राशि जारी की गई है।

नगर निगम शहर में मार्ग प्रकाश व्यवस्था को बेहतर करने का जिम्मेदार है। पूरे शहर में करीब 1.25 लाख प्वाइंट पर लगी स्ट्रीट लाइटें प्रकाश दे रही हैं। शासन की ओर से शहरीकरण में उपयोग होने वाली स्ट्रीट लाइटों को सोलर प्लांट आधारित करने की योजना है। इसी के तहत सोलर सिटी कार्यक्रम को चलाया जा रहा है।

यूपीनेडा के अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में पिछले दिनों राज्य स्तरीय कमेटी की बैठक हुई थी इसमें प्रदेश के 16 नगर निगम को 60 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को स्वीकृति दे दी गई। कानपुर को भी 8.26 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। यूपीनेडा के निदेशक इंद्रजीत सिंह की ओर से जारी पत्र के अनुसार 5.61 करोड़ रुपये से 2500 सोलर स्ट्रीट लाइट, 2.4 करोड़ रुपये से 230 सोलर हाईमास्क लगाने का प्लान है। वहीं, 20 ऑन ग्रिड सोलर पॉवर प्लांट की स्थापना भी की जाएगी।

सिटी ब्रीफ

स्वाभिमान रैली का आयोजन

कानपुर। पुष्पा खन्ना मेमोरियल सेंटर की ओर से बुधवार को विश्व दिव्यांग दिवस पर स्वाभिमान रैली आयोजित हुई। रैली को सम्बोधित करते हुए पुष्पा खन्ना मेमोरियल सेंटर की निदेशक रूमा चतुर्वेदी ने कहा कि व्यक्ति अपनी दिव्यांगता से नहीं, बल्कि अपने गुणों, क्षमताओं और व्यक्तित्व से पहचाना जाता है। समाज को चाहिए कि वह व्यक्तियों की कमियों पर नहीं, बल्कि उनकी विशेषताओं पर ध्यान केंद्रित करे। रैली में महेंद्र नाथ सभरवाल (पूर्व डीजीपी, जम्मू-कश्मीर), प्रो नवीना जेएच, डॉ रुपेश, कामाक्षी कटियार, संतोष मिश्रा, अंजन सेन सहित अन्य मौजूद रहे।

7 को काशी वीणा संगीत समारोह

कानपुर। नादवर्धन इंस्टीट्यूट ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट गौर हरी सिंघानिया इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, कमला नगर में कार्यक्रम का आयोजन होगा। जिसका शीर्षक काशी वीणा संगीत समारोह 2025 है। यह कार्यक्रम 7 दिसंबर को शाम 6 बजे होगा। कार्यक्रम में कृष्णा बोन्गाने (पद्मश्री उस्ताद राशिद खान के शिष्य) मुंबई से और अंकिता जोशी (पद्म विभूषण पंडित जसराज जी की शिष्य) मुंबई से जसरंगी प्रदर्शन करने आएंगी। बालराम सिसोदिया और उजित उदय कुमार ताल पर संगत करेंगे।

बुलियन और ज्वैलरी बाजार में मची सनसनी

इंडोनेशिया एफटीए के संभावित दुरुपयोग पर चिंता जताई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- एआईजेजीएफ ने वित्त मंत्री और पीएमओ को लिखा पत्र
- व्यापारिक संगठन ने संसद में मुद्दा उठाने की उठाई मांग

अमृत विचार। ऑल इंडिया ज्वैलर्स एंड गोल्ड स्मिथ फेडरेशन ने कीमती धातुओं के व्यापार में भारत-इंडोनेशिया मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के संभावित दुरुपयोग पर केंद्र सरकार को औपचारिक रूप से आगाह किया है। फेडरेशन ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो यह मॉडल देश के बुलियन और ज्वैलरी बाजार को गंभीर रूप से बिगाड़ सकता है। संगठन की ओर से वित्त मंत्री, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री और प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र भेजा गया है।

एआईजेजीएफ की ओर से भेजे गए पत्रों में यह कहा गया है कि कुछ आयातक इंडोनेशिया से ऐसे उत्पाद लाने की तैयारी में हैं जिन्हें 'प्लेटिनम मेडल' के रूप में दिखाया जा रहा है। जिनमें लगभग 4 फीसदी प्लेटिनम और करीब 96 फीसदी सोना है। इन माल को एफटीए के तहत शून्य फीसदी ड्यूटी पर लाने और बाद में प्लेटिनम आर्टिकल के रूप में क्लासिफाई करने की कोशिश की जा रही है। फेडरेशन ने अपने पत्रों में स्पष्ट कहा है कि आर्थिक दृष्टि से ये उत्पाद वास्तव में सोने के उत्पाद हैं, जिनमें केवल नाम मात्र का प्लेटिनम मिला कर इन्हें रियायती एफटीए टैरिफ लाइन में फिट करने का प्रयास किया जा रहा है। यह सीधे-सीधे एफटीए की भावना और सही वर्गीकरण के सिद्धांतों के विपरीत है। यदि इस तरह का रास्ता खुला रह गया तो इसका मतलब होगा कि सोने का लगभग ड्यूटी-फ्री आयात संभव हो जाएगा, केंद्र सरकार के लिए सीधे सीमा शुल्क राजस्व का नुकसान होगा होगा। इसी तरह ईमानदारी से पूरा शुल्क देकर व्यापार कर रहे ज्वैलर्स, रिफाइनर्स और बुलियन आयातकों के लिए अनुचित प्रतिस्पर्धा पैदा होगी। उधर इस कदम से कीमती धातुओं के माध्यम से राउंड-ट्रिपिंग और वैल्यू ट्रांसफर का नया चैनल बन सकता है। संगठन ने वित्त मंत्रालय से अनुरोध किया है कि सीबीआईसी, कस्टम्स और डीआरआई को निर्देश दिया जाए कि ऐसे सभी आयातों की कड़ी जांच कराई जाए, माल का वर्गीकरण उसके वास्तविक प्रमुख धातु के आधार पर हो और जहां सोना मुख्य घटक हो, वहां एफटीए लाभ न दिया जाए। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय से भी आग्रह किया गया है कि डीजीएफटी व एफटीए के स्तर पर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं ताकि केवल कागजी फॉर्मैलिटी के आधार पर ऐसे कृत्रिम उत्पाद रियायती दरों का लाभ न ले सकें।

बाजार पर 6 फीसदी असर पड़ेगा

- सोना कारोबारियों का कहना है कि इंडोनेशिया से प्लेटिनम के जरिये देश में आने वाले गोल्ड पर जीरो फीसदी टैक्स देना होगा। ऐसी स्थिति में यह सोना बाजार में लगभग 6 फीसदी सस्ता होगा। ऐसी स्थिति में सराफा कारोबार में कुछ कारोबारी सस्ता सोना बेचकर अधिक लाभ कमा सकेंगे। इसी तरह कुछ कारोबारी जो सोना नहीं मंगाते हैं वे लोग महंगा सोना ही बेचेंगे। इससे बाजार की स्थिरता पर भी असर पड़ेगा।

5 फीसदी से अधिक पर टैक्स

- कारोबारियों ने सरकार से यह भी मांग की है कि एफटीए वाले देशों में जिस उत्पाद पर 5 फीसदी से अधिक सोना मौजूद हैं उन उत्पादों को सोने की श्रेणी में रखा जाना चाहिए। इससे मुनाफा सामान्य हो सके। हर कारोबारी को बराबर बाजार की प्रतियोगिता में बने रहने का मौका मिल सके।

इसलिए लिखा पत्र

- सराफा कारोबारियों ने बताया कि इंडोनेशिया से एफटीए लागू होने के बाद से हाल ही कई सोना कारोबारियों ने कस्टम से इस तरह के प्लेटिनम देश में लाए जाने के लिए आवेदन किया है। खास बात यह है कि इस तरह के प्लेटिनम के देश आने पर उसे पहचाना भी मुश्किल होता है क्योंकि वह धातू बिल्कुल प्लेटिनम की तरह होती है। कारोबारियों की ओर से आवेदन की सटीक सूचना पर संगठन के सदस्यों की ओर से सरकार से इस तरह के कार्य की सूचना दी गई है।

सोना चालू खाते और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए संवेदनशील कमोडिटी है। आज जो समस्या छोटी दिख रही है कल वह बाजार के लिए विकराल रूप ले सकती है। वित्त मंत्री, वाणिज्य मंत्री, पीएमओ को भेजे गए पत्र और सांसद प्रवीन खंडेलवाल से संसद में यह मुद्दा उठाने का अनुरोध इसी उद्देश्य से है कि बाजार को प्रभावित करने वाला यह रास्ता शुरू होने से पहले ही बंद हो जाए।

-अशोक बाजपेई, महामंत्री कानपुर महानगर सराफा एसोसिएशन

हम लोगों ने एआईजेजीएफ ने अनुरोध किया है कि वे इस मुद्दे को चल रहे संसद के शीतकालीन सत्र में उठाएं और सरकार से स्पष्ट जवाब मांगें कि इस दुरुपयोग को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। यह कोई साधारण टैरिफ विवाद नहीं है, यह निष्पक्षता का सवाल है। अगर कुछ लोग कृत्रिम स्ट्रक्चर बनाकर ड्यूटी से बच निकलते हैं, तो ईमानदारी से काम करने वाले ज्वैलर्स, कारीगर और बुलियन ट्रेडर्स सभी नुकसान में चले जाते हैं।

-पंकज अरोड़ा, राष्ट्रीय अध्यक्ष एआईजेजीएफ

आईआईटी में प्लेसमेंट पाने वाले छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

आईआईटी कानपुर में प्लेसमेंट का नया रिकॉर्ड

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पहले दिन ही 672 नौकरियों के ऑफर मिले छात्रों को
- अब तक के डे-1 की सर्वाधिक ऑफर संख्या है ये

अमृत विचार। आईआईटी कानपुर ने 2025-26 कैंपस प्लेसमेंट सीजन की शुरुआत की। प्लेसमेंट के पहले ही दिन संस्थान को 672 जॉब ऑफर प्राप्त हुए। जो अब तक के डे-1 के सर्वाधिक आंकड़े बताए जा रहे हैं। यह उपलब्धि पिछले वर्ष की डे-1 प्लेसमेंट संख्या की तुलना में इस बार 16 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है।

संस्थान की ओर से बताया गया कि युवाओं को मिलने वाले ऑफर आईआईटी कानपुर की बढ़ती विश्वसनीयता और इसके स्नातकों के प्रति मजबूत मांग का स्पष्ट प्रमाण है। डे-1 के अंत तक कुल 627 विद्यार्थियों ने जॉब ऑफर प्राप्त कर लिए। जिनमें प्री-प्लेसमेंट ऑफर भी शामिल हैं। इस उपलब्धि में पीपीओ की बड़ी भूमिका रही, जहां इस वर्ष 253 पीपीओ दर्ज किए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 27 फीसदी की बढ़ोतरी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी संस्थान ने उत्कृष्ट प्रदर्शन दर्ज किया। इस वर्ष 9 विद्यार्थियों को विदेशी ऑफर प्राप्त हुए, जो वैश्विक रोजगार परिदृश्य में आईआईटी कानपुर की बढ़ती प्रासंगिकता और प्रतिस्पर्धात्मकता का प्रमाण है। इस वर्ष 250 से अधिक कंपनियों ने आईआईटी कानपुर के छात्रों को नियुक्त करने में रुचि दिखाई है। युवाओं को स्टूडेंट्स प्लेसमेंट ऑफिस और संस्थान के नेतृत्व ने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी और भर्ती सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया और इस पर ज़ोर दिया कि डे-1 की यह ऐतिहासिक सफलता छात्रों की निरंतर मेहनत, संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन और उद्योग जगत के अटूट विश्वास का परिणाम है। आने वाले दिनों में और कंपनियों के परिसर में पहुंचने के आसार हैं। इसके अलावा कई विद्यार्थियों के अभी प्लेसमेंट प्रक्रिया में शामिल होना बाकी है।

पिंक ऑटो रिक्शा परमिट के लिए आज से आवेदन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- आरटीओ कार्यालय में 11 महिलाओं को मिलेगा पिंक ऑटो परमिट

अमृत विचार। मिशन शक्ति 5.0 के तहत कानपुर में पिंक ऑटो संचालित करने पर मुहर लग गई है। फिलहाल 11 महिलाओं को परमिट देने की प्रक्रिया गुरुवार से शुरू हो जाएगी।

सम्भागीय परिवहन अधिकारी राकेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि सम्भागीय परिवहन प्राधिकरण की बैठक में 11 पिंक ऑटो रिक्शा परमिट स्वीकृत किए जाने का निर्णय लिया गया था। अब इच्छुक महिला आवेदिकाओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन आलोक कुमार सिंह ने बताया कि महिला सशक्तीकरण और मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी सुरक्षित यात्रा व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पिंक ऑटो रिक्शा सेवा की शुरुआत की जा रही है। इच्छुक महिलाएं निर्धारित प्रपत्र एसआर-21 पर पासपोर्ट साइज फोटो, पते के दो प्रमाण पत्र, कम से कम एक वर्ष पुराना हल्का मोटर वाहन ड्राइविंग लाइसेंस और शपथ पत्र संलग्न कर 20 दिसंबर तक परमिट अनुभाग में आवेदन कर सकती हैं। न्यूनतम एक वर्ष पुराना एलएमवी लाइसेंस होना अनिवार्य होगा। आवेदिका को मॉडल ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, विकास नगर से प्रशिक्षण भी लेना होगा।

केवल महिलाएं और उनका परिवार कर सकेगा सफर

- पिंक ऑटो में चालक महिला होंगी और यात्री भी महिलाएं होगी। यदि कोई महिला अपने परिवार के साथ है तो इस पिंक ऑटो में परिवार के साथ सफर कर सकती है। स्वीकृति के उपरांत आवेदिका द्वारा नया सीएनजी ऑटो रिक्शा खरीदा जाएगा। पिंक ऑटो रिक्शा संचालन की इच्छुक महिला को प्रारंभिक स्तर पर सम्भागीय परिवहन अधिकारी के समक्ष लेटर ऑफ इंटरेस्ट प्रस्तुत करते हुए प्रशिक्षण प्राप्त करने की सहमति देनी होगी।

डीलर ही पिंक ऑटो देगा

- स्वीकृति पत्र के आधार पर ही अधिकृत डीलर द्वारा पिंक रंग में ऑटो उपलब्ध कराया जाएगा और पंजीयन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। वाहन को पिंक रंग में रंगवाकर वैध दस्तावेजों और पते के प्रमाण सहित सम्भागीय परिवहन कार्यालय में निरीक्षण के लिए प्रस्तुत करना होगा। निर्धारित शुल्क जमा होने के बाद ही परमिट जारी किया जाएगा।

भरत चरित्र का वृतांत सुनते ही छलके आंसू

कानपुर। श्री रामलीला महोत्सव आयोजन समिति जरौली द्वारा आयोजित श्रीराम कथा में वृंदावनधाम से आए संत भारत शरण जी महाराज ने भरत चरित्र का वृतांत सुनाया। जिसे सुनकर श्रद्धालुओं के आंखों मे आंसू आ गए। श्रीराम कथा में महाराज ने कहा कि श्री भरत लाल जी भगवान को मनाने चित्रकूट गए परंतु जब श्री राम जी ने अयोध्या वापस आने के लिए मना किया तब भरत जी ने श्रीराम जी की चरण पादुका अपने मस्तक पर रखकर वापस अयोध्या लौटे और सिंहासन पर चरण पादुका रखकर अयोध्या का संचालन करने लगे। इस अवसर पर पूर्व सांसद सत्यदेव पचौरी, किदवई नगर के विधायक महेश त्रिवेदी, सिद्धनाथ धाम के महंत अरुणपुरी जी महाराज आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम संयोजक प्रबोध मिश्रा रहे जबकि रामदेव शुक्ल, पूर्व जिला अध्यक्ष विनोद शुक्ला, पूर्व संगठन मंत्री से संजय बाजपेई, अनिल शुक्ला, सोनू शुक्ला, हर्षित अग्निहोत्री रहे।

श्री रामकथा में राम दरबार की झांकी। अमृत विचार

आर्थोपेडिक कैम्प में बच्चों की जांच

कानपुर। अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर अमृता रिहैबिलिटेशन सेंटर एवं स्कूल फॉर स्पेशल चिल्ड्रेन की ओर से शिविर आयोजित हुआ। यह कैम्प विशेष रूप से उन बच्चों और परिवारों के लिए आयोजित किया गया जो आर्थोपेडिक समस्याओं, विकास संबंधी चुनौतियों या मोबिलिटी-इश्यू का सामना कर रहे हैं। शिविर में आर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. आदित्य अग्रवाल मौजूद रहे। बच्चों की आर्थोपेडिक जांच, पोस्चर, मोबिलिटी, बोन हेल्थ और ग्रोथ पैटर्न का मूल्यांकन व भविष्य में आवश्यक फिजियोथेरेपी व रिहैबिलिटेशन मार्गदर्शन किया गया। अमृता रिहैबिलिटेशन सेंटर एवं स्कूल फॉर स्पेशल चिल्ड्रेन के सेंटर हेड विपिन आडवाणी ने कहा कि कैम्प का उद्देश्य उन परिवारों तक पहुंचना था जो संसाधनों की कमी के कारण उचित मार्गदर्शन तक नहीं पहुंच पाते।

बच्चों की जांच करते डॉक्टर। अमृत विचार

अज्ञात अस्थि कलशों का 14 को होगा भू-विसर्जन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। तेरह दिवसीय मरणोत्तर संस्कार अब कहीं कहीं पांच से सात दिन के बीच पूरे कर दिए जाते हैं। कई बार अपने प्रियजनों का अस्थि कलश अस्थि कलश बैंक में रख कर भूल जा रहे हैं। इन्हीं अज्ञात अस्थि कलशों का 14 दिसंबर को भैरव घाट पर पूर्ण शास्त्रोक्त विधि से भू विसर्जन किया जाएगा।

यह जानकारी बुधवार को प्रकल्प के संस्थापक मनोज सेंगर ने दी। बताया कि कम लोगों को पता होगा कि जिस प्रकार शारदीय नवरात्रि से पूर्व पितृपक्ष पड़ता है, ठीक उसी प्रकार दिसंबर माह में गुप्त शारदीय पितृपक्ष आता है। जिसमें साधक अपनी विशिष्ट साधनाएं करते हैं। गुप्त शारदीय पितृपक्ष 5 दिसंबर से है।

उन्होंने बताया कि अस्थि कलश बैंक विद्युत शवदाह गृह भैरोघाट में स्थित वह स्थान है जहां अपने दिवंगत स्वजन की अस्थियों को लोग कुछ समय रख सकते हैं जिन्हें बाद में अपने इच्छित स्थान पर विसर्जन के लिए ले जा सकें। उन्होंने बताया कि अस्थि कलश बैंक की स्थापना वर्ष 2014 में देहदान अभियान द्वारा की गई थी। यहां बैंक के लॉकर जैसे बॉक्स बने हैं जिसमें अस्थि कलश रख दिए जाते हैं, समस्त व्यवस्था निःशुल्क है।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपना नाम फरीद उद्दीन से बदलकर एस.एफ. अहमद कर लिया है। अतः भविष्य में मुझे एस.एफ. अहमद के नाम से जाना व पहचाना जाये। **एस.एफ. अहमद पुत्र श्री खलील उद्दीन निवासी- 38- बी, न्यू पी.ए. सी लाइन कानपुर नगर- 208015**

सूचना

पहले मेरा नाम NASARUDDIN था मै अपना नाम बदलकर NASRUDDIN रख लिया हूँ। अब भविष्य मे मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **NASRUDDIN S/O-NIZAMUDDIN ADD-263/16 BILLOCHPUR GADHAIYA DIST-LUCKNOW(U.P)**

सूचना

मैंने अपना नाम AMIT से बदल कर AMIT KUMAR रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **S/O: SITA RAM R/O: POST MATEHIKALAN MATEHI BAHRAICH UTTAR PRADESH - 271855**

सूचना

मैने अपना नाम ATUL AGRAWAL से बदलकर ATUL KUMAR AGRWAL रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **ATUL KUMAR AGRWAL ADD-8, CHILBILA, RANJEETPUR, POST-RANJEETPUR CHILBILA DIST-PRATAPGARH - 230001(U.P)**

सूचना

मेरा हाई स्कूल अंक पत्र वर्ष 2017 जिसका अनुक्रमांक संख्या 1420422 है वास्तव में कहीं खो गया है। काफी तलाश करने के उपरांत भी कहीं मिल नहीं सका है। **पुष्पेंद्र कुमार पुत्र रामबाबू निवासी सहनापुर पोस्ट लोहामढ तहसील व जिला कन्नौज।**

सूचना

मेरे पुत्र का नाम नगर पालिका परिषद फर्रूखाबाद से जारी जन्मप्रमाण पत्र में त्रुटिवश रिजवान दर्ज हो गया है, जबकि उसका सही नाम जियाउल है। जन्म प्रमाण पत्र में सही नाम जियाउल अंकित किया जाए, रिजवान व जियाउल दोनों नाम मेरे पुत्र के ही हैं। **मो0 यासीन पुत्र यामीन निवासी मोहल्ला खैराती खाँ, शहर व जिला फर्रूखाबाद।**

खेल जगत

कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र में सांसद-विधायक खेल स्पर्धा

शतरंज-फुटबाल के खिलाड़ियों ने दिल जीता

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। युवा कल्याण विभाग द्वारा कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र में सांसद-विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन आरयूबी ग्राउंड बिठूर रोड कल्याणपुर एवं ग्रीन पार्क स्टेडियम कानपुर में किया गया।

बुधवार को विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के संयोजक क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी राघवेंद्र सिंह भदौरिया रहे। ग्रीन पार्क में वेटलिफ्टिंग, कुश्ती, जूडो, शतरंज एवं फुटबॉल की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। शतरंज खेल विधा में सब जूनियर वर्ग में प्रशांत गौतम, जूनियर वर्ग में कार्तिक कनौजिया तथा सीनियर वर्ग में शुभेन्द्र सिंह तोमर विजयी रहे।

वेटलिफ्टिंग में सब जूनियर वर्ग में 56 किलोग्राम में तेजस शर्मा और 71 किलोग्राम में वीर चंद ने सफलता प्राप्त की। जूनियर वर्ग में 60 किलोग्राम में अमित कुमार, 65 किलोग्राम में वेंकटेश, 79 किलोग्राम में हर्षद वर्मा तथा 88 किलोग्राम में ध्रुव विवेकानंद विजयी रहे। सीनियर वर्ग में गौरव गुप्ता ने प्रथम स्थान तथा राज सिंह ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जूडो में सब जूनियर वर्ग में 48 किलोग्राम में आराध्या सोनकर, 36 किलोग्राम में अनुभवी, 40 किलोग्राम में अनन्या शर्मा और 44 किलोग्राम में बाल विश्वकर्मा उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजयी रहे। सीनियर वर्ग में 66 किलोग्राम में रुद्र प्रताप सिंह प्रथम स्थान पर रहे। कुश्ती खेल विधा में सीनियर वर्ग के 63 किलोग्राम वर्ग में अभिनय मिश्रा प्रथम स्थान तथा विश्वजीत द्वितीय स्थान पर रहे। फुटबॉल खेल में आयुष निषाद की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सभी विजेता खिलाड़ियों को मेडल, ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस खेल प्रतियोगिता में लगभग 1200 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया।

विविध खेलों में विजयी खिलाड़ी प्रमाणपत्र के साथ। अमृत विचार

लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का आयोजन 7 से

डॉ. अमरेश मिश्रा।

कानपुर। धूनी ध्यान केन्द्र विकास नगर की ओर से 7 दिसंबर से लक्ष्मी महायज्ञ का आयोजन होने जा रहा है। यह जानकारी बुधवार को केंद्र के संस्थापक डॉ. अमरेश मिश्रा और डॉ. सुनीता मिश्रा ने दी। उन्होंने बताया कि महायज्ञ की पूर्ण आहुति 14 दिसंबर को होगी। कार्यक्रम के दौरान 7 दिसंबर को शोभा यात्रा निकाली जाएगी। वृंदावन के प्रेमानंद जी महाराज के शिष्य सदानंद जी महाराज प्रवचन देंगे। 10 दिसंबर को कृष्ण जन्मोत्सव, पुत्र प्राप्ति के लिए पुश्रेष्ठी महायज्ञ का आयोजन होगा। 11 को कालसर्प, पितृदोष, कनकधारा महायज्ञ होगा।

कार्यालय : नगर पंचायत, तालग्राम-कन्नौज

पत्रांक : 257/ न0पं0ता0/(2025-26)/ दिनांक 03/12/2025

(अतिअल्पकालीन निविदा सूचना)

समस्त पंजीकृत ठेकेदारों/जलौनी लकड़ी बिक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत निम्न विवरण के अनुसार जलौनी लकड़ी क्रय कराना चाहती है जिसके लिये दिनांक 09.12.2025 के अपरान्ह 2 बजे कार्यालय नगर पंचायत में निविदा आमन्त्रित करती है, प्राप्त निविदाओं को अध्यक्ष महोदय द्वारा उसी दिन कार्यालय नगर पंचायत में अपरान्ह 3 बजे खोली जावेगी। शेष नियम व शर्ते किसी भी दिन कार्यालय दिवस में मालूम की जा सकती है।

क्र0 सं0	आपूर्ति विवरण	देय दर प्रति कुन्तल	2% अर्नेस्ट मनी	टेन्डर मूल्य
1	जलौनी लकड़ी	700.00	10,000.00	500.00

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत तालग्राम
जनपद कन्नौज

अध्यक्ष
नगर पंचायत तालग्राम
जनपद कन्नौज

न्यूज ब्रीफ

पुलिस ने नहीं सुनी तो कोर्ट से लगाई गुहार रिपोर्ट हुई दर्ज

फतेहपुर चौरासी। थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने बताया कि उसकी 16 वर्षीय बेटी से गांव निवासी युवक ने घर में घुसकर शौचालय में खींचकर दुष्कर्म किया। जिसकी सूचना पर पीआरवी पहुंची और मौके की जांच की। इसके बाद उसने इससे संबंधित शिकायती पत्र पुलिस को दिया। इसी क्रम में एसपी से भी मिलकर फरियाद की। लेकिन, कोई कार्यवाही नहीं हुई। इससे हताश पिता ने कोर्ट की शरण ली। इसके बाद कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।

युवक को कोतवाली में पीटा, दो पर रिपोर्ट दर्ज

शुक्लागंज। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के श्री नगर निवासी उमेश चंद्र त्रिपाठी ने गंगाघाट कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह बुधवार को मकान के स्टे से संबंधित कागज दिखाने के लिए कोतवाली पहुंचे थे। उनका आरोप है कि इसी दौरान माखी थानाक्षेत्र के गांव पवई निवासी मनीष कुमार और गंगाघाट कोतवाली अंतर्गत गायत्री नगर निवासी हरिप्रसाद तिवारी ने थाने के अंदर ही उससे गाली-गलौज शुरू कर दी। जब उमेश चंद्र त्रिपाठी ने विरोध किया तो आरोपियों ने उन्हें पीटा और जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद पुलिस ने पीड़ित का मेडिकल कराया और दोनों आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सपा छात्रसभा ने की एसआईआर की समस्याएं दूर करने की मांग

सफीपुर। सपा छात्रसभा प्रदेश सचिव अमन यादव ने तहसीलदार को ज्ञापन देकर एसआईआर में होने वाली समस्या का निस्तारण कर सभी के फार्म भराने की मांग की। उन्होंने तहसीलदार देवेंद्र यादव को दिये ज्ञापन में बताया कि कस्बा सफीपुर के कई मोहल्लों में विभागीय त्रुटि के चलते 2003 की मतदाता सूची अपलोड नहीं है। जबकि लोगों के पास मतदाता पहचान पत्र है। ऐसे में सभी मतदाताओं को सूची में शामिल रक्खा जाए। बताया कि क्षेत्र से लगातार बढ़ रही शिकायतों में मुख्य रूप से बूथों पर बीएलओ द्वारा फार्म की दोनों प्रतियां नहीं दी जा रही हैं। जिससे रिसीविंग लेने में समस्या आती है। बीएलओ दोनों फार्म दे या दूसरा फार्म मतदाता के समक्ष भर कर रिसीविंग दे। इसके अलावा बहुत से गणना प्रपत्र को जल्दबाजी में तृतीय श्रेणी में नियमों के विपरीत सबमिट किया गया है जो गलत है। समय रहते सुधार किया जाए। जबकि भारत निर्वाचन आयोग के पोर्टल पर एडिट का विकल्प दिया हुआ है इसलिए बीएलओ द्वारा सबमिट किए गए सभी गणना प्रपत्र की जांच करा कर तृतीय श्रेणी में सबमिट फार्म को नियमानुसार एडिट करवाकर प्रथम श्रेणी या द्वितीय श्रेणी मे सबमिट कराया जाये।

छात्रावास के नवनिर्माण कार्य का सदर विधायक ने किया उद्घाटन

उन्नाव। डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्ति के सौंदर्यीकरण व नवनिर्माण कार्य पूर्ण होने के पर बाईपास स्थित अनुसूचित जाति छात्रावास परिसर में कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें सदर विधायक पंकज गुप्ता ने राजकीय छात्रावास खंड एक व राजकीय बालक छात्रावास खंड दो का फीता काटकर उद्घाटन करते हुए बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इसके बाद विधायक ने छात्रावास के विद्यार्थियों से सीधा संवाद स्थापित कर छात्रों की मूलभूत समस्याओं व आवश्यकताओं की जानकारी ली। छात्रों द्वारा व्यवस्थागत कमियों व शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने निरीक्षण किया और संबंधित बिंदुओं पर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान समाज कल्याण अधिकारी प्रकाश पांडेय, सभासद बृजेश पांडेय, छात्रावास अधीक्षक दिनेश कुमार रावत आदि मौजूद रहे।

ढाई घंटे का ब्लॉक लेकर बदली गई कैंची प्वाइंट

शुक्लागंज। ऋषिनगर केबिन के पास बुधवार को ढाई घंटे का ब्लॉक लेकर कैंची प्वाइंट बदले गए। रेल कर्मियों के अनुसार ब्लॉक के दौरान किसी भी ट्रेन के प्रभावित होने की सूचना नहीं है। जिससे संचालन सुचारु बना रहा। दोपहर 12:25 बजे अप लाइन पर ब्लॉक लिया गया। इसके बाद तकनीकी टीम ने कैंची प्वाइंट बदलने शुरू किये। सबसे पहले कटर मशीन से पुराना प्वाइंट काटा गया फिर उसे हटाकर नया प्वाइंट लगाने शुरू किये गए। सूत्रों के मुताबिक संबंधित प्वाइंट की निर्धारित समयावधि पूरी हो चुकी थी। इसलिए सुरक्षा मानकों के तहत इसे तुरंत बदलना जरूरी था। कैंची प्वाइंट रेलवे ट्रैक का अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। इसके माध्यम से ट्रेनें एक लाइन से दूसरी लाइन पर स्थानांतरित होती हैं। किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचाव के लिए इन प्वाइंट्स की नियमित जांच एवं समय पर बदलाव किया जाता है।

घर पर अकेले रह रहे युवक की नुकीले हथियार से की गई हत्या

रक्तरंजित हालत में चारपाई पर पड़ा मिला शव, प्रथम दृष्टया मामला जमीन विवाद से जुड़े होने की आशंका जताई गई

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। अचलगंज थानाक्षेत्र के बड़ौरा गांव के मनोनगर में एक युवक की उसके घर में नुकीले हथियार से हमलाकर हत्या कर दी गई। बुधवार सुबह चारपाई पर रक्त रंजित हालत में उसका शव पड़ा मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस व फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए। भांजे को तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। प्रथम दृष्टया मामला जमीन विवाद से जुड़े होने की आशंका जताई गई है। लेकिन पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रह रही है।

अचलगंज थानाक्षेत्र के बड़ौरा गांव के मजरा मनोनगर निवासी मनोज (45) पुत्र स्व. शिव नाथ खेती करने के साथ कचहरी में किसी मुंशी का सहयोगी भी था। उसकी पत्नी शांति तीन बेटियां के साथ एक माह से लापता थी। इस समय वह घर पर अकेला रहता था। कई दिन से फोन पर बात न होने से बुधवार सुबह गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के बधुहा खेड़ा गांव निवासी बड़ी बहन राजदुलारी पत्नी मन्नी लाल बेटे आशीष के साथ उसके घर पहुंची तो बाहर से कुंडी लगी थी। खोलकर अंदर जाकर चारपाई में पड़ा कंबल हटाया तो भाई का रक्तरंजित शव देख उसकी चीख निकल गई। उसके चेहरे पर नोकदार वजनी वस्तु से वार किए जाने के निशान थे। हत्या की जानकारी पर गांव में सनसनी फैल गई। शव के पास एक लोहे की रॉड (साबड़) रखा मिला। थाना प्रभारी की सूचना पर सीओ बीघापुर व फोरेंसिक टीम पहुंची। जांच में शराब के 3 खाली पैकट व एक गिलास में पैग बना मिला। बहन राजदुलारी ने बताया कि भाई से शनिवार तक बात हुई। इसके बाद रविवार को छोटी बहन सावित्री ने फोन मिलाया लेकिन बात नहीं हो पाई। सोमवार सुबह तक उसे गांव में कुछ लोगों ने दबी जुबान से देखे जाने की बात कही।

मनोज (फाइल फोटो)

मृतक के घर के बाहर लगी भीड़ व मौजूद पुलिस। अमृत विचार

उधर पुलिस की जांच में सामने आया कि मनोज कई अपराधी किस्म के लोगों की जमानत भी ले चुका था। शराब की लत से परेशान होकर पत्नी अक्सर उसे छोड़कर चली जाती थी। उसके चार बेटियां थीं। इसमें नेहा की शादी हो गई थी। तीन बेटियां निधि, विधि व विन्ध्वासिनी मां के साथ दीपावली के दो दिन बाद से लापता है। पुलिस व भतीजे मोहित पुत्र स्व. बबलू घटना के बाद पत्नी का पता लगाने का प्रयास किया लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इससे पहले जब नाराज होने पर दोस्ती नगर निवासी बहन चंदावती के घर चली जाती थी। लेकिन इस बार वह वहां भी नहीं मिली। सीओ बीघापुर मधुपनाथ मिश्रा ने बताया कि घटना की सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। उसकी सीडीआर भी खंगाली जाएगी। बताया कि भांजे आशीष की तहरीर पर अज्ञात में हत्या का केस दर्ज किया गया है।

अचलगंज थानाक्षेत्र के मनोनगर में हुई हत्या के मामले में पुलिस ने भांजे आशीष की तहरीर पर अज्ञात में रिपोर्ट दर्ज की थी। रात में जांच में अहम सुराग मिले। इसपर पुलिस ने गांव के दो युवकों कमलेश, पिंटू व जमेल गांव निवासी अज्ञात व्यक्ति को नामजद किया है। जिनकी पुलिस तलाश कर रही है।

एक माह में थानाक्षेत्र में हुई तीसरी हत्या

अचलगंज थानांर्गत नेवरना चौकी क्षेत्र में एक माह से भी कम समय में हत्या की तीसरी वारदात लोगों में चर्चा का विषय बनी है। बता दें कि बड़ौरा गांव में बीती 6 नवंबर को गांव निवासी हिस्ट्रीशीटर नारेंद्र उर्फ लाला पुत्र रामलाल की गांव निवासी उसके ससुरालियों ने खंभे में बांध कर पीट-पीटकर मार डाला था। इसी तरह 13 नवंबर को नेवरना गांव के मजरा अजीत खेड़ा निवासी अधिवक्ता के मुंशी गोविंद यादव (48) पुत्र स्व. राम गोपाल की चौकी से करीब 100 मीटर पहले शराब ठेके के पास गोली मारकर हत्या हुई थी। हालांकि पुलिस ने दोनों घटनाओं के आरोपियों को जेल भेज दिया था।

चेहरे पर ताबड़तोड़ पांच वार से हुई मौत

देरशाम पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। जिसमें उसके चेहरे पर वजनदार नुकीली वस्तु से हमला किए जाने की बात सामने आई। उसके नाक व मुंह पर पांच वार किए गए। इससे उसकी नाक व आंख के नीचे की हड्डी तक टूट गई। अनुमानत: शव के तीन दिन पुराने होने की बात सामने आई है।

राजस्व परिषद से जीती जमीन पर निर्माण रोकने पहुंची पालिका टीम

- कोर्ट का आदेश दिखाने पर लौटे सभासदों ने काटा हंगामा
- फोरलेन पर लगा तीन घंटे जाम

शुक्लागंज, अमृत विचार। गोपीनाथपुरम स्थित वी-मार्ट वाली गली में गाटा संख्या 225 क की भूमि पर बुधवार को निर्माण शुरू होने पर नगर पालिका व निर्माण कर्ता के बीच नोंकझोंक हुई। सूचना ईओ मुकेश मिश्रा पुलिस फोर्स व कई सभासदों के साथ मौके पर पहुंचे और निर्माण रोकने के निर्देश दिए। हालांकि निर्माण करा रहे गोपीनाथ पुरम निवासी कैप्टन राहुल तिवारी ने राजस्व परिषद से मुकदमा जीतने का हवाला देते हुए काम बंद करने से इंकार कर दिया। जिस पर पालिका सभासद फोरलेन पर धरने पर बैठकर हंगामा काटने लगे।

राजस्व परिषद में दायर मामले में 25 जून 2025 को नगर पालिका मुकदमा हार चुकी है और राहुल तिवारी ने मुकदमा जीता था। इसके बाद नगर पालिका ने जुलाई में रिवीजन दायर किया था। छह महीने बाद बुधवार को राहुल तिवारी ने पुनः निर्माण शुरू कराया। रोक-टोक के दौरान उन्होंने राजस्व परिषद का आदेश दिखाते हुए कहा कि आदेश के विपरीत वे निर्माण नहीं रोकेंगे। इस दौरान सभासद योगेश मिश्रा, अशोक सविता, अखिलेश निषाद, नंद कुमार मिश्रा, फुरकान खान, सूरज साहू आदि प्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। निर्माण रोकने में असफल होने पर सभी दोपहर साढ़े तीन बजे पालिका कार्यालय के बाहर पहुंचे और फोरलेन पर बैठकर धरना शुरू कर दिया। इसके साथ ही प्रशासन व पालिका मुर्दाबाद के नारे लगे। इससे करीब एक घंटे तक सड़क पर जाम लगा रहा। सूचना पर गंगाघाट कोतवाली प्रभारी अजय सिंह पहुंचे और सड़क पर बैठे सभासदों को हटवाकर यातायात बहाल कराया। इसके बावजूद सभासद करीब तीन घंटे तक हंगामा करते रहे।

फोरलेन पर धरने पर बैठे सभासद को समझाते नायब तहसीलदार। अमृत विचार

शाम करीब पांच बजे नायब तहसीलदार यशवंत सिंह पहुंचे और सभासदों को साथ पालिका के अंदर बातचीत के लिए गए। देरशाम तक समाधान के प्रयास जारी रहे लेकिन विवाद की स्थिति बनी रही। इस संबंध में राहुल तिवारी ने बताया कि कोर्ट ने उनके पक्ष में निर्णय किया था। बावजूद इसके सभासद कोर्ट के आदेशों से हटकर मांग कर रहे हैं, जो गलत है। इसे लेकर नायब तहसीलदार यशवंत सिंह ने बताया कि गोपीनाथपुरम स्थित 12 बीघा जमीन पर राजस्व परिषद लखनऊ अपना फैसला 25 जून को राहुल तिवारी व चंदा तिवारी के पक्ष में सुना चुका है। सितंबर माह में दोनों के नाम खतौनी में अंकन भी हो चुके हैं। पालिका ईओ व सभासद किस आधार पर जमीन पर पहुंचे इसकी जांच कर एसडीएम को सौंपी जायेगी।

ऑपरेशन दस्तक के तहत चला सत्यापन अभियान

उन्नाव। थाना आसीवन में प्रभारी निरीक्षक अखिलेश चंद्र पांडेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बीते पांच वर्षों में लूट, डकैती, नकबजनी, वाहन चोरी व सामान्य चोरी जैसे अपराधों में शामिल अपराधियों को सूचीबद्ध कर उनका सत्यापन किया गया। पुलिस टीम ने कई अपराधियों के निवास पर जाकर उनसे पूछताछ की और कुछ को थाने पर बुलाकर उनकी गतिविधियों की विस्तृत जानकारी ली। सत्यापन का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना था कि ये अपराधी वर्तमान में क्या कार्य कर रहे हैं और क्या वे दोबारा किसी आपराधिक गतिविधि में तो शामिल नहीं हैं। प्रभारी निरीक्षक ने सभी सत्यापित अपराधियों को अपराध से दूर रहने की हिदायत दी।

जयंती पर याद किए गए डॉ. राजेंद्र प्रसाद

उन्नाव, अमृत विचार। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में भारतरत्न व स्वतंत्र भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर मनाई गई। इसमें जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा ने कहा कि बाबू राजेंद्र प्रसाद आज के राजनीतिक परिवेश में वास्तव में प्रासंगिक हैं। जमींदार परिवार में जन्म लेने के बाद भी वह गांधी जी के सानिध्य में आकर देश के स्वतंत्रता आंदोलन में कूद पड़े थे। राष्ट्रपति रहते हुए उन्होंने राष्ट्रपति भवन के केवल तीन कमरों का ही उपयोग किया।

इस दौरान उपाध्यक्ष हनुमंत सिंह, बीडी कठेरिया, जंग बहादुर सिंह अजय गौतम, मंसूर अली, कमलेश तिवारी, दीपेंद्र सिंह, गया प्रसाद कफनधारी, सौरभ त्रिवेदी सोनू, कल्लू सविता, सलीम अहमद, संजीव श्रीवास्तव, सलमान शाहिद, बाबूराम निषाद, बदरुद्दीन, अभय प्रताप सैनी, प्रदीप शर्मा, मणिकांत रावत, मनोज शर्मा, जीतू यादव, विजय शंकर, रईस वारसी, राजन सोनी, राज कुमार लोधी, धनीराम गौतम, सुशील पाल आदि ने बाबू राजेंद्र प्रसाद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते कांग्रेस कार्यकर्ता। अमृत विचार

कांग्रेस ने मनाई प्रथम राष्ट्रपति की जयंती

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती नगर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में पोनी रोड पर बुधवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इसमें वक्ताओं ने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद देश के उन महान नेताओं में थे जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन सादगी में बिताया। उन्होंने अपनी सारी संपत्ति देशहित में दान कर दी थी। इस दौरान मुन्ना सोनी, पुत्तीलाल वर्मा, जयपाल साहू, रवि गुप्ता, आशीष गुप्ता, इलू गुप्ता, राम सनेही गुप्ता, गणेश वर्मा, अनिल शुक्ला, राजेश रावत आदि कांग्रेसी मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने मनोभाव से प्रथम राष्ट्रपति की जयंती मनाई।

आजाद जयंती पर लगेगा तीन दिवसीय मेला

उन्नाव, अमृत विचार। शहीद चन्द्रशेखर आजाद की 120वीं जयंती पर बदरका में तीन दिवसीय समारोह का आयोजन 6 से 8 जनवरी को होगा। आजाद के त्याग व बलिदान को राष्ट्रोत्प्रेरक पर्व के रूप में मनाने के लिए तैयारियां चल रही हैं। क्षेत्रीय विधायक व समारोह के स्वागताध्यक्ष आशुतोष शुक्ला की पहल पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शिलान्यासित 'आजाद प्रेक्षागृह' का निर्माण भी चल रहा है। समारोह का शुभारंभ 6 जनवरी को डीएम व एसपी द्वारा शहीद आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ होगा। इसके साथ जिला स्तरीय विकास प्रदर्शनी का भी उद्घाटन होगा। शहीद चन्द्रशेखर आजाद स्मारक ट्रस्ट समिति के मंत्री एके शुक्ला ने बताया कि 7 जनवरी को श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित होगा। जिसमें प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री, रेल मंत्री समेत प्रदेश के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री व अन्य मंत्रियों को आमंत्रण भेजा गयाहै। समारोह का समापन 8 जनवरी को किया जाएगा। रात्रि में कवि सम्मेलन होगा।

सिटी डायरी

दिव्यागों ने हवन कर जताया विरोध

उन्नाव, अमृत विचार। कांग्रेस विकलांग प्रकोष्ठ व दिव्यांग महागठबंध के सदस्यों ने सरकार द्वारा मनाए जा रहे 'विश्व विकलांग दिवस' का विरोध किया है। कांग्रेस कार्यालय पर प्रदर्शनकारियों ने काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया और वर्तमान सरकार की सद्बुद्धि के लिए हवन किया। इसके बाद उन्होंने 13 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन डीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा।

कांग्रेस कार्यालय के बाहर हवन कर विरोध जताते दिव्यांग।

कांग्रेस विकलांग प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव तन्मय श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार हर वर्ष यह दिन बड़े धूमधाम से मनाती है और भारी बजट खर्च करती है। लेकिन यह केवल खानापूर्ति है। जब तक भारत का हर दिव्यांग मूलभूत सुविधाओं से वंचित है तब तक विश्व दिव्यांग दिवस मनाना हमारे संघर्ष का अपमान और पीड़ा का मज़ाक उड़ाने जैसा है। विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस शहर अध्यक्ष फैज फारुकी, शहर उपाध्यक्ष ओमकांत पांडे, नसीम खान, बंसीलाल, प्रदेश सचिव अखिल गुप्ता, मयंक बाजपेई, संजय सिंह, जिला महासचिव सुरेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

सड़क पार कर रहे युवक को अज्ञात वाहन ने रौंदा, मौत

नवाबगंज, अमृत विचार। अस्पताल में भर्ती पड़ोसी को खाना देकर लौट रहे सोहरामऊ थानाक्षेत्र के मड़ियांमऊ गांव निवासी युवक को सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन ने रौंद दिया। पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मढ़ियामऊ गांव निवासी संत कुमार (45) पुत्र स्व. राजाराम मजदूरी करता था। मंगलवार देरशाम वह लखनऊ के बंथरा थानाक्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती पड़ोसी सत्य नारायण कश्यप को खाना देने गया था। जहां से वह किसी वाहन से बजेहरा गांव के सामने उतरकर पैदल घर जाने के लिए सड़क पार कर रहा था। तभी लखनऊ-कानपुर हाईवे पर अज्ञात वाहन ने उसे रौंद दिया। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस उसे जीवित होने की आशंका पर अस्पताल लाई। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। जेब में मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान कराकर परिजनों को सूचना दी गई। इस पर बड़ा भाई व अन्य परिजन पहुंचे और शव देख बेहाल हो गए।

संत कुमार (फाइल फोटो)

बड़े भाई वीरेंद्र ने बताया कि संत कुमार दो भाइयों में छोटा था। उसने शादी नहीं की थी। वह बड़े भाई के साथ रहता था। एसओ संदीप शुक्ला ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

दो डॉक्टर के पैनल से हुआ विवाहिता का पोस्टमार्टम

अमृत विचार Follow UP

उन्नाव, अमृत विचार। दही थानाक्षेत्र के कोईथर गांव निवासी विवाहिता का शव फंदे से लटका मिला था। मायके पक्ष के आरोप पर सीएमओ ने पोस्टमार्टम के लिए दो डॉक्टर का पैनल गठित किया। वहीं पुलिस की सूचना पर नायब तहसीलदार ने पंचनामा की कार्रवाई की। इसके बाद पोस्टमार्टम कराया गया। जिसमें हैंगिंग से मौत होने की पुष्टि हुई है।

बता दें कि गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के हाजीपुर गांव के मजरा उदाखेड़ा निवासी पार्वती (25) पुत्री स्व. रामऔतार की शादी करीब 6 साल पूर्व दही थानाक्षेत्र के कोईथर गांव निवासी सूरज से हुई थी। सूरज अमृतसर में मजदूरी करता है। वह शराब का लती है। इसे लेकर पति-पत्नी में अक्सर फोन पर विवाद होता था। मंगलवार शाम भी फोन पर कहासुनी हुई थी। इससे परेशान पार्वती दरवाजा बंद कर कमरे में फंदे से लटक गई। घटना के समय सास पार्वती के बड़े बेटे रियांस (5) के साथ बाजार गई थी। घर पर तीन साल का बेटा यश था। खेत से लौटे देवर शुभम ने दरवाजा बंद देख आवाज लगाई लेकिन उत्तर न मिलने पर वह पड़ोसी की छत से अपने घर पहुंचा तो भाभी को लटका देख उसके होश उड़ गए।

एसआईआर में उत्कृष्ट कार्य करने वाली लेखपाल सम्मानित

लेखपाल आस्था को प्रशस्ति पत्र देते एसडीएम सफीपुर शिवेंद्र वर्मा।

सफीपुर। तहसील सफीपुर में विशेष प्रगाढ़ मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत उत्कृष्ट कार्य करने पर लेखपाल आस्था को प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया। एसडीएम शिवेंद्र वर्मा व तहसीलदार देवेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। अधिकारियों ने कहा कि इस लेखपाल ने सुपर वाइजर के पद पर रहकर अपने अधीन पांच बीएलओ से निर्धारित समय से पूर्व व जिम्मेदारी से कार्य पूर्ण कराकर प्रशासन की कार्यकुशलता को सुदृढ़ किया है और अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत बनी है। कहा कि ऐसे कर्मचारी प्रशासन की रीढ़ होते हैं।

पुल निर्माण के दायरे में आ रहे मकानों का अधिकारियों ने किया निरीक्षण

जद में आ रहे मकानों को लेकर चर्चा करते पीडब्ल्यूडी व सेतु निगम के अधिकारी।

शुक्लागंज। गंगा पर प्रस्तावित नए पुल के निर्माण से प्रभावित होने वाले मकानों को लेकर बुधवार को पीडब्ल्यूडी व सेतु निगम की संयुक्त टीम ने निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि पुल की जद में आने वाले 40 मकानों का सर्वे व मूल्यांकन शुरू किया गया है। इसी क्रम में बुधवार को दो मकानों का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। जबकि शेष मकानों का सर्वे शीघ्र पूरा किया जाएगा। इस दौरान पीडब्ल्यूडी के एई अनिरुद्ध गुप्ता, जेई जितेंद्र व सेतु निगम के जेई कुंदन ने सबसे पहले पुल निर्माण स्थल का जायजा लिया।

प्रतियोगिता में दिव्यांग छात्रों ने दिखाया अपना दमखम

दौड़ प्रतियोगिता के खिलाड़ियों को हरी झंडी दिखाते डीएम गौरांग राठी। अमृत विचार

उन्नाव। अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर राजकीय इंटर कॉलेज मैदान में बेसिक शिक्षा परिषद के तत्वावधान में दिव्यांगजन खेलकूद प्रतियोगिता व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ डीएम गौरांग राठी व ज्वाइंट मजिस्ट्रेट शौर्य अरोड़ा ने दीप प्रज्ज्वलन व सरस्वती पूजन के साथ किया। उच्च प्राथमिक विद्यालय बाबूगंज की छात्राओं ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत के साथ उपस्थित लोगों का मन मोहा। बीएसए शैलेश पांडे ने बताया कि जिले के परिषदीय विद्यालयों में कुल 4136 दिव्यांग बच्चे अध्यनरत हैं। उनके लिए 58 स्पेशल एजुकेटर व एक फिजियोथेरेपिस्ट भी कार्यरत हैं।

आयोजन | बच्चों ने प्रस्तुत किया सांस्कृतिक व सोशल मीडिया जनजागरूता कार्यक्रम

विश्व दिव्यांग दिवस पर बांटी गई ट्राई साइकिल

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। शहर के प्रकाश गेस्ट हाउस सिविल लाइन में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विश्व दिव्यांग दिवस पर दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग उप्र द्वारा संचालित कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण योजनान्तर्गत शारीरिक, मानसिक, व मूकबधिर दिव्यांगजन को 100 ट्राई साइकिल, 100 जोड़ी वैशाखी, 100 एमआर किट व 100 दिव्यांगजन को श्रवण यंत्र (कान की मशीन) का वितरण सदर विधायक पंकज गुप्ता ने किया और शासन की उपलब्धियां बताईं। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता मिश्रा, सभासद बृजेश पांडे, प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी की उपस्थिति में सहायक उपकरणों का वितरण किया गया।

दिव्यांगों को ट्राई साइकिल देते सदर विधायक पंकज गुप्ता। अमृत विचार

विभाग में पंजीकृत स्वैच्छिक संस्था जॉनसन मूक बधिर विद्यालय सिविल लाइन्स उन्नाव व नवज्योति विकलांग मनोविकास संस्थान मसवासी में अध्ययनरत बच्चों द्वारा सांस्कृतिक व सोशल मिडिया जनजागरूता कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। प्रभारी जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी ज्योति त्रिवेदी ने विभाग द्वारा कराए जाने वाली योजनाओं की जानकारी दी। संचालन मनीष सिंह सेंगर ने किया। सुनील पांडेय, फूलचन्द्र राजपूत, पप्पू रावत, प्रमोद गौतम व अन्य कार्यालय कर्मियों ने सहयोग किया।

जहाज अपने बंदरगाह में सबसे सुरक्षित रहता है, लेकिन जहाजों का निर्माण इसके लिए नहीं किया गया था।

–पाउलो कोएल्हो, ब्राजीलियन लेखक

विकास, नीति और संदेश

योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट ने जो 20 प्रस्ताव पास किए, वे राज्य की आर्थिक-सामाजिक दिशा को पुनर्गठित करने की कोशिश का संकेत देते हैं। इन प्रस्तावों का दावा है कि वे आम जनता के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में ठोस योगदान देंगे। प्रश्न यह है कि क्या ये निर्णय सूबे की जटिल और दीर्घकालिक समस्याओं को पर्याप्त रूप से संबोधित करते हैं या फिर ये एक संतुलित राजनीतिक-सामाजिक पैकेज भर हैं? सीजीएसटी और स्टांप ड्यूटी में दी गई छूट व्यापार जगत और रियल एस्टेट क्षेत्र को स्पष्ट रूप से राहत देगी। व्यापारियों को टैक्स संबंधी बोझ से कुछ राहत मिलेगी, जिससे कारोबारी गतिविधियों में गति आएगी। बाजार को जब भरोसे और पूंजी प्रवाह की आवश्यकता थी, यह वित्तीय प्रोत्साहन आया। संभव है अप्रत्यक्ष रूप से इसका लाभ उपभोक्ताओं को भी मिले, सस्ती संपत्ति, कम लागत वाली सेवाएं और निवेश के सृजन से इसका प्रभाव दो-तरफा हो।

शहरों में जलापूर्ति समस्या से परेशान बरेली और कानपुर की पेयजल योजनाएं शहरी बुनियादी ढांचे को मजबूती देंगी। सुरक्षित और नियमित पेयजल की उपलब्धता न सिर्फ स्वास्थ्य को सुधारती है, बल्कि उद्योग और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी भरोसा देती हैं। यह कदम शहरी जीवन की गुणवत्ता में वास्तविक सुधार ला सकता है। इंटीग्रेटेड टाउनशिप नीति के तहत रुकी हुई परियोजनाओं को पूरा या फिर निरस्त करना महत्वपूर्ण सुधार है। निष्क्रिय पड़ी परियोजनाओं ने वर्षों तक पूंजी, भूमि और जनता के विश्वास को उलझाए रखा है। इन परियोजनाओं को गति मिलने से न सिर्फ आवास का संकट कम होगा, बल्कि निर्माण क्षेत्र को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। यह राज्य की विकास दर को प्रत्यक्ष रूप से बढ़ा सकता है, साथ ही रोजगार सृजन के नए अवसर भी तैयार होंगे। नए जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र खोलने का फैसला सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। दिव्यांग जनों के लिए रोजगारपरक प्रशिक्षण, उपचार और सहायक उपकरणों की उपलब्धता बढ़ेगी। सरकार द्वारा अस्पताल विकास में निजी निवेश के लिए सहायता नीति को और व्यावहारिक बनाने के प्रस्ताव को पुनरीक्षण के लिए लौटाना यह संकेत देता है कि सरकार जल्दबाज़ी में कदम नहीं उठाना चाहती। स्वास्थ्य ढांचे में निजी निवेश आवश्यक है, परंतु पर्याप्त नियमन और पारदर्शिता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। सरकार स्पष्ट रूप से ऐसी नीति चाहती है, जिससे निवेशक भी संतुष्ट हों और जनता के हित भी सुरक्षित रहें।

अयोध्या में मंदिर संग्रहालय निर्माण का प्रस्ताव सांस्कृतिक, पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था तीनों स्तरों पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। यह परियोजना स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार अवसर भी बढ़ाएगी। पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था में ऐसे संस्थान न केवल प्रतीकात्मक होते हैं, बल्कि लंबे समय में राजस्व और पहचान के स्थायी स्रोत भी बनते हैं। निस्संदेह, इन सभी प्रस्तावों में राजनीतिक संदेश भी निहित है। चुनावी राज्य में कोई भी बड़ा निर्णय पूरी तरह गैर-राजनीतिक नहीं हो सकता। परंतु यह भी सत्य है कि यदि ये प्रस्ताव समयबद्धता, पारदर्शिता और गंभीर क्रियान्वयन के साथ लागू होते हैं, तो इनका ठोस और दीर्घकालिक लाभ जनता को मिलेगा।

प्रसंगवश

राजवंशी देवी: राष्ट्रपति भवन की मां जी

डॉ. राजेंद्र प्रसाद 1946-50 तक संविधान सभा के अध्यक्ष और फिर 1950 में भारत के प्रथम राष्ट्रपति बने, तब भी उनकी पत्नी राजवंशी देवी ने कभी राष्ट्रपति भवन की चकाचौंध में रुचि नहीं दिखाई। उन्होंने राष्ट्रपति भवन में कई परंपराओं को शुरू किया, जिन पर अब भी अमल हो रहा है। उन्होंने राष्ट्रपति भवन में महत्वपूर्ण त्योहारों को मनाने की परंपरा शुरू की। इनमें राष्ट्रपति भवन में रहने वाले स्टॉफ की भी भागेदारी रहती। राजवंशी देवी दिवाली, होली, रक्षाबंधन और ईद पर आगंतुकों और स्टाफ के साथ वक्त बितातीं। उनके साथ भोजन करतीं। डॉ. राजेंद्र प्रसाद तो कुछ देर के बाद वहां से निकल जाया करते थे, पर राजवंशी देवी वहीं रहती। राष्ट्रपति भवन में सभी उन्हें 'मां जी' कहते थे।

विवेक शुक्ला

पूर्व प्रधान सूचना अधिकारी, यूएई दूतावास

डॉ. राजेंद्र प्रसाद को देश के राष्ट्रपति के कार्यकाल (1950-1962) के दौरान रक्षाबंधन राष्ट्रपति भवन के मुलाजिमों की बेटियां राखी बांधती। बदले में, राजवंशी देवी सबको उपहार देती। राजवंशी देवी बेटियों और उनके अभिभावकों के साथ काफी देर तक बातचीत करतीं। उनका मार्गदर्शन करतीं। दरअसल डॉ. राजेंद्र प्रसाद के दौर में रक्षाबंधन राष्ट्रपति भवन में एक सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजन के रूप में स्थापित किया गया। राखी का आयोजन सादगीपूर्ण होता था, जिसमें गोल मार्केट या बंगाली मार्केट की पारंपरिक मिठाइयों का आदान-प्रदान होता था। राष्ट्रपति भवन में रक्षाबंधन का आयोजन अब एक स्थायी उत्सव बन चुका है। इसका यहां पर रहने वाली बेटियों को इंतजार रहता है।

पहला छठ का आयोजन 1956 केंद्र सरकार के कर्मियों की कॉलोनी सरोजनी नगर के निवासी श्रीकांत दुबे की पहल पर आयोजित हो रहा था। वे तब राजधानी के कुछ भोजपुरी समाज के सदस्यों के साथ राष्ट्रपति भवन में साइकिल पर सवार होकर पहुंचे। डॉ. राजेंद्र प्रसाद को छठ उत्सव में शामिल होने का निमंत्रण दिया। उस जमाने में आज की तरह की सुरक्षा व्यवस्था कहीं भी नहीं होती थी। हालांकि, विभिन्न कारणों से वे शामिल नहीं हो सके, लेकिन उनकी पत्नी राजवंशी देवी ने सरोजिनी नगर में आयोजित छठ महापर्व में शिरकत की। अगले कुछ वर्षों तक वे इस आयोजन में शामिल होती रहीं और सभी के साथ आत्मीयता से मिलती-जुलती। राजवंशी देवी कुछ समय अपने सरोजिनी नगर में रहने वाले रिश्तेदार विश्वेश्वर नारायण के फ्लैट पर भी आया करती थीं। राजवंशी देवी सरलता और सादगी की मिसाल थीं।

राजवंशी देवी राष्ट्रपति भवन के अंदर चलने वाले स्कूल में होने वाले कार्यक्रमों में भाग लेते हुए मेधावी बच्चों को पुरस्कृत भी करती थीं। अब इस स्कूल का नाम राजेंद्र प्रासद केंद्रीय विद्लाय है। हर वर्ष पहली फरवरी को राष्ट्रपति भवन दिवस मनाया जाता है। राजवंशी देवी इस दिन पर होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में राष्ट्रपति भवन के स्टॉफ और उनके परिवारजनों के साथ रहा करती थीं। डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने देश के पहले राष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करने के बाद पहली फरवरी, 1950 को राष्ट्रपति भवन में सपरिवार रहना शुरू कर दिया था। 26 जनवरी, 1950 से इसे राष्ट्रपति भवन कहा ही जाने लगा। इसी उपलक्ष्य में यहां हर वर्ष पहली फरवरी को राष्ट्रपति भवन दिवस मनाया जाता है। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम और राष्ट्रपति भवन के स्टॉफ और उनके परिवारजनों के बीच खेल-कूद प्रतियोगिताएं आयोजित होती हैं। इनके विजेताओं को राष्ट्रपति पुरस्कृत करते हैं। राजवंशी देवी ने कभी राष्ट्रपति भवन के स्टॉफ को यह महसूस नहीं होने दिया था कि वे देश के राष्ट्रपति की पत्नी हैं।

उत्तराखंड: जरूरी है नशे का हो समूल नाश

अमित शर्मा

हल्द्वानी

देवभूमि उत्तराखंड का नाम होंठों पर आते ही मनोहारी फलक के दर्शन हो जाते हैं। यहां गढ़वाल से लेकर कुमाऊं तक आस्था का सैलाब बहता है। नीला प्रदूषण रहित आसमान, खूबसूरत वादियां, टूरिस्ट डेस्टिनेशन और एडवेंचर हब, जहां प्रदेश में पर्यटन को और अधिक उभारने के भगीरथ प्रयास चल रहे हैं, तो कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाए रखने के पुख्ता इंतजाम हो रहे हैं। पुलिस और सरकार तो अपना काम बखूबी कर ही रही है, लेकिन दो अहम मुद्दों पर जनसहभागिता से अब निर्णायक चोट होनी चाहिए। ये हैं युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और आंतरिक सुरक्षा को निरंतर बढ़ता खतरा और ये दोनों ही खतरे राज्य को कहीं न कहीं खोखला और कमजोर कर रहे हैं।

नशेबाजी पर बात करें तो महज तीन साल के आधिकारिक आंकड़े ही बहुत चिंताजनक हैं। अगस्त 2025 तक स्वापक औषधि और मन प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस एक्ट) के करीब 3431 अभियोगों में करीब 4440 अभियुक्त गिरफ्तार हो चुके हैं। इस अवधि में दो अरब रुपये से ज्यादा कीमत का नशीला पदार्थ पुलिस बरामद कर चुकी है। इनमें नशे की 720278 गोलियां, 38919 इंजेक्शन और 718201 कैप्सूल, 681.09 किलो चरस, 649.79 किलो डोडा, 61.22 किलो अफीम, 0.39 ग्राम कोकीन, 58.98 किलो हेरोइन, 4954.34 किलो गांजा है। एमडीएमए और सिंथेटिक ड्रग्स का काला कारोबार तेजी पकड़ रहा है, तो खास मौकों पर ड्रग्स पार्टी अब युवाओं में कल्चर बनती जा रही है।

बुजुर्ग बताते हैं कि पहाड़ पर नशे के नाम पर शराब और खेतों में उगाई जाने वाली भांग से निकलने वाली चरस ही होती थी। उसे भी शौकिया तौर पर प्रयोग किया जाता था। नशे के जो नाम पहाड़ के लोगों ने सुने भी नहीं थे, आज वो पहाड़ के युवाओं को सहज उपलब्ध हो रहे हैं।

देवभूमि उत्तराखंड में पर्यटन को और अधिक उभारने के भगीरथ प्रयास चल रहे हैं। जरूरी है कि युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और आंतरिक सुरक्षा पर भी गंभीर काम हो। ये दोनों ही खतरे राज्य को कमजोर कर रहे हैं।

कुमाऊं का एक जिला, जो समृद्ध होली के लिए जाना जाता है, वहां कभी नशे का दुष्प्रभाव नहीं रहा। और तो और, रंग के दिन भी शराब का चलन यदा-कदा ही दिखाई देता था, लेकिन अब आलम यह है कि महानगरों में मिलने वाले नशीले पदार्थ तक उपलब्ध हो जाते हैं। समझदार और जागरूक युवा आज भी इनसे किनारा कर लेते हैं, लेकिन जाल ऐसा है, जिसका दायरा बढ़ता जा रहा है।

राजधानी देहरादून में ड्रग्स फ्री कैंपस अभियान सरकार की सराहनीय पहल है, लेकिन ये केवल राजधानी तक सीमित न रहकर पूरे प्रदेश में व्यापक स्तर पर चलनी चाहिए। युवाओं में कानून का भय होने के साथ-साथ खुद को नशे से दूर रखने की इच्छा शक्ति भी जागृत करनी होगी। यह अभियान कैंपस से निकलकर सार्वजनिक तौर पर चलना चाहिए और समाज को इसमें आगे बढ़कर सहयोग देना होगा, क्योंकि अगर एक युवा भी नशे की गिरफ्त में आता है तो यह पूरे देश का नुकसान है। आम जनता पुलिस को ड्रग्स पैडलरों की सूचना देकर सहयोग कर सकती है।

दरअसल, ड्रग फ्री कैंपस अभियान की भी पूरे प्रदेश में इसलिए आवश्यकता है कि कैंपस में छात्र-छात्राएं अभिभावकों से दूर रहते हैं और ऐसे में यह जरूरी है कि किसी गलत राह को वे न चुनें। इसके लिए समय-समय पर उन्हें मार्गदर्शन दिया जाए। दरअसल, उत्तराखंड सरकार के ड्रग्स फ्री देवभूमि-2025 के विजन को साकार करने के लिए यह ड्रग्स फ्री कैंपस अभियान राजधानी देहरादून में शुरू किया गया है। अभियान के तहत पुलिस द्वारा जनपद में स्थित सभी शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत सभी छात्र-छात्राओं से उनका ड्रग्स टेस्ट कराए जाने के लिए कंसर्ट फार्म/शपथ पत्र भरवाए जा रहे हैं।

पुलिस-प्रशासन और डॉक्टरों की संयुक्त टीम द्वारा निजी शिक्षण संस्थानों में औचक निरीक्षण किया जा रहा है। छात्र-छात्राओं के ड्रग्स टेस्ट किट के माध्यम से रेंडमली यूरीन टेस्ट कर देखा जा रहा है कि वे किसी तरह के नशे का शिकार तो नहीं हो रहे हैं। बीती एक दिसंबर को ही संयुक्त टीम ने राजधानी के प्रेमनगर तथा क्लेमेंटाउन क्षेत्र में औचक निरीक्षण कर 200 छात्र-छात्राओं के ड्रग्स टेस्ट किट के माध्यम से रेंडमली यूरीन टेस्ट किए। सुखद पक्ष यह रहा कि सभी छात्र-छात्राओं की रिपोर्ट नेगेटिव आई। अभियान में पुलिस विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 427 छात्र-छात्राओं का मेडिकल टेस्ट करा चुकी है।

दूसरा अहम मुद्दा आंतरिक सुरक्षा का है, जिसमें कहीं न कहीं प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से युवा भी भ्रमित हो रहे हैं। राज्य में देहरादून और हरिद्वार में बड़े स्तर पर सर्च और सत्यापन अभियान के सार्थक परिणाम सामने आ रहे हैं, लेकिन यह अभियान केवल दो जिलों तक ही सिमटकर रह गया है। आंतरिक सुरक्षा के लिहाज से देखा जाए तो कुमाऊं मंडल की स्थिति अजब-गजब है। देश में दिल्ली बम ब्लास्ट जैसी बड़ी घटना होने पर ही कुमाऊं में सत्यापन अभियान औपचारिकता के तौर पर कुछ दिन चलाकर फिर स्थिति पूर्ववत हो जाती है। इस समस्या से निपटने को भी समाज को ही आगे आना पड़ेगा और अपने बीच छिपे हुए संदिग्धों को पहचानना होगा।

युवाओं को भी लालच के वशीभूत होकर दूसरे के हाथों की कठपुतली बनने से बचना होगा। वहीं, अभिभावकों को भी अपने बच्चों की गतिविधियों पर गहन नजर रखते हुए उन्हें अच्छे और बुरे का आभास कराना होगा। देश तभी नशे के चंगुल से निकलने के साथ-साथ सुरक्षा के तौर पर मजबूत होगा, जब इसके लिए देश का हर नागरिक अपनी भूमिका अदा करेगा। वैसे भी देवभूमि उत्तराखंड को आस्था, साहित्य और संस्कृति का देश माना जाता है। ऐसे में पहाड़ की इन विशेषताओं और बेशकीमती मूल्यों को जीवित रखने का दारोमदार समाज के साथ-साथ यहां के युवाओं पर अधिक है, इसलिए उनकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

आमने

एक घायल पिल्ले को मैं अपनी कार में बैठाकर संसद तक ले आई और बाद में घर भिजवा दिया। इस चर्चा का क्या मतलब है? असली काटने वाले तो संसद में बैठे हैं। हम एक मूक जीव की मदद करते हैं, तो यह बड़ा मुद्दा बन जाता है।

–रेणुका चौधरी

कांग्रेस सासंद

सामने

रेणुका चौधरी ने अपने बयान से सांसदों और कर्मचारियों का अपमान किया है। कांग्रेस संसद में 'नाटक' करने के नए तरीके ढूंढ रही है और उन्हें इसके लिए माफी मांगनी चाहिए।

–शहजाद पूनावाला

प्रवक्ता

भारतीय जनता पार्टी

पीएम का मैकाले की शिक्षा से मुक्ति का संदेश

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ पत्रकार

"1835 से भारत में पैठ जमा चुकी उस पश्चिमी मानसिकता पर ताले लगाने के राष्ट्रीय संकल्प की जरूरत है, जो स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों को ध्वस्त करती हुई औपनिवेशिक शिक्षा को लागू करने की थॉमस मैकाले की परियोजना के माध्यम से लागू हुई थी। भारत की शैक्षिक और सांस्कृतिक नींव को खोखला करने के लिए मैकाले द्वारा किए गए अपराध को 2035 में 200 वर्ष पूरे हो जाएंगे। अतएव आने वाले दस सालों में गुलामी की इस औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त होने के राष्ट्रीय संकल्प की जरूरत है।" प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ये विचार रामनाथ गोयनका की स्मृति में दिए व्याख्यान में व्यक्त किए थे। फिरंगी हुकूमत के दौरान इंग्लिश एजूकेशन एक्ट-1835 के तहत भारत में संस्कृत, हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं की शिक्षा नष्ट कर अंग्रेजी शिक्षा की बुनियाद रखी गई थी। इस दासता को 190 वर्ष से हम ढोते चले आ रहे हैं। अतएव अब इससे मुक्ति का समय आ गया है।

मैकाले की एक किताब है, 'द लाइफ एंड लैटर्स ऑफ लार्ड मैकाले'। इस किताब में मैकाले ने भारत की अंग्रेजी शिक्षा पद्धति लागू करते हुए तीन भविष्यवाणियां की थीं, जो खरी उतरीं। उनकी पहली भाष्यवाणी थी कि मेरी इस नई शिक्षा प्रणाली के चलते डेढ़ सौ साल बाद भारतीय व्यक्ति अपने धर्म से विमुख हो जाएगा। उसके घर में अपने धर्म ग्रंथ होंगे, लेकिन वे उन्हें पढ़ेंगे नहीं। दूसरी भविष्यवाणी है, उसे अपनी भाषा बोलने में असुविधा होगी। वह शर्म महसूस करेगा। वह अपनी भाषा में बोल नहीं पाएगा। दूसरी भाषाओं के शब्द उधार लेने पड़ेंगे। तीसरी है, भारतवासी अपनी पारंपरिक वेशभूषा पहनना भूल जाएंगे। पुरुष अपनी वेशभूषा लगभग भूल गए हैं। महिलाएं जरूर अपनी परंपरा को बनाए हुए हैं। याद रहे जिस देश के वासी अपनी भाषा, धर्म और वेशभूषा भूल जाते हैं, उनकी संस्कृति भी धीरे-धीरे नष्ट हो जाती है, लेकिन हम हैं कि अपनी संस्कृति के पराभव से निश्चिंत हैं। अतएव प्रधानमंत्री के संकल्प में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है।

भारत में अंग्रेजों का शासन स्थापित होने के बाद एक समय तक अंग्रेजों की भाषा-नीति में बदलाव होता रहता था। सन् 1833 में मैकाले मिनिट्स के होते हुए ईस्ट इंडिया कंपनी ने अदालती तथा अन्य शासकीय कार्यों में अरबी-फारसी का मिश्रित रूप अपनाया था। हिंदू राजाओं के साथ ईस्ट इंडिया कंपनी अपने पत्र-व्यवहार में स्थानीय बोलियों के शब्दों का भी प्रयोग करती थी, किंतु 1835 में इंग्लिश एजूकेशन एक्ट लागू होने के बाद से स्थितियां बदलती चली गईं। 1880 में कलकत्ता में फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना हुई। उस समय अंग्रेजी शासन की राजधानी कोलकाता थी। जॉन गिलक्राइस्ट उस कॉलेज के भाषा विभाग के अध्यक्ष थे। उन्होंने खड़ी बोली के प्रयोग को प्रोत्साहित किया और कंपनी सरकार की भाषा नीति तय करने में आवश्यक सुझाव दिए। वह हिंदी को हिंदुई तथा हिंदुस्तानी कहते थे और उसके लिए रोमन लिपि को आवश्यक मानते थे, किंतु न तो हिंदी का नाम बदल सके और न ही लिपि।

गिलक्राइस्ट के बाद ही, मैकाले की भाषा-नीति मानी गई और उच्च शिक्षा से संस्कृत एवं हिंदी का माध्यम समाप्त कर दिया गया। वैदिक संस्कृत, गणित एवं समाज विज्ञान की शिक्षाओं को धार्मिक शिक्षा की श्रेणी में रखकर नकार दिया गया। उन्नीसवीं शताब्दी के चौथे दशक में सरकारी कामकाज में उर्दू को वरीयता दी गई और हिंदी को उपेक्षित कर दिया गया। उस युग में बनारस हिंदी का केंद्र था और बनारस की दो बड़ी हस्तियां हिंदी में लिख रहीं थीं। एक थे राजा शिवप्रसाद और दूसरे भारतेंदु हरिशचंद्र। राजा शिवप्रसाद अंग्रेजी सरकार की सेवा में थे और अंग्रेजों की भाषा नीति का समर्थन करते हुए उन्होंने उर्दू का पक्ष लेते हुए हिंदी की निंदा की। उनकी वफादारी देखकर सरकार ने उन्हें 'सितारे हिंद' की उपाधि दी।

हरिश्चंद्र ने सरकार की भाषा-नीति का विरोध किया और जगह-जगह जाकर हिंदी के समर्थन में सभाएं कीं। जनता ने हरिश्चंद्र को 'भारतेंदु' की उपाधि से विभूषित किया। भारतेंदु की लोकप्रियता के सामने 'सितारे हिंद' अस्त-पस्त हो गए। जॉन गिलक्राइस्ट जैसे अनेक अंग्रेज हिंदी के समर्थक थे। ऐसे अंग्रेजों में हेनरी पिनकोट ने भारतेंदु के समर्थन में हिंदी के पक्ष में बहुत काम किया। राजा शिवप्रसाद की तरह राजा लक्ष्मण सिंह (1826-96) भी सरकारी नौकर थे, किंतु उन्होंने हिंदी का समर्थन किया और उसी में लिखा भी।

पूरा शिक्षाजन्य ढांचा, आज्ञापालन को प्रोत्साहित व पुरस्कृत करता है। स्वातंत्र्य-चेता विद्यार्थी की नूतन पहल, जिज्ञासा और प्रश्नाकूलता को फटकारा जाता है। विचार नियंत्रण की यह क्रूरता नव-सर्जक की भ्रूण-हत्या कर देती है। यही कारण है कि हम आजादी के बाद न तो नचिकेता, अष्टावक्र और विवेकानंद पैदा कर पाए और न ही सीवी रमन, जगदीश चंद्र बसु और रामानुजन? दरअसल औपनिवैशिक शिक्षा पद्धति और अंग्रेजी की अनिवार्यता के चलते हमारे शिक्षा संस्थान महज डिग्रीधारी नकलचियों की फौज खड़ी करने में लगे हैं। वे रोबोट और क्लोन बनाने की दक्षता को ही श्रेष्ठता का पर्याय मानकर चल रहे हैं, क्योंकि रोबोट विरोध नहीं करते और क्लोन से विकसित प्राणी प्रकृति प्रदत्त विलक्षणता खो देते हैं, अतएव उनकी मौलिक सृजनशीलता बचपन में ही कुंठित हो जाती है।

पीएम मोदी ने कहा है, मैकाले द्वारा किए गए अपराध को 2035 में 200 वर्ष पूरे हो जाएंगे। दस सालों में गुलामी की इस औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त होने के राष्ट्रीय संकल्प की जरूरत है।

सोशल फोरम

हंसी उड़ाने के लिए गढ़ा गया लॉर्ड बॉबी नाम

बॉबी अब भले 'लॉर्ड बॉबी' कहलाते हैं, लेकिन कम लोगों को ही पता होगा कि ये निकनेम दरअसल बॉबी देओल की हंसी उड़ाने के लिए गढ़ा गया, लेकिन फ़िल्म 'एनिमल' में जो उन्होंने कर दिखाया है, उसके बाद अब यही नाम उनकी तारीफ़ बन चुका है। बॉबी दओल पहले पहल बड़े परदे पर दिखे थे साल 1977 में मनमोहन देसाई निर्देशित फ़िल्म 'धरमवीर' में। बाल कलाकार के तौर पर अभिनय बॉबी ने यूं ही हंसी-खेल में कर लिया था, लेकिन जब हीरो बनने का नंबर आया तो उनकी तगड़ी ट्रेनिंग चली। पहली फ़िल्म की रिलीज से पहले ही तमाम उठापटक हुईं।

पंकज शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

कभी लगा कि ये फ़िल्म बनेगी, तो कभी लगा कि वो फ़िल्म बनेगी, लेकिन बतौर हीरो जो पहली फ़िल्म बॉबी की रिलीज हुई वह रही 'बरसात'। फ़िल्म 'बरसात' की रिलीज की तमाम तारीखें आपको इंटरनेट पर पढ़ने को मिलेंगी, लेकिन इसका प्रीमियर हुआ था पांच अक्टूबर 1995 को और ये फ़िल्म रिलीज हुई अगले दिन यानी छह अक्टूबर 1995 को।

बॉबी देओल को सिनेमा में आए 30 साल पूरे हो गए। इन 30 साल में बॉबी देओल से कई बार मुलाकातें हुईं, लंबी लंबी बातें हुईं और हर बार बात यही सामने आई कि बॉबी देओल के भीतर अब भी बहुत कुछ ऐसा बतौर अभिनेता है, जो बाहर आना बाकी है। वह कहते भी हैं कि जब तक जीवन के एंड क्रेडिट्स रोल हों, तब तक वह अभी बहुत कुछ करना चाहते हैं। बॉबी देओल को मैं तब 'एंग्री यंग ब्वॉय' कहकर बुलाया करता था, बाद में ये उनका निकनेम भी लंबे अरसे तक बना रहा। 1995 में रिलीज हुई फ़िल्म 'बरसात' ही हमारे आज के बाइस्कोप की फ़िल्म है।

एक ख़ास मुलाक़ात में बॉबी देओल मुझे बताते हैं, "फ़िल्म 'बरसात' के लिए मैंने पहला शॉट तब दिया था जब इसे शेखर कपूर निर्देशित कर रहे थे। मुझे एक विशालकाय सेट की सीढ़ियों से मुस्कुराते हुए नीचे उतरना था। ये बतौर हीरो मेरा पहला शॉट था। बाद में शेखर कपूर को 'बैंडिट क्वीन' निर्देशित करने का मौका मिल गया, तो उन्होंने 'बरसात' छोड़ दी और राजकुमार संतोषी ने ये फ़िल्म निर्देशित की। रिलीज़ हुई फ़िल्म में जो मेरा पहला शॉट है, वह शूटिंग के आखिरी दिन फिल्माया गया है।"

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

'सांझ की बेला' में छूटता अपने ही बच्चों का साथ

हाल ही में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में वृद्धाश्रम में रह रहीं शोभा देवी के निधन के बाद जब बेटे को सूचना दी गई, तो उसने मां का शव लेने से साफ इनकार कर दिया। बेटे ने कहा कि घर में शादी है। शव आने से अपशगुन होगा। फ्रीजर में रखवा दीजिए, बाद में देख लेंगे। घंटों तक मां का पार्थिव शरीर वृद्धाश्रम में ही पड़ा रहा। अंततः प्रशासन ने हस्तक्षेप कर अंतिम संस्कार करवाया। इस घटना ने मां के जीवन भर के त्याग, ममता, समर्पण और प्रेम का मानो सार्वजनिक अपमान कर दिया। यह प्रसंग केवल एक परिवार की असफलता नहीं, बल्कि सभ्यता की आत्मा पर लगा सबसे बड़ा प्रश्नचिन्ह है।

यह घटना दिखाती है कि कैसे आज की भागदौड़ और दिखावे की जिंदगी में बुजुर्गों को बोझ समझने की मानसिकता बढ़ रही है, जो हमारे संस्कारों और संवेदनाओं के लिए बड़ा खतरा है। यह घटना केवल एक समाचार नहीं थी, बल्कि हमारी आत्मा को कंपाने वाला सच था। एक मां जिसने जीवन भर अपने बच्चे के लिए हर दर्द सहा, हर कठिनाई झेली, हर सपने को अपने खून-पसीने से सींचा, उसे उसके ही बेटे ने अंतिम समय में ठुकरा दिया। भारतीय समाज में माता-पिता को देवता समान माना जाता है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि मातृदेवो भव, पितृदेवो भव। पर आधुनिक समय में यह पवित्र वाक्य केवल किताबों में रह गया है।

डॉ. नीलू तिवारी

शिक्षिका

व्यवहार में उन माता-पिता के लिए समय निकाल पाना कठिन होता जा रहा है, जिन्होंने बच्चों की हर मुश्किल में उनके लिए जीवन समर्पित किया। यह घटना उसी विसंगति का चरम रूप है, जब एक मां की अर्थी भी बेटे के लिए बोझ बन गई। शादी है, माहौल खराब हो जाएगा, मेहमान क्या कहेंगे? लेकिन कोई यह नहीं पूछता कि एक मां का दिल कितनी बार टूटा होगा, जब उसका बेटा यह निर्णय ले रहा था। मां तो जीवन में कभी भी अपने बच्चों को दोष नहीं देती। अपने अंत समय में भी शायद उसने बेटे को माफ कर दिया होगा, लेकिन सवाल यह है कि क्या समाज यह गलती कभी माफ करेगा?

इस घटना को समझने से पहले हमें उस मां की कल्पना करनी चाहिए, जो जीवन भर अपने बच्चों के लिए जीती रही होगी। वह मां जिसने अपनी थाली से निवाला निकालकर बेटे के सामने रखा होगा, अपने सपनों की कीमत पर बेटे के सपनों को संवारा होगा। वह मां, जिसने शायद अनगिनत बार अपने बच्चे की छोटी-छोटी खुशियों में जीवन की सारी परेशानियां भुला दी होंगी। यह वही मां है, जिसे अंतिम समय में अपने घर की नहीं, अपने बेटे की नहीं, अपने समाज की नहीं, बल्कि शगुन-अपशगुन की कठोर परंपरा की कोठरी में बंद कर दिया गया। क्या इससे बड़ा कोई क्रूर मजाक हो सकता है कि जिसने बेटे को जीवन दिया, वही अपने अंतिम सम्मान के लिए पराया हो जाए?

देश में 2023 के अनुसार, लगभग 14 करोड़ बुजुर्ग हैं और 2050 तक यह संख्या 30 करोड़ तक पहुंचने की संभावना है। रिपोर्ट बताती हैं कि इस बढ़ती बुजुर्ग जनसंख्या के साथ-साथ उनके प्रति उपेक्षा की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अध्ययन के अनुसार, भारत में बुजुर्गों के खिलाफ मानसिक उत्पीड़न के मामले लगभग 11 प्रतिशत और भावनात्मक उपेक्षा के मामले 20 फीसदी से भी अधिक पाए गए। इसका अर्थ है कि हर पांच में से एक बुजुर्ग किसी न किसी रूप में अपमान, असम्मान या भावनात्मक अकेलेपन से गुजर रहा है। ऐसे में यह समझना कठिन नहीं कि एक पुत्र उस मां का ऋण तक महसूस न कर पाया, जिसने उसे हथेली पर उठा-उठाकर बड़ा किया हो। यह घटना उन आंकड़ों को मानवीय चेहरा देती है, जिनमें छिपी पीड़ा को अक्सर समाज नजरअंदाज करता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***

0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

साइबर सिक्योरिटी

पासवर्ड ही नहीं करियर भी बनाएं स्ट्रांग

यह बात कहने में कोई भी गुरेज नहीं होना चाहिए कि डिजिटल दुनिया तेजी से बढ़ रही है और इसके साथ साइबर हमलों की संख्या भी। आज हर छोटे-बड़े व्यवसाय, सरकारी संस्थान, बैंक, अस्पताल और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को अपनी ऑनलाइन डेटा सुरक्षा की चिंता रहती है। यही वजह है कि साइबर सुरक्षा एक्सपर्ट की जरूरत लगभग हर सेक्टर में महसूस की जा रही है। साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में काम करने वाले विशेषज्ञ न केवल नेटवर्क, डेटा और सिस्टम को सुरक्षित रखते हैं, बल्कि भविष्य में होने वाले संभावित साइबर हमलों की पहचान भी करते हैं। यह क्षेत्र लगातार विकसित हो रहा है, इसलिए इसमें सीखने और आगे बढ़ने की संभावनाएं भी अनंत हैं। ऐसे में साइबर सुरक्षा का मुद्दा प्राथमिकता में बढ़ता ही जा रहा है, जिसके कारण कुशल साइबर सुरक्षा एक्सपर्ट पेशेवरों की मांग बढ़ती जा रही है। अमेरिकी श्रम सांख्यिकी ब्यूरो की माने तो साइबर सुरक्षा नौकरियों में वर्ष 2029 तक 31 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है। यदि आपकी आईटी, कंप्यूटर विज्ञान या साइबर अपराध में रुचि है, तो साइबर सुरक्षा आपके लिए एक बेहतर करियर विकल्प हो सकता है।

ज्ञानेंद्र कुमार दीक्षित
असिस्टेंट प्रोफेसर, बीबीडी यूनिवर्सिटी, लखनऊ

क्या है साइबर सिक्योरिटी

इंटरनेट की दुनिया में हमारे डेटा और डिजिटल गतिविधियों को सुरक्षित रखने में साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट सबसे अहम भूमिका निभाते हैं। सरल शब्दों में कहें तो साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ का काम हर ऑनलाइन गतिविधि को सुरक्षित बनाना, साइबर अपराधों की रोकथाम करना और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जांच करना होता है। यानी इंटरनेट पर किसी भी यूजर को हैकिंग, धोखाधड़ी या डेटा चोरी जैसे साइबर अपराधों से बचाने के लिए साइबर सिक्योरिटी का इस्तेमाल किया जाता है। तेजी से बढ़ती डिजिटल लाइफस्टाइल के कारण इस क्षेत्र में कुशल प्रोफेशनलों की मांग लगातार बढ़ रही है। आज इंटरनेट, स्मार्टफोन और डिजिटल उपकरणों का उपयोग जितनी तेजी से बढ़ रहा है, उतनी ही तेजी से साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की आवश्यकता भी बढ़ रही है। अनुमान है कि आने वाले 5 वर्षों में भारत को 5 लाख से अधिक साइबर सिक्योरिटी प्रोफेशनल्स की जरूरत पड़ेगी। नैसकॉम की रिपोर्ट भी बताती है कि आईटी कंपनियां अब हर दस तकनीकी नियुक्तियों में से एक को साइबर सिक्योरिटी से जुड़े रोल में रख रही हैं। इसी वजह से यह सेक्टर युवाओं के लिए न केवल हाई पैकेज देने वाला, बल्कि लंबे समय तक स्थिर रहने वाला करियर विकल्प बन चुका है। साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट नेटवर्क और सिस्टम के लिए मजबूत सुरक्षा ढांचा तैयार करते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि किसी अनधिकृत व्यक्ति को नेटवर्क तक पहुंच न मिले। हमारे डिवाइस, डेटा और कम्युनिकेशन की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उन्हीं पर होती है।

योग्यता

- अंडरग्रेजुएट (UG) साइबर सिक्योरिटी कोर्सेज
- किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 उत्तीर्ण होना अनिवार्य।
- 10+2 में फिजिक्स, केमिस्ट्री और गणित अनिवार्य विषय होने चाहिए।
- कम से कम 50 प्रतिशत अंक आवश्यक।
- B.Tech साइबर सिक्योरिटी में प्रवेश के लिए निम्न एंट्रेंस एग्ज़ाम स्वीकार किए जाते हैं:
- JEE Main
- JEE Advanced
- BITSAT
- AP EAMCET

उभरता हुआ करियर हॉटस्पॉट

साइबर सिक्योरिटी केवल तकनीक का विषय भर नहीं रह गया है, बल्कि यह तेजी से उभरता हुआ करियर हॉटस्पॉट बन चुका है। देश की कई यूनिवर्सिटीज, प्रशिक्षण संस्थान और ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म अब साइबर सिक्योरिटी, एथिकल हैकिंग और डिजिटल फॉरेंसिक जैसे आधुनिक कोर्स उपलब्ध करा रहे हैं, ताकि युवा इस क्षेत्र की बढ़ती मांग को पूरा कर सकें। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाली एजेंसी इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (CERT-In) के अनुसार भारत वैश्विक स्तर पर साइबर सुरक्षा के एक मजबूत केंद्र के रूप में उभर रहा है। CERT-In की रिपोर्ट बताती है कि देश में इस क्षेत्र से जुड़े 400 से अधिक स्टार्टअप सक्रिय रूप से नई तकनीक और समाधान विकसित कर रहे हैं। इसके साथ ही भारत में साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की संख्या 6.5 लाख से अधिक हो चुकी है, जो इस बात का संकेत है कि यह उद्योग न केवल तेजी से बढ़ रहा है, बल्कि रोजगार के बड़े अवसर भी पैदा कर रहा है।

पोस्ट ग्रेजुएट साइबर सिक्योरिटी कोर्सेज

- उम्मीदवार के पास B.Tech / BE / BSc या संबंधित क्षेत्र में बैचलर्स डिग्री होनी चाहिए।
- बैचलर्स में न्यूनतम 50% अंक आवश्यक।
- कुछ टॉप कॉलेज PG प्रवेश मेरिट लिस्ट के आधार पर देते हैं।
- कई संस्थान निम्न परीक्षाओं के स्कोर पर जोर देते हैं:
- GATE
- UPSEE
- TANCET

साइबर सिक्योरिटी कोर्सेज के लिए भारतीय यूनिवर्सिटीज

- एमिटी यूनिवर्सिटी, जयपुर
- पीएसजी टेक कोयंबटूर
- हिट्स चेन्नई
- एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नई
- निमास कोलकाता
- कालीकट विश्वविद्यालय
- NIELIT दिल्ली
- स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय, कोलकाता
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)

जॉब अलर्ट

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI)

- पद का नाम: स्पेशलिस्ट कैडर ऑफिसर्स (VP वेल्थ SRM, AVP वेल्थ RM, कस्टमर रिलेशनशिप एग्जीक्यूटिव)
- पदों की संख्या: 996
- योग्यता: ग्रेजुएशन
- आयु सीमा: 26-35 साल, पदों के अनुसार
- आवेदन अंतिम तिथि 23-12-2025
- वेबसाइट: sbi.bank.in

द परभणी डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड

- पद का नाम: क्लर्क स्टेनोग्राफर और अन्य पद
- पद की संख्या: 152
- योग्यता: ग्रेजुएट अन्य योग्यता
- आयु: 21 से 38 साल
- आवेदन की अंतिम तिथि: 10/12/2025
- वेबसाइट www.parbhanidccbank.com

सेंटर फॉर पर्सनल टैलेंट मैनेजमेंट

- पद का नाम: सीनियर टेक्निकल असिस्टेंट-B (STA-B) और टेक्नीशियन-A (Tech-A)
- पदों की संख्या: 764
- योग्यता: DRDO वेबसाइट पर डिटेल्ड एडवर्टाइजमेंट में दी जाएगी
- आयु सीमा: 18-28 साल
- वेबसाइट: https://www.drdo.gov.in

सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन

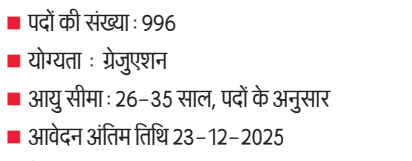

- पद का नाम: (असिस्टेंट सेक्रेटरी, असिस्टेंट प्रोफेसर और असिस्टेंट डायरेक्टर, अकाउंट्स ऑफिसर, सुपरिंटेंडेंट, जूनियर ट्रांसलेशन ऑफिसर, जूनियर अकाउंटेंट, जूनियर असिस्टेंट)
- पदों की संख्या 124
- योग्यता: पदों के हिसाब से अलग-अलग होती है (संबंधित सब्जेक्ट में बैचलर/मास्टर डिग्री)
- आयु: 18 से 35 साल
- आवेदन की अंतिम तिथि: 22-12-2025
- वेबसाइट: https://www.cbse.gov.in

कैंपस में पहला दिन

पहले दिन भाषा ने उलझाया

बात वर्ष 2004 की है। पापा चाहते थे कि मैं मर्चेंट नेवी में नौकरी करूं, इसलिए उन्होंने मेरा दाखिला बीएससी नॉटिकल साइंस में चेन्नई की इंटरनेशनल मेरीटाइम एकेडमी में करा दिया। चेन्नई की इंटरनेशनल मेरीटाइम एकेडमी में बीएससी नॉटिकल साइंस में एडमिशन कराने के पीछे पापा का उद्देश्य यह था कि मैं मर्चेंट नेवी में नौकरी करने के लिए जाऊं। रविवार के दिन पापा के साथ अपने घर पिलखुआ से दिल्ली के लिए निकले। फिर यहां से ट्रेन पकड़ी और रात भर चलने के बाद अगले दिन सुबह चेन्नई पहुंच गए। यहां रेलवे स्टेशन से मेरी एकेडमी 35 किलोमीटर दूर थी, स्टेशन से हमने बस पकड़ी। उस बस का नंबर M-54 था। उस बस ने मुझे और मेरे पापा को लगभग एक घंटे में एकेडमी पहुंचा दिया। रास्ते में मैंने बस के अंदर एक दो यात्रियों से बात करने की कोशिश की, लेकिन, वे सब तमिल भाषा में बात कर रहे थे। मुझे हिंदी या फिर अंग्रेजी भाषा आती थी, वो न मेरी बात समझ पा रहे थे, न हम उनकी बात समझ रहे थे। खैर, मैंने अंग्रेजी में जब उनसे एकेडमी के बारे में पूछा तो उन्होंने मुझे उसकी कुछ जानकारी दी थी। प्रवेश के पहले दिन एकेडमी में पहुंचा, तब वहां ज्यादातर लोग तमिल भाषा में बात कर रहे थे, मुझे अंग्रेजी या हिंदी आती थी। किसी तरह एकेडमी के गेट पर गार्ड को अपना परिचय देकर अंदर गया। पापा साथ में थे। एकेडमी के मुख्य गेट से मिलकर दाखिले की प्रक्रियाएं पूरी कीं, दोपहर में 2 बजे हमने तमिल की कड़ी पत्ते वाली दाल-रोटी और चावल-सब्जी का स्वाद लिया। इसके बाद पापा चले आए। फिर मैंने एकेडमी घूमी और शाम 6 बजे तक एकेडमी में रहा। इसके बाद मैंने अपने हेड से चेन्नई के मरीना ब्रिज घूमने की अनुमति मांगी, घूमकर फिर एकेडमी आ गया। एडकेमी का पहला दिन मेरे जीवन का सबसे यादगार रहा। पहले दिन एकेडमी में भाषा ने मुझे खूब उलझाया।

-दक्ष शर्मा पाराशर
सदस्य, हिंदी भाषा समिति, (आयुष मंत्रालय) बरेली।

नोटिस बोर्ड

- राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), अलीगंज, लखनऊ में छह दिसंबर को मेगा रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में 10 वीं से लेकर परास्नातक तक की योग्यता रखने वाले 18 से 40 वर्ष तक के युवाओं को मौके मिलेंगे। इस मेले में 1500 से अधिक पदों पर भर्ती की प्रक्रिया होगी। मेले में टाटा मोटर्स, ऑटोमोबाइल कंपनियां, डिजिटल पब्लिक, इंडो ऑटो, जय भारत और सोलर सेक्टर से जुड़ी कुल 29 प्रमुख कंपनियां शामिल होंगी। इनमें टेक्नीशियन, डिजिटल मार्केटिंग, एचआर और ट्रेनिंग सहित विभिन्न प्रोफाइल पर भर्ती होगी।
- डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के अंतर्गत संचालित वोकेशनल पाठ्यक्रमों की सेमेस्टर परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इनमें बीबीए रीटेल मैनेजमेंट, इवेंट मैनेजमेंट और लॉजिस्टिक्स की परिक्षाएं होगी। ये परीक्षाएं 9 दिसंबर से शुरू होंगी। परीक्षाओं का समय सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक रखा गया है। बीबीए लॉजिस्टिक्स में प्रथम और तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं होंगी, जबकि अन्य में प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं कराई जाएंगी।

घर और परिवार के बीच भी है करियर अपॉर्चुनिटी

अक्सर महिलाएं घर और परिवार की जिम्मेदारियों में इतना व्यस्त हो जाती हैं कि अपने करियर और व्यक्तिगत लक्ष्यों को पीछे छोड़ देती हैं। नियमित नौकरी हर किसी के लिए संभव नहीं होती और इसी वजह से कई बार निराशा महसूस होती है, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि अवसर खत्म हो गए हैं। बदलते समय के साथ होममेकर्स के लिए भी कई नए और रोमांचक करियर विकल्प मौजूद हैं। घर बैठे किए जा सकने वाले ये विकल्प न सिर्फ आपको आय का स्थिर स्रोत देंगे, बल्कि आपकी आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास को भी बढ़ाएंगे।

–फीचर डेस्क

- **कुकिंग करियर-** यदि आपको खाना बनाना पसंद है, तो इसे करियर में बदला जा सकता है। होम-बेस्ड फूड डिलीवरी सर्विस शुरू करना, यूट्यूब पर कुकिंग चैनल चलाना या ऑनलाइन कुकिंग क्लास लेना बेहतरीन विकल्प हैं। घर के किचन से ही यह करियर अच्छी कमाई का साधन बन सकता है।
- **फ्रीलांसिंग राइटिंग-** आज डिजिटल दुनिया में कंटेंट की मांग बहुत अधिक है। महिलाएं फ्रीलांस कंटेंट राइटर, ब्लॉगर या कॉपीराइटर के रूप में काम कर सकती हैं। इसके लिए केवल लैपटॉप और इंटरनेट की आवश्यकता होती है। फ्रीलांसिंग प्लेटफॉर्म्स पर हजारों मौके उपलब्ध रहते हैं।
- **हॉबी क्लासेज-** यदि आपके पास कोई खास कला या शौक है, जैसे पेंटिंग, म्यूजिक, डांस या हैंडीक्राफ्ट, तो इसे बच्चों और युवाओं को सिखाकर कमाई की जा सकती है। इससे आपका टैलेंट भी निखरेगा और दूसरों को सीखने का मौका मिलेगा।
- **मेकअप और ब्यूटी-** ब्यूटी और मेकअप में रुचि रखने वाली महिलाएं घर पर ही सैलून सर्विस शुरू कर सकती हैं या फ्रीलांस मेकअप आर्टिस्ट बन सकती हैं। शादी और पार्टियों के सीजन में इसका काम विशेष रूप से फलदायी हो सकता है।

- **क्राफ्ट आइटम सेलिंग-** यदि आप हैंडीक्राफ्ट या आर्टवर्क बनाने का शौक रखती हैं, तो इसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स जैसे Etsy, Amazon या सोशल मीडिया के जरिए बेच सकती हैं। इससे न केवल आय होगी, बल्कि आपके हुनर की भी पहचान बनेगी।

ट्यूशन

घर से बच्चों को पढ़ाना हमेशा से महिलाओं के लिए एक लोकप्रिय विकल्प रहा है। आजकल ऑनलाइन ट्यूशन प्लेटफॉर्म्स भी तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। आप अपनी विषय-वस्तु की समझ के अनुसार बच्चों को पढ़ाकर अच्छी कमाई कर सकती हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	85,106.81	25,986
गिरावट	31.46	46.20
प्रतिशत में	0.04	0.18

सोना 1,32,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,80,900 प्रति किलो

अमृत विचार
कानपुर, गुरुवार, 4 दिसंबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

कोरोना रेमेडीज का आईपीओ आठ को

नई दिल्ली। दवा कंपनी कोरोना रेमेडीज ने अपने आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 1,008-1,062 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। इससे कंपनी का मूल्यांकन 6,500 करोड़ रुपये आंका गया है। निजी इक्विटी कंपनी क्रिसकैपिटल द्वारा समर्थित कंपनी ने बुधवार को कहा कि 655.37 करोड़का आईपीओ बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है। आईपीओ आठ दिसंबर को अभिदान के लिए खुलेगा एवं 10 दिसंबर को संपन्न होगा। बड़े (एंकर) निवेशक पांच दिसंबर को बोली लगा पाएंगे। कोरोना रेमेडीज 15 दिसंबर को बाजार में कदम रखेगी।

नेफ्रोप्लस आईपीओ से जुटाएगा 353 करोड़

नई दिल्ली। डायलिसिस सेवा प्रदाता कंपनी नेफ्रोकेयर हेल्थ सर्विसेज लिमिटेड अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी में है। कंपनी का आईपीओ 10 दिसंबर को खुलकर 12 दिसंबर को बंद होगा। कंपनी आईपीओ के तहत 353 करोड़ रुपये से कुछ अधिक मूल्य के नये शेयर जारी करेगी। नेफ्रोकेयर हेल्थ सर्विसेज लिमिटेड अपने ब्रांड नेफ्रोप्लस के लिए जाने जाती है। आईपीओ दस्तावेजों (आरएचपी) के अनुसार, एंकर निवेशक नौ दिसंबर को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे।

आईजीएक्स धन जुटाने को लाएगा आईपीओ

नई दिल्ली। इंडियन एनर्जी एक्सचेंज ने कहा कि इंडियन गैस एक्सचेंज (आईजीएक्स) के निदेशक मंडल ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए सार्वजनिक होने का फैसला किया है। इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) ने हालांकि निर्गम के आकार, उसको लाने के समय आदि संबंधी कोई विवरण नहीं दिया। शेयर बाजार को बुधवार को दी सूचना के अनुसार, आईईएक्स की अनुषंगी कंपनी आईजीएक्स लिमिटेड के निदेशक मंडल ने दो दिसंबर 2025 को आयोजित अपनी बैठक में आईजीएक्स लिमिटेड के 10 रुपये अंकित मूल्य के शेयर की आईपीओ की प्रक्रिया शुरू करने को मंजूरी दे दी है।

श्रम संहिताएं अगले साल एक अप्रैल से होंगी लागू

अधिसूचित कानून के तहत जल्द नियमों का मसौदा होगा जारी

- **सीआईआई इंडियाएज 2025 में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने की टिप्पणी**

नई दिल्ली, एजेंसी

सुधारों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम श्रम संहिताएं अगले साल एक अप्रैल से पूरी तरह से लागू होने की उम्मीद है। मंत्रालय ने अधिसूचित कानून के तहत नियमों को लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

सरकार ने चार श्रम संहिताओं... वेतन संहिता, 2019, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कामकाज स्थिति संहिता, 2020 को 21 नवंबर को अधिसूचित किया। किसी कानून को लागू करने के लिए, सरकार को उसके तहत नियमों को अधिसूचित करना आवश्यक है। इससे पहले, केंद्र और राज्य सरकारों को जनता की प्रतिक्रिया के लिए नियमों के मसौदे को प्रकाशित करने से पहले सार्वजनिक करना आवश्यक है।

श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को सीआईआई इंडियाएज 2025 को संबोधित करते हुए कहा कि चार श्रम संहिताओं के तहत मसौदा नियम प्रकाशित किए जाने से पहले जल्द ही सार्वजनिक किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इससे पहले केंद्र सरकार और राज्यों ने नियमों के मसौदे को पहले ही सार्वजनिक कर दिया था, लेकिन वह काफी समय पहले की बात है। अब मसौदे को वर्तमान समय के अनुरूप बनाने की आवश्यकता है।

वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नियमों के मसौदे को प्रकाशित करने से पहले, सरकार अधिसूचना के लिए उन्हें अंतिम रूप देने से पहले जनता की टिप्पणियों को लेकर 45 दिन का समय देगी। अधिकारी ने यह भी बताया कि सरकार का मकसद नए वित्त वर्ष की शुरुआत यानी एक अप्रैल से इन चारों संहिताओं के क्रियान्वयन के लिए नियम लागू करने का है।

2026 तक 100 करोड़ श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान किए जाने का लक्ष्य : मांडविया

केंद्रीय श्रम मंत्री मांडविया ने मार्च, 2026 तक 100 करोड़ श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लक्ष्य को पूरा करने की सरकार की मंशा का भी जिक्र किया। यह अभी फिलहाल 94 करोड़ है। सामाजिक सुरक्षा दायरा 2015 के 19 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 64 प्रतिशत से अधिक हो गया है। चूंकि श्रम एक समवर्ती विषय है, इसलिए संबंधित सरकारों...केंद्र और राज्यों... को देश भर में इन्हें पूरी तरह से लागू करने के लिए चारों संहिताओं के तहत नियमों को अधिसूचित करना होगा। मंत्री ने श्रम संहिताओं के विभिन्न प्रावधानों का उल्लेख किया। इसमें अनिवार्य नियुक्ति पत्र, 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के श्रमिकों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच, समान कार्य समान वेतन और महिलाओं को विभिन्न पालियों में काम करने के समान अवसर शामिल हैं।

कार्य घंटे अब भी आठ घंटे प्रतिदिन

केंद्रीय श्रम मंत्री मांडविया ने सम्मेलन में एक सत्र के दौरान प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि नई संहिताओं के तहत एक कर्मचारी के लिए कार्य घंटे अभी भी आठ घंटे प्रतिदिन है। इस प्रमुख श्रम सुधार में 29 मौजूदा श्रम कानूनों को सुसंगत बनाते हुए उन्हें इसमें एकीकृत किया गया है। मांडविया ने कहा कि नई रूपरेखा कर्मचारी को 'ओवरटाइम' का विकल्प प्रदान करती है, जो एक अंतर्राष्ट्रीय चलन है।

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर नवंबर में बढ़ी : पीएमआई

नई दिल्ली, एजेंसी

- **सेवा सूचकांक अक्टूबर के 58.9 से बढ़कर नवंबर में 59.8 पर पहुंचा**

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर में नवंबर में तेजी दर्ज की गई। नए व्यवसाय में तेजी और कीमतों में नरमी इसकी मुख्य वजह रही। बुधवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक अक्टूबर के 58.9 से बढ़कर नवंबर में 59.8 पर पहुंच गया। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम का आशय संकुचन से होता है।

एचएसबीसी की भारत में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि देश का सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक अक्टूबर के 58.9 से बढ़कर नवंबर में 59.8 आ गया। यह बढ़ोतरी मजबूत नए से प्रेरित रही, जिसने उत्पादन वृद्धि को बढ़ावा दिया।

समग्र उत्पादन सूचकांक 59.7 पर पहुंचा

एचएसबीसी इंडिया समग्र उत्पादन सूचकांक अक्टूबर के 60.4 से नवंबर में 59.7 पर आ गया जो मई के बाद से सबसे धीमी वृद्धि दर को दर्शाता है। समग्र पीएमआई सूचकांक तुलनीय विनिर्माण व सेवा पीएमआई सूचकांकों का भारित औसत है। ये भार आधिकारिक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) आंकड़ों के अनुसार विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों के सापेक्ष आकार को दर्शाते हैं। भंडारी ने कहा कि प्रतिस्पर्धा एवं राज्य चुनाव से व्यवधानों की चिंताओं के बीच, नवंबर में आने वाले वर्ष के प्रति आशावाद कम हो गया। कंपनियों को अनुकूल मांग, सोशल मीडिया पर उपस्थिति, विपणन पहल और कीमतों में वृद्धि को न्यूनतम रखने की योजनाओं के दम पर अब भी उत्पादन वृद्धि की उम्मीद है।

भारत की दिवाला समाधान व्यवस्था ग्रुप बी में

नई दिल्ली, एजेंसी

- **वैश्विक एजेंसी एसएंडपी ने बढ़ाई रैंकिंग, समाधान ढांचे व आईबीसी कानून के प्रदर्शन पर किया निर्णय**

वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने बुधवार को भारत की दिवाला समाधान व्यवस्था के लिए अपनी रैंकिंग को बढ़ाकर 'ग्रुप-बी' कर दिया। यह संशोधन ऋणदाताओं के अनुकूल माने जा रहे दिवाला समाधान ढांचे और आईबीसी कानून के बेहतर प्रदर्शन के आधार पर किया गया है।

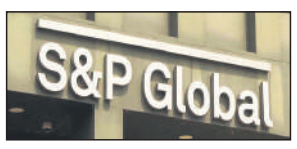

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा कि दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) से ऋण अनुशासन मजबूत हुआ है और समाधान प्रक्रिया का संतुलन स्पष्ट रूप से ऋणदाताओं के पक्ष में है। इस वजह से अब प्रवर्तकों के लिए अपने व्यवसाय पर नियंत्रण गंवाने का जोखिम बढ़ गया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि बदले हुए हालात में दिवाला समाधान की मूल्यांकन रैंकिंग को ग्रुप-सी से बढ़ाकर ग्रुप-बी कर दिया गया है। एसएंडपी ने कहा कि यह संशोधन इसलिए किया गया है क्योंकि हमने भारत के दिवाला समाधान ढांचे का आकलन बदला है। हमें लगता है कि यह ढांचा ऋणदाताओं के लिए पहले की तुलना में अधिक अनुकूल होकर 'कमजोर' से 'मध्यम' हो गया है।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि आईबीसी के तहत जारी सफल कर्ज समाधान, बेहतर समयसीमा और वसूली दर इसकी प्रमुख वजहें हैं। दिवाला समाधान के दौरान बकाया कर्ज का औसत वसूली मूल्य 15-20 प्रतिशत से बढ़कर अब 30 प्रतिशत से अधिक हो गया है।

समाधान में लगने वाला समय घटाकर किया गया दो साल

फंसे कर्जों के समाधान में लगने वाला औसत समय भी छह-आठ साल से घटकर लगभग दो साल रह गया है। हालांकि, एजेंसी ने कहा कि भारत की दिवाला समाधान व्यवस्था अब भी ग्रुप-ए और ग्रुप-बी के कुछ देशों से पीछे है। लगभग 30 प्रतिशत बकाया वसूली दर को दूसरे उन्नत देशों में कम माना जाता है। एसएंडपी ने यह भी कहा कि समाधान प्रक्रिया में लगभग दो साल का समय लगने के बावजूद अब भी दिवाला प्रक्रिया में अनिश्चितता बनी रहती है। कई मामलों में कानूनी चुनौतियों, आवेदन की प्रारंभिक प्रक्रिया और समाधान योजनाओं के क्रियान्वयन के कारण विलंब होता है।

रुपये की विनिमय दर में आगे भी आएगी गिरावट

- **ईएसी-पीएम के सदस्य नीलेश शाह बोले- 90 रुपये प्रति डॉलर अब नई सामान्य स्थिति**
- **कहा- दबाव की वजह मुद्रास्फीति का ऊंचा स्तर व व्यापार साझेदार देशों की तुलना में कम उत्पादकता**

मुंबई, एजेंसी

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के अंशकालिक सदस्य नीलेश शाह ने बुधवार को रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर गिरने के बीच कहा कि भविष्य में भी रुपये की विनिमय दर में गिरावट जारी रह सकता है और 90 रुपये के स्तर को अब 'नई सामान्य स्थिति' माना जाना चाहिए। कोटक महिंद्रा म्यूचुअल फंड के प्रबंध निदेशक शाह ने कहा कि रुपये पर दबाव की मुख्य वजह भारत में मुद्रास्फीति का ऊंचा स्तर और व्यापार साझेदार देशों की तुलना में कम उत्पादकता हैं।

उन्होंने कहा कि रुपये की किस्मत में विनिमय दर में गिरावट होना ही है क्योंकि हमारी मुद्रास्फीति कारोबारी साझेदारों से अधिक है जबकि उत्पादकता उनसे कम है। ऐसे में हर साल रुपये में दो-तीन प्रतिशत की गिरावट सामान्य मानी जानी चाहिए। विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच रुपया बुधवार को पहली बार 90 रुपये प्रति डॉलर के नीचे चला गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 25 पैसे टूटकर 90.21 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ जो इसका अब तक का सबसे निचला स्तर है। इस संदर्भ में शाह ने कहा कि निवेश प्रवाह और अन्य कारक अल्पावधि में रुपये को अस्थायी रूप से मजबूत या कमजोर कर सकते हैं लेकिन दीर्घावधि में रुपये के स्थायी रूप से मजबूत होने की गुंजाइश नहीं दिख रही है।

रुपये में गिरावट चिंता का विषय नहीं : सीईए नागेश्वरन

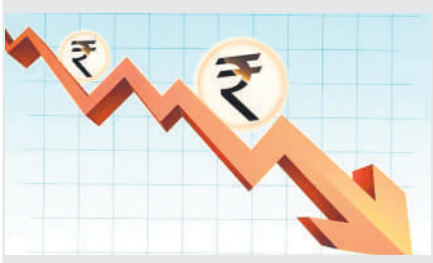

नई दिल्ली। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने बुधवार को कहा कि सरकार रुपये में गिरावट को लेकर चिंतित नहीं है जो डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर को पार कर गया है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के कार्यक्रम से इतर उन्होंने कहा कि रुपये में गिरावट का मुद्रास्फीति या निर्यात पर कोई असर नहीं पड़ रहा है। उन्होंने हालांकि अगले वर्ष रुपये में सुधार की उम्मीद जाहिर की। रुपया बुधवार को कारोबार के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.30 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया। विदेशी पूंजी की निकासी और बैंकों की ओर से डॉलर की सतत खरीद के बीच घरेलू मुद्रा दबाव में रही। इसके अलावा घरेलू शेयर बाजार में गिरावट तथा भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर असमंजस ने स्थानीय मुद्रा पर और दबाव डाला।

राष्ट्रीय

लोस में केंद्रीय उत्पाद शुल्क संशोधन विधेयक पारित

चर्चा और वित्त मंत्री के जवाब के बाद विधेयक को ध्वनिमत से दी गई मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा ने बुधवार को केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 को पारित हुआ, जिसमें तंबाकू उत्पादों पर जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर समाप्त होने के बाद समान कर बोझ रखने के लिए उत्पाद शुल्क लगाने का प्रावधान है। उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 में संशोधन वाले विधेयक को चर्चा व वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के जवाब के बाद ध्वनिमत से पारित किया गया।

वित्त मंत्री ने कहा कि तंबाकू और इसके उत्पादों पर उत्पाद शुल्क लगाने से जीएसटी क्षतिपूर्ति कर समाप्त करने के बाद भी कर का बोझ समान रहेगा। चूंकि जीएसटी में अधिकतम कर दर 40% है, इसलिए यदि जीएसटी उपकर हटाया जाता है और उत्पाद शुल्क नहीं लगाया जाता है तो तंबाकू पर कुल कर बोझ कम हो जाएगा। कर बोझ जीएसटी मुआवजा उपकर के दौरान जितना था, उससे कम न हो, हम यह कर लेकर आ रहे हैं।

तंबाकू पर 28% जीएसटी सहित अलग दरों पर उपकर

विधेयक में प्रस्ताव है कि तंबाकू उत्पादों- जैसे सिगरेट, चबाने वाला तंबाकू, सिगार, हुक्का, जर्दा और सुगंधित तंबाकू पर लगाए जा रहे जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर को हटाकर उसकी जगह उत्पाद शुल्क लगाया जाए। वर्तमान में तंबाकू पर 28 प्रतिशत जीएसटी के साथ अलग-अलग दरों पर उपकर लगता है। विधेयक में अपरिष्कृत (कच्चे) तंबाकू पर 60-70 प्रतिशत उत्पाद शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। सीतारमण ने कहा कि यह विधेयक इसलिए आवश्यक है क्योंकि कोविड के दौरान राज्यों के राजस्व घाटे को पूरा करने के लिए केंद्र द्वारा लिया गया ऋण कुछ ही हफ्तों में चुका दिया जाएगा, जिसके बाद मुआवजा उपकर लेना रोक दिया जाएगा।

मुआवजा उपकर तंत्र की अवधि बढ़ाई

सीतारमण ने कहा कि केंद्र सुनिश्चित करना चाहता है कि उत्पाद शुल्क फिर से हमारे पास आ जाए ताकि हम यह ड्यूटी लगा सकें। 1 जुलाई, 2017 को जीएसटी लागू करते समय राज्यों को जीएसटी से हुए राजस्व हानि की भरपाई के लिए मुआवजा उपकर तंत्र स्थापित हुआ था, जिसकी अवधि प्रारंभ में 5 वर्ष (30 जून 2022 तक) थी। बाद में मुआवजा उपकर की अवधि 4 वर्ष बढ़ाकर 31 मार्च 2026 की गई, और इस अवधि में संग्रहित राशि का उपयोग कोविड काल में राज्यों की जीएसटी कमी की भरपाई के लिए केंद्र द्वारा लिए गए 2.69 लाख करोड़ रुपये के ऋण के पुनर्भुगतान में किया जा रहा है।

नया कानून नहीं, अतिरिक्त कर नहीं

सीतारमण ने विधेयक पर कुछ विपक्षी सदस्यों की चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि यह नया कानून नहीं है, और कोई अतिरिक्त कर भी नहीं है। कुछ सदस्यों का मानना है कि यह उपकर है जिसका लाभ केंद्र को मिलेगा, जबकि ऐसा नहीं है। यह उपकर नहीं है, बल्कि उत्पाद शुल्क है जो डिविसिबल (विभाज्य) पूल में जाएगा। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की टिप्पणी का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में सिगरेट पर खुदरा मूल्य के अनुसार कर बोझ 53% रहा है, जबकि डब्ल्यूएचओ का मानक 75 है।

हम नहीं चाहते सिगरेट किफायती रहे

वित्त मंत्री ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन जैसे देशों में तो यह दर 80 से 85% है। हम नहीं चाहते कि सिगरेट किफायती रहे। तंबाकू उत्पादक किसानों को लेकर कुछ सदस्यों की चिंताओं पर वित्त मंत्री ने कहा कि फसल विविधीकरण योजना के तहत 10 बड़े तंबाकू उत्पादक राज्यों में 2015 से तंबाकू किसानों को वैकल्पिक फसलें उगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने तेलंगाना में मिर्च, ओडिशा में सब्जी और कर्नाटक में सोयाबीन तथा गन्ना जैसी फसलों के लिए तंबाकू किसानों को सहायता देने के प्रयासों का जिक्र किया।

दिल्ली में प्रदूषण रोजाना 50 सिगरेट पीने के जैसा : सुप्रिया

राकांपा (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले ने दिल्ली में वायु प्रदूषण की स्थिति का उल्लेख करते हुए लोकसभा में कहा कि दिल्ली में घूमने का मलतब एक दिन में 50 सिगरेट पीने जैसा है। उन्होंने केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक पर चर्चा के दौरान टिप्पणी की। सुले ने कहा कि सरकार को वायु प्रदूषण से निपटने को सांसदों का सहयोग लेना चाहिए। पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से आग्रह है कि सांसदों से बात कीजिए और लक्ष्य दीजिए कि क्या किया जा सकता है। विधेयक पर शिवसेना (उबाठा) के सांसद अनिल देसाई ने कहा कि लाखों किसान और श्रमिक तंबाकू उत्पादन से जुड़े हैं और उनकी आजीविका का सवाल है। शिवसेना के रवींद्र वायकर और भाजपा सांसद अरुण गोविल ने इस विधेयक को नशा के प्रति सर्जिकल स्ट्राइक बताया।

वायु गुणवत्ता आंकड़ों की गणना में छेड़छाड़ संभव नहीं : सीपीसीबी

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने बुधवार को वायु गुणवत्ता के आंकड़ों में हेरफेर के आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि निगरानी केंद्र स्वचालित हैं तथा गणना एवं निगरानी में कोई मानवीय हस्तक्षेप संभव नहीं है।

दिल्ली सरकार पर वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों के आसपास पानी का छिड़काव करने तथा प्रदूषण के उच्च स्तर पर होने के दौरान उन्हें बंद करने का आरोप लगाया गया है। आरोप है कि अक्टूबर में दिवाली के दौरान पटाखों से प्रदूषण का स्तर बढ़ने पर वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों को बंद कर दिया गया था। सीपीसीबी के अध्यक्ष वीर विक्रम यादव ने कहा कि निगरानी और डेटा संग्रह स्वचालित है... स्टेशन हर 15 मिनट में डेटा तैयार करते हैं और हर घंटे एक्यूआई की गणना की जाती है, जिसके बाद औसत एक्यूआई तैयार किया जाता है। ये स्टेशन स्वचालित हैं, और इसलिए किसी भी तरह का मानवीय हस्तक्षेप या हेरफेर संभव नहीं है।

आरोपी को 55 तारीखों पर नहीं किया पेश, जांच शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी

- **महाराष्ट्र का मामला, जेल महानिदेशक को दो महीने में रिपोर्ट पेश करने का आदेश**

उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र पुलिस की ओर से जमानत पर सुनवाई के लिए एक आरोपी को 55 तारीखों पर न्यायालय में पेश न करने पर कड़ी आपत्ति जताते हुए राज्य के जेल महानिदेशक को इस मामले की जांच करने और रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया है। चाकू मारने के मामले में आरोपी शशि उर्फ शाही चिकना विवेकानंद जुरमानी को जमानत देते हुए जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने कहा कि जेल अधिकारियों के इस आचरण से वे ''स्तब्ध'' हैं।

पीठ ने महाराष्ट्र के जेल महानिदेशक को किसी को भी बचाने की कोशिश न करने की चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में उन पर कार्रवाई की जाएगी। इस मामले की जांच करने और दो महीने के अंदर रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया। जांच रिपोर्ट की समीक्षा के लिए मामले को 3 फरवरी 2026 को सूचीबद्ध किया गया है। पीठ ने कहा, आरोपी को सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष पेश करना न केवल मुकदमे के शीघ्र निस्तारण के लिए जरूरी है, बल्कि यह एक महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय भी है ताकि कैदी के साथ कोई दुर्व्यवहार न हो। पीठ ने कहा, इस मूलभूत सुरक्षा उपाय का गंभीर उल्लंघन हुआ है, जो चौंकाने वाला और निंदनीय है। हम इसका कड़ा विरोध करते हैं।

मामले में 15 अक्टूबर 2021 को उल्हासनगर के विठ्ठलवाड़ी थाने में एफआईआर दर्ज हुई थी, जिसमें आरोप था कि याचिकाकर्ता और सह आरोपी उमेश उर्फ ओमी बंसीलाल किशनानी ने मृतक और पुलिस कांस्टेबल पर चाकू से हमला किया था। मरने से पहले सिपाही ने कहा था कि दोनों ने उससे मारपीट की थी।

दिल्ली दंगा

मौखिक दलीलें 15 मिनट से अधिक नहीं होनी चाहिए

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने फरवरी 2020 के दिल्ली दंगों के आरोपियों की ओर से पेश वकीलों को अपनी मौखिक दलीलें 15 मिनट तक सीमित रखने का बुधवार को निर्देश दिया। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने कहा कि आरोपियों के वकीलों की दलीलों पर अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू को स्पष्टीकरण के लिए 30 मिनट का समय मिलेगा। पीठ ने मामले की सुनवाई नौ दिसंबर के लिए निर्धारित करते हुए कहा कि दोनों पक्षों की तरफ से दलीलें प्रस्तुत की जा चुकी हैं। हमारा मानना है कि एक समय-सारिणी तय किए जाने की आवश्यकता है। मौखिक दलीलें 15 मिनट से अधिक नहीं होनी चाहिए और एएसजी द्वारा स्पष्टीकरण 30 मिनट से अधिक नहीं होना चाहिए।

मानवीय आधार पर गर्भवती महिला और उसके बच्चे को भारत में प्रवेश की अनुमति दी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने महीनों पहले बांग्लादेश निर्वासित की गई गर्भवती महिला और उसके आठ साल के बच्चे को 'मानवीय आधार' पर भारत में प्रवेश की बुधवार को अनुमति दे दी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने पश्चिम बंगाल सरकार को नाबालिग बच्चे की देखभाल करने और बीरभूम जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को गर्भवती महिला सुनाली खातून को हर संभव चिकित्सा सहायता मुहैया कराने का निर्देश दिया। पीठ ने केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के इस बयान पर गौर किया कि सक्षम प्राधिकारी ने मानवीय आधार पर महिला और उसके बच्चे को देश में प्रवेश देने की सहमति जता दी है और उन्हें निगरानी में रखा जाएगा।

विशेषाधिकार प्रस्ताव से जुड़े सवाल पर रेणुका बोलीं- भौं-भौं

नई दिल्ली, एजेंसी

- **कांग्रेस सांसद की टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर आ गई मीम की बाढ़**

कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने संसद परिसर में कुत्ता लाने को लेकर उनके खिलाफ सत्तापक्ष के कुछ सदस्यों द्वारा विशेषाधिकार प्रस्ताव लाने की मांग को लेकर बुधवार को पूछे गए सवाल पर दो बार 'भौं-भौं' बोलकर जवाब दिया। उनकी इस टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर मीम की बाढ़ आ गई है।

विशेषाधिकार प्रस्ताव लाने की तैयारी संबंधी खबरों पर राज्यसभा सदस्य चौधरी ने संसद परिसर में कहा, भौं-भौं...मुझे और क्या कहना चाहिए। कांग्रेस सांसद से आगे सवाल किया गया कि वह क्या करेंगी, तो उन्होंने कहा कि जब यह आएगा तो हम देखेंगे, समस्या क्या है। जब यह (विशेषाधिकार प्रस्ताव) आएगा, तो मैं मुंह तोड़ जवाब दूंगी। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने न केवल संसद की मर्यादा और गरिमा को ठेस पहुंचाई, बल्कि वहां काम करने वाले सभी सांसदों, सुरक्षाकर्मियों, अधिकारियों और दूसरे कर्मचारियों का अपमान किया। सांसद शीसोमवार को संसद परिसर में कार में कुत्ता लाने को लेकर विवादों में घिर गई हैं।

रेलवे ने आरक्षण काउंटर से लिए तत्काल टिकट के लिए ओटीपी किया अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी

- **अंतिम समय में टिकट बुकिंग सुविधा के दुरुपयोग को रोकने के लिए रेल मंत्रालय ने उठाया कदम**
- **योजना की शुरुआत कुछ ट्रेन से हुई और जल्द संख्या बढ़ाकर 52 कर दी गई**

रेलवे आरक्षण काउंटर से तत्काल' ट्रेन टिकट बुक करने के लिए यात्रियों को अब मोबाइल फोन पर प्राप्त होने वाला वन-टाइम पासवर्ड बताना होगा। इस कदम का उद्देश्य अंतिम समय में टिकट बुकिंग सुविधा के दुरुपयोग को रोकना है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

रेल मंत्रालय ने 17 नवंबर को परीक्षण आधार पर आरक्षण काउंटर से बुक टिकट के लिए ओटीपी-आधारित तत्काल टिकट प्रणाली शुरू की। इसकी शुरुआत कुछ ट्रेन से हुई और जल्द ही इसकी संख्या बढ़ाकर 52 कर दी गई।

मंत्रालय ने कहा कि कुछ दिनों में काउंटर से टिकट के लिए यह आरक्षण प्रणाली शेष सभी ट्रेन के लिए लागू कर दी जाएगी। इसके अनुसार, ओटीपी-आधारित तत्काल आरक्षण प्रणाली का प्रस्ताव आम उपयोगकर्ताओं के लिए अंतिम समय में टिकट बुकिंग सुविधा को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए किया गया है। इस प्रणाली के तहत आरक्षण काउंटर पर तत्काल टिकट बुक करते समय यात्री को आरक्षण फॉर्म में दिए गए मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी प्राप्त होता है। ओटीपी सत्यापन सफल होने के बाद ही टिकट की पुष्टि की जाती है। इस पहल का उद्देश्य तत्काल सुविधा के दुरुपयोग को रोकना और यह सुनिश्चित करना है कि वास्तविक यात्रियों को यह टिकट मिले। यह रेलवे टिकट व्यवस्था में पारदर्शिता, यात्री सुविधा और सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्रालय ने यात्रियों को टिकट आरक्षण तक उचित पहुंच प्रदान करने तथा बुकिंग एजेंटों को प्रणाली का दुरुपयोग करने से हतोत्साहित करने के लिए कुछ उपाय शुरू किए हैं।

लोकनृत्य की प्रस्तुति

कोलकाता में अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देते हुए लोक कलाकार।

आधार एप : घर बैठे बदलें नाम-मोबाइल नंबर

आधार कार्ड में बदलाव के लिए अब परेशान होने की जरूरत नहीं है। सरकार ने इसके लिए एक नया आधार एप लांच किया है जिसकी मदद से अब आप घर बैठे आधार कार्ड में पंजीकृत अपना मोबाइल नंबर बदल सकते हैं। सरकार ने नए आधार एप में इस सुविधा को शुरू कर दिया है। वहीं, एड्रेस, नाम और ईमेल आईडी भी अपडेट करने की सुविधा जल्द शुरू होगी। यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) ने नई डिजिटल सेवा को शुरू करने की घोषणा की है। इन बदलावों के लिए आपको किसी डॉक्यूमेंट की जरूरत नहीं होगी। एप पर ओटीपी वेरिफिकेशन और फेस ऑथेंटिकेशन से सबकुछ बदला जा सकेगा। इस सेवा के शुरू होने से दूरदराज इलाकों में रहने वाले लोग, वरिष्ठ नागरिकों को काफी सुविधा होगी। इस सुविधा के लिए आपको कोई डाक्यूमेंट नहीं देने होंगे।

पिछले महीने ही लांच हुआ आधार एप

एक महीने पहले यूआईडीएआई ने आधार कार्ड का नया मोबाइल एप लॉन्च किया था। इसमें यूजर एक ही फोन में 5 लोगों के आधार रख सकते हैं। इसमें आधार की सिर्फ वही जानकारी शेयर करने का ऑप्शन है, जो जरूरी होते हैं। इस एप में आप यूपीआई में जिस तरह स्कैन कर पेमेंट करते है, उसी तरह आधार डिटेल्स शेयर कर सकते हैं। एप को ज्यादा सिक्योर बनाने के लिए इसमें फेस ऑथेंटिकेशन जैसे फीचर्स जोड़े गए हैं।

एप में ऐसे अपडेट करें मोबाइल नंबर

छह अंकों का पिन डालकर आधार एप में लॉगिन करें। स्क्रोल करके नीचे जाएं फिर सर्विसेज में माय आधार अपडेट पर क्लिक करें। सबसे पहले मोबाइल नंबर अपडेट का विकल्प आएगा जिसे क्लिक करें और यहां दिया हुआ यहां जरूरी संदेश पढ़ने के बाद कंटिन्यू पर क्लिक करें। मौजूदा मोबाइल नंबर डालें और ओटीपी को वेरिफाई करें। इसके बाद नया मोबाइल नंबर डालकर ओटीपी को वेरिफाई करें। इसके बाद आपका फेस ऑथेंटिकेशन होगा, कैमरे में देखकर एक बार आंख बंद करें खोलें। पेमेंट के ऑप्शन पर 75 जमा करने के बाद प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

यह प्रक्रिया अपनानी होगी

यूआईडीएआई के मुताबिक एप के जरिए आधार में अपडेट की प्रोसेस काफी सिंपल है। इसके लिए कोई डॉक्यूमेंट या फिजिकल विजिट की जरूरत नहीं है। पूरी प्रोसेस कुछ मिनटों में हो जाएगी। सबसे पहले आपको आधार एप डाउनलोड करना होगा। यहां अपना आधार नंबर डालकर लॉगिन करना होगा। इसके बाद आपके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपीजाएगा जिसका वेरिफिकेशन करना होगा। इसके बाद आगे इस्तेमाल के लिए 6 अंकों का लॉगिन पिन सेट करना होगा।

क्यों जरूरी है आधार मोबाइल अपडेट

आधार कार्ड देश की सबसे बड़ी आइडेंटिटी सर्विस है, जिसमें 130 करोड़ से ज्यादा लोगों का डेटा जुड़ा हुआ है। मोबाइल नंबर इसका सबसे अहम हिस्सा है क्योंकि इसी से ओटीपी के जरिए बैंक अकाउंट, सरकारी सब्सिडी, इनकम टैक्स वेरिफिकेशन और डिजिटल सर्विसेज जैसे डिजीलॉकर तक एक्सेस मिलता है। अगर नंबर पुराना हो जाए या खो जाए तो कई समस्याएं हो सकती हैं। अभी तक इसे अपडेट करने के लिए आधार सेंटर जाना पड़ता था, जहां लंबी कतारों का झंझट होता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

भारत ने श्रीलंका भेजे 70 चिकित्साकर्मी

कोलंबो। भारतीय उच्चायोग ने बुधवार को बताया कि चक्रवात दितवा से आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन के बाद भारत ने श्रीलंका को एक सचल अस्पताल और 70 से अधिक चिकित्साकर्मी भेजे हैं। बाढ़ और भूस्खलन से जूझ रहे श्रीलंका में अवसंरचनाएं ध्वस्त होने से कई जिले अलग-थलग पड़ गए हैं और देश की आपदा प्रतिक्रिया क्षमता पर अत्यधिक दबाव पड़ रहा है। चक्रवात के प्रभाव से बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में 465 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 366 लोग लापता हैं। भारतीय उच्चायोग ने बताया कि भारत ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए 70 से अधिक चिकित्साकर्मी भेजे हैं।

खालिदा के इलाज को पहुंचे ब्रिटेन से डॉक्टर

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के स्वास्थ्य की गंभीर स्थिति के मद्देनजर उनके उपचार में सहायता के लिए ब्रिटेन से चार सदस्यीय विशेषज्ञ चिकित्सा दल बुधवार को यहां पहुंचा। खालिदा जिया का यहां एक निजी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है और उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। डॉ. रिचर्ड ब्यूल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने यहां पहुंचने के तुरंत बाद एवरकेयर अस्पताल में भर्ती बीएनपी की अध्यक्ष खालिदा जिया (80) के स्वास्थ्य की स्थिति की समीक्षा की। डॉक्टरों ने उनका इलाज कर रही मेडिकल टीम से भी बात की।

पाकिस्तान में विस्फोट तीन पुलिसकर्मी मृत

पेशावर। पश्चिमोत्तर पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक पुलिस वाहन को निशाना बनाकर किए गए धमाके में तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि यह घटना दक्षिण वजीरिस्तान की सीमा से लगे डेरा इस्माइल खान जिले के पनयाला इलाके में हुई। इस घटना में एएसआई गुल आलम, कांस्टेबल रफीक और मोबाइल वैन चालक सखी जान की मौत हो गई।

फलस्तीनियों के लिए रफह सीमा खुलेगी

यरुशलम। इजराइल ने कहा कि वह गाजा से फलस्तीनियों को मिस्र पहुंचने में मदद के लिए आने वाले कुछ दिनों में रफह सीमा चौकी (क्रॉसिंग) खोलेगा। गाजा में सहायता पहुंचाने की जिम्मेदारी संभालने वाले इजराइली सैन्य निकाय सीओजीएटी ने एक बयान में यह जानकारी दी। हालांकि इसमें उसने यह नहीं बताया गया कि गाजा छोड़ने की अनुमति किन लोगों को होगी।

प्रतिभा के प्रवाह में बाधाएं खड़ी करने वाले देश नुकसान में रहेंगे : जयशंकर

गतिशीलता पर आयोजित एक सम्मेलन के संवादात्मक सत्र में बोले विदेश मंत्री

- उन्नत विनिर्माण के युग में और ज्यादा प्रतिभा की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को कहा कि सीमाओं के पार पेशेवरों के प्रवाह में बहुत अधिक बाधाएं पैदा करने वाले देशों को कुल मिलाकर नुकसान होगा और भारत को अन्य देशों को यह समझाने की जरूरत है कि प्रतिभा का इस्तेमाल पारस्परिक लाभ के लिए है। गतिशीलता पर एक सम्मेलन में आयोजित संवादात्मक सत्र के दौरान दिए गए उनके बयान ट्रंप प्रशासन की आव्रजन पर सख्ती के अनुरूप अमेरिका द्वारा एच-1बी वीजा पर नया शुल्क लगाने के फैसले की पृष्ठभूमि में आए हैं।

जयशंकर ने कहा कि अगर वे प्रतिभा के प्रवाह में बहुत ज्यादा रुकावटें खड़ी करते हैं, तो उन्हें कुल मिलाकर नुकसान होगा। खासकर अगर आप उन्नत विनिर्माण के युग में प्रवेश कर रहे हैं, तो आपको और ज्यादा प्रतिभा की जरूरत होगी।वह एच-1बी वीजा कार्यक्रम पर चिंताओं सहित आव्रजन से जुड़े व्यापक मुद्दों पर पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। किसी देश का नाम लिए बगैर जयशंकर ने कहा कि भारत को अन्य देशों को यह समझाने की जरूरत है कि सीमा पार प्रतिभा का इस्तेमाल हमारे पारस्परिक लाभ के लिए है। उन्होंने कहा कि अक्सर उद्यमिता और प्रौद्योगिकी के अग्रणी लोग ही गतिशीलता के पक्ष में दलील देते हैं।

इसके विपरीत, वे लोग जिनके पास कोई राजनीतिक आधार या संबोधित करने के लिए एक निश्चित मतदाता वर्ग होता है, वे इसका विरोध कर सकते हैं। हालांकि, अंततः वे किसी न किसी प्रकार के समझौते पर पहुंच ही जाएंगे। जयशंकर ने कुछ देशों में प्रतिभाओं की गतिशीलता के लिए प्रतिरोध को कुछ कंपनियों द्वारा चीन से अपने विनिर्माण केंद्र स्थानांतरित करने के प्रयासों से भी जोड़ा। एच-1बी वीजा कार्यक्रम के तहत, कंपनियां अमेरिका में काम करने के लिए विशेष कौशल वाले विदेशी कर्मचारियों की भर्ती करती हैं, शुरुआत में यह अवधि तीन साल के लिए होती है, जिसे तीन और वर्षों के लिए बढ़ाया जा सकता है।

अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) के अनुसार, हाल के वर्षों में स्वीकृत सभी एच-1बी आवेदनों में से लगभग 71 प्रतिशत आवेदन भारतीयों के थे। जयशंकर ने कहा कि यदि कई विकसित देशों में नौकरियों पर दबाव है, तो उसका कारण यह नहीं है कि उन क्षेत्रों में लोग बाहर से आए। असल वजह यह है कि उन्होंने अपनी विनिर्माण गतिविधियां बाहर जाने दीं - और आप जानते हैं, कहां।

उन्होंने कहा कि यदि लोगों के लिए यात्रा करना कठिन हो जाता है, तो भी काम रुकने वाला नहीं है। यदि लोग यात्रा नहीं करेंगे, तो काम बाहर जाएगा। जयशंकर ने कानूनी गतिशीलता के महत्व पर भी विस्तार से बात की।

मोबिलिटी इम्पेरेटिव पर भारत के विश्व वार्षिक सम्मेलन के दौरान सभा को संबोधित करते विदेश मंत्री एस जयशंकर।

काम और गतिशीलता की न हो उपेक्षा

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि एक वैश्वीकृत दुनिया में, मुझे लगता है कि जब हम अपने बाहरी संबंधों, खासकर आर्थिक संबंधों की बात करते हैं, तो हम अक्सर व्यापार पर ही ध्यान केंद्रित करते हैं। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने कहा कि लेकिन हम अक्सर काम और उससे जुड़ी गतिशीलता की उपेक्षा करते हैं। आपको यह समझाने के लिए कि हम किस चीज पर पर्याप्त ध्यान नहीं देते। पिछले साल, भारत में 135 अरब अमेरिकी डॉलर का धन प्रेषण हुआ। यह अमेरिका को हमारे निर्यात का लगभग दोगुना है। जयशंकर ने अवैध आवाजाही के प्रति भी आगाह किया और इसके संभावित परिणामों की भी जानकारी दी। यदि आप मानव तस्करी और इससे जुड़े अपराधों को देखें तो इसमें विभिन्न एजेंडे वाले लोग शामिल होते हैं।

यूक्रेन शांति वार्ता सार्थक रही लेकिन क्षेत्रों के मुद्दे पर गतिरोध अभी कायम

- क्रेमलिन में रूसी राष्ट्रपति के आवास पर पांच घंटे हुई वार्ता
- वार्ता के बाद बोले पुतिन के सलाहकार-काफी काम बाकी

मॉस्को, एजेंसी

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के वरिष्ठ सलाहकार यूरी उशाकोव ने बुधवार को बताया कि यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए रूस और अमेरिका के बीच हुई वार्ता सार्थक रही लेकिन काफी काम बाकी है। पुतिन ने डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की शांति पहल के तहत मंगलवार देर रात रूसी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास क्रेमलिन में अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुश्नर से बंद कमरे में लगभग पांच घंटे तक मुलाकात की। कुश्नर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दामाद हैं।

उशाकोव ने बातचीत को उपयोगी, रचनात्मक और ठोस बताया। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि शांति प्रस्ताव की रूपरेखा पर चर्चा हुई है, न कि विशिष्ट शब्दों पर। उन्होंने स्वीकार किया कि क्षेत्रों के मुद्दे पर अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है, जिसके बिना क्रेमलिन को संकट का कोई समाधान नहीं दिखता। उन्होंने कहा कि कुछ अमेरिकी प्रस्ताव स्वीकार्य लगते हैं, जबकि कुछ अन्य आलोचना का विषय बने।

यूरोपीय सरकारें इस बात से चिंतित हैं कि अगर शांति योजना में रूस जो चाहता है, वह उसे दे दिया गया तो उसे अन्य यूरोपीय देशों को धमकाने या उनके काम में बाधा डालने की पूरी छूट मिल जाएगी। ट्रंप की शांति योजना में यूक्रेन को वित्तीय और सुरक्षा गारंटी देने की जिम्मेदारी मुख्य रूप से यूरोप पर ही डाली गई है। अमेरिकी दूतों की मॉस्को यात्रा के साथ ही यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की भी यूरोपीय देशों की यात्रा के तहत आयरलैंड पहुंचे। जेलेंस्की ने कहा कि वह मॉस्को में अमेरिकी दूतों से इस बात पर शीघ्र रिपोर्ट की अपेक्षा कर रहे हैं कि बातचीत आगे बढ़ सकती है या नहीं। उन्होंने कहा, बातचीत बहुत हो रही है, लेकिन हमें परिणाम चाहिए। हमारे लोग हर दिन मर रहे हैं। इस बीच, युद्ध के मैदान पर रूसी सेना द्वारा पूर्वी यूक्रेन के पोक्रोव्स्क पर कब्जे के दावे को यूक्रेनी सेना ने दुष्प्रचार बताते हुए खारिज कर दिया है।

यूक्रेन शांति प्रयास बाधित कर रहा यूरोप : पुतिन

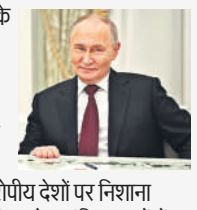

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के यूरोपीय सहयोगियों पर कीव के साथ उसके लगभग चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका के नेतृत्व वाले प्रयासों को बाधित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भेजे गए एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात से ठीक पहले यह टिप्पणी की। पुतिन ने यूरोपीय देशों पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके पास शांति का एजेंडा नहीं है। यूरोप शांति प्रस्तावों में रूस के लिए अस्वीकार्य मांगों को जोड़कर शांति प्रक्रिया को अवरुद्ध कर रहा है।

यूक्रेन पर शी से वार्ता के लिए चीन पहुंचे मैक्रों

बीजिंग। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों बुधवार को तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर चीन पहुंचे। इस यात्रा का उद्देश्य रूस पर यूक्रेन में युद्धविराम के लिए दबाव बनाने में बीजिंग का सहयोग प्राप्त करना है। मैक्रों के कार्यालय के अनुसार, मैक्रों और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच वार्ताओं में रूस-यूक्रेन युद्ध प्रमुख मुद्दा रहेगा। सोमवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की के साथ पेरिस में हुई बैठक के बाद मैक्रों संभावित युद्धविराम शर्तों पर बातचीत आगे बढ़ा रहे हैं। फ्रांस चाहता है कि चीन, रूस को जल्द युद्धविराम बढ़ाने के लिए मनाए।

रूस-भारत के रक्षा मंत्रियों में होगी वार्ता

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके रूसी समकक्ष आंद्रे बेलौसोव के बीच गुरुवार को होने वाली वार्ता में एस-400 मिसाइल प्रणाली की खरीद, सुखोई 30 लड़ाकू विमानों के उन्नयन और रूस से अन्य महत्वपूर्ण सैन्य साजो सामान खरीदने में भारत की रुचि एजेंडे में रहेगी।

शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने बताया कि समग्र ध्यान दोनों देशों के बीच पहले से ही घनिष्ठ रक्षा और सुरक्षा संबंधों को और विस्तारित करने पर होगा, जिसमें रूस से भारत को सैन्य साजो सामान की शीघ्र आपूर्ति सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

- रूस से सैन्य साजो सामान खरीदने में होगी भारत की रूचि

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगे। राजनाथ सिंह और आंद्रे बैलोसोव के बीच यह वार्ता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पुतिन के बीच शिखर बैठक से एक दिन पहले होगी।

एस-400 की खेप खरीदने पर विचार

ऐसा माना जा रहा है कि भारत रूस से सतह से हवा में मार करने वाली एस-400 मिसाइल प्रणालियों की अतिरिक्त खेप खरीदने पर विचार कर रहा है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ये हथियार बेहद कारगर साबित हुए थे। अक्टूबर 2018 में, भारत ने रूस के साथ एस-400 वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली की पांच इकाइयों को खरीदने के लिए पांच अरब अमरीकी डालर के समझौते किए, जबकि अमेरिका ने चेतावनी दी थी कि अनुबंध पर आगे बढ़ने से 'काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सैंक्शंस एक्ट के तहत अमेरिकी प्रतिबंध लग सकते हैं।

अमेरिका की मांगें ही परमाणु वार्ता में रोड़ा

तेहरान। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बघेर गालिबाफ ने कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत फिर से शुरू करने में मुख्य बाधा अमेरिका की अत्यधिक मांगें हैं। गालिबाफ ने ईरान की राजधानी तेहरान में राष्ट्रीय संसद दिवस के अवसर पर यह टिप्पणी की, जहां उन्होंने अमेरिका से परमाणु वार्ता को फिर से शुरू करने में आने वाली दिक्कतों पर विस्तार से चर्चा की।

अध्यक्ष ने कहा कि अमेरिका का उद्देश्य अपनी मांगों को थोपना और ईरान को झुकने के लिए मजबूर करना है। यह तब है जब हमने 12 दिवसीय युद्ध में प्रदर्शित किया कि हम आत्मसमर्पण नहीं करते हैं।

ट्रंप को भारत-पाकिस्तान के समझौते का श्रेय देना चाहिए

वाशिंगटन, एजेंस

- राष्ट्रपति ने अमेरिका की विदेश नीति को दिया नया रूप : रुबियो

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान जैसे मुश्किल शांति समझौतों समेत कई शांति समझौते कराए हैं और वह देश की विदेश नीति को नया रूप देने के लिए खास श्रेय के हकदार हैं।

मंगलवार को राष्ट्रपति कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में रूबियो ने कहा कि कई दशकों में पहली बार अमेरिका को सुरक्षित, मजबूत और अधिक समृद्ध बनाने की सोच के साथ विदेश नीति पर काम हुआ है। रूबियो ने कहा कि बाकी सभी शांति समझौतों का कोई जिक्र नहीं करूंगा लेकिन भारत और पाकिस्तान या कंबोडिया और थाईलैंड जैसे बहुत ही मुश्किल समझौतों का उल्लेख करना जरूरी है। हमारी विदेश नीति को नया रूप देने के लिए राष्ट्रपति को खास श्रेय मिलना चाहिए। इससे पहले ट्रंप ने मंत्रिमंडल बैठक के दौरान दोहराया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान विवाद समेत विभिन्न वैश्विक मुद्दों को सुलझाया है।

हत्या मामले में वांछित भारतीय पर 50 हजार डॉलर का रखा इनाम

न्यूयॉर्क। अमेरिकी की संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) ने 2017 में एक भारतीय महिला और उसके छह वर्षीय बेटे की हत्या के मामले में वांछित एक भारतीय नागरिक के बारे में सूचना देने पर 50,000 डॉलर तक का इनाम घोषित किया है। अधिकारियों ने भारत सरकार से संदिग्ध को अमेरिका प्रत्यर्पित करने की अपील की है। नजीर हामिद (38) पर मार्च 2017 में न्यू जर्सी के मेपल शेड में शशिकला नारा (38) और उनके बेटे अनीश नारा की हत्या का आरोप है। हामिद पर हत्या के दो आरोप, अवैध हथियार रखने और इस्तेमाल करने के आरोप हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 4 दिसंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी 08.37 तक तत्पश्चात पूर्णिमा 5 दिसंबर 04.43 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

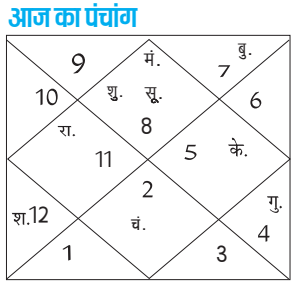

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- भरणी, कृतिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-कृतिका 14.54 तक तत्पश्चात रोहिणी।

मेष — आज व्यापार के लिए उधार लेना चाहते हैं, तो दस्तावेजों का सावधानी से अध्ययन करें। पारिवारिक जीवन में थोड़ी कलह की स्थिति बन सकती है। घर की महिलाओं का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें।

वृष — आज आय में वृद्धि होने से काम में मन लगा रहेगा। उन्नत तकनीक पर कार्यरत लोगों के लिए दिन विशेष रूप से शुभ है। अपनी गुप्त बातों या योजनाओं को सबसे शेयर न करें वरना कुछ लोग इसका अनुचित लाभ उठाने का प्रयास कर सकते हैं।

मिथुन — आज मन में कुछ अज्ञात भय सा रहेगा। अत्यधिक सोच-विचार के कारण कार्य बिगड़ सकते हैं। प्रेम संबंधों में मर्यादा भंग न करें। अनचाहे खर्चों के कारण बजट गड़बड़ा सकता है। आपकी थोड़ी सी सावधानी बड़ी सफलता के मार्ग खोल सकती है।

कर्क — आज सूझबूझ के कारण मुश्किल डील आसानी से अर्जित कर लेंगे। विरोधी आपसे दूरी बनाने का प्रयास करेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर बड़ी सफलता मिल सकती है। छोटे व्यापारियों के लिए दिन काफी अच्छा है। अपनी योग्यता का बखूबी लाभ उठाएंगे।

सिंह — आज सहकर्मी आपसे अत्यधिक प्रसन्न रहेंगे। जीवनसाथी और बच्चों के प्रति समर्पित रहेगा। सामजिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। छोटे बच्चों की गलतियों को अनदेखा न करें। सभी कार्य समय पर पूर्ण होने से मन में प्रसन्नता रहेगी।

कन्या — आज मन में आत्मविश्वास की कमी रहेगी। आपको घर पर आराम करना चाहिए। दूसरों के प्रभाव में आकर अपने निर्णयों को प्रभावित न करें। बड़ी कंपनी में जॉब कर रहे लोग अपने काम से असंतुष्ट हो सकते हैं।

तुला — आज आपको बाहर का भोजन करने से बचना चाहिए। किसी पर भी आंख-मूंदकर विश्वास न करें। मित्रों के साथ रिश्तों में कड़वाहट आ सकती है। बिना किसी झिझक के अपना पक्ष मजबूती और विनम्रता से रखें।

वृश्चिक — आज नए और प्रभावी संबंध बन सकते हैं। नौकरी की खोज कर रहे युवाओं को सफलता मिलेगी। दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा। बच्चे आपकी आज्ञा का पालन करेंगे। पुराने दोस्तों के साथ इंटरनेट पर मुलाकात हो सकती है।

धनु — आज नौकरी में बदलाव करने के अवसर मिल सकते हैं। शत्रुओं के षड्यंत्र विफल हो जाएंगे। रुका हुआ धन आपकी योजना और प्रयासों से प्राप्त हो सकता है। आपकी सोच में सकारात्मकता रहेगी। बच्चों की सफलता से गौरव की अनुभूति होगी।

मकर — आज बुद्धिमान मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। संपत्ति को लेकर चल रहे विवादों का निपटारा होगा। अपने निजी जीवन को लेकर दूसरों से सलाह न लें। धार्मिक आयोजन की योजना बना सकते हैं। पुराने रोग पुन: उभर सकते हैं।

कुंभ — आज संपत्ति के मामलों में धन निवेश सावधानीपूर्वक ही करें। विद्यार्थियों को करियर में अच्छे मौके मिल सकते हैं। व्यापार से जुड़े लोगों को कानूनी मामलों की चिंता रहेगी। आपको काम की अधिकता हो सकती है। टूटे हुए संबंधों को दोबारा जोड़ने के अवसर प्राप्त होंगे।

मीन — आज सामाजिक गतिविधियों में भाग लेंगे। प्रेम संबंधों को पर्याप्त समय अवश्य दें। आप अपना प्रत्येक कार्य बारीकी और सफाई से करेंगे। अधिकारी वर्ग आपकी प्रशंसा कर सकता है। धन संबंधी परेशानियों का निराकरण हो सकता है।

सुडोकू -180

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1							
		4						
3								7
	2						4	
							7	
	4							
7						8		
		1						

सुडोकू - 179 का हल

1	7	6	4	8	9	5	2	3
9	4	8	2	5	3	6	7	1
3	5	2	6	1	7	8	9	4
7	3	4	8	9	5	1	6	2
6	2	1	3	7	4	9	8	5
8	9	5	1	2	6	4	3	7
5	1	3	9	6	2	7	4	8
4	6	7	5	3	8	2	1	9
2	8	9	7	4	1	3	5	6

हे भगवान, यह खबर जंगल की आग की तरह क्यों फैल गई। मैं वापसी नहीं कर रही हूं। सोशल मीडिया पर फैल रहीं खबरें सही नहीं हैं। मेरा टेनिस में वापसी का फिलहाल कोई भी इरादा नहीं है।
– सेरेना विलियम्स

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

कानपुर नगर, गुरुवार, 4 दिसंबर 2025

हाईलाइट

ब्रूइस के खिलाफ आक्रामक बर्ताव के लिए राणा को फटकार

दुबई : अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा को फटकार लगाई और रांची में पहले एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस को आउट करने के बाद उनके आक्रामक बर्ताव के लिए एक डिमेरिट अंक उनके खाते में जोड़ दिया। आईसीसी ने एक बयान में कहा राणा को आईसीसी की आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन का दोषी पाया गया। यह घटना रविवार को दक्षिण अफ्रीका की पारी के 22वें ओवर में हुई जब भारत के तेज गेंदबाज ने ब्रेविस को आउट करने के बाद ड्रेसिंग रूम की तरफ इशारा किया जिससे बल्लेबाज आक्रामक प्रतिक्रिया दे सकता था।

ओल्मो के गोल से बार्सिलोना जीता

मैड्रिड : बार्सिलोना ने दानी ओल्मो के गोल की मदद से एटलेटिको मैड्रिड को 3-1 से हराकर स्पेनिश लीग फुटबॉल टूर्नामेंट ला लिगा में अपनी बढ़त को मजबूत कर दिया। ओल्मो ने कैंप नोउ स्टेडियम में 65वें मिनट में बार्सिलोना की तरफ से दूसरा गोल किया लेकिन इस दौरान वह गिर गए और उनके बाएं कंधे में चोट लग गई। वह गोल का जश्न भी नहीं मना पाए और उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। एटलेटिको ने एलेक्स बेना के गोल से शुरुआती बढ़त हासिल की थी। बार्सिलोना की तरफ से राफिन्हा ने पहले हाफ में बराबरी का गोल दागा। ओल्मो की जगह आए फेरान टोरेस ने इंजरी टाइम में गोल करके बार्सिलोना की जीत पक्की की। बार्सिलोना इस जीत से रियाल मैड्रिड से चार अंक आगे हो गया है। चौथे स्थान पर काबिज एटलेटिको 15 मैचों के बाद बार्सिलोना से छह अंक पीछे हो गया है।

रोहित डेविस कप टीम के कप्तान नियुक्त

नई दिल्ली : ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन (एआईटीए) ने आजरोहित राजपाल को कैप्टन और आशुतोष सिंह को 31 दिसंबर, 2026 तक भारतीय डेविस कप टीम का कोच फिर से बनाने की घोषणा की। इंटरनेशनल टेनिस फेडरेशन (आईटीएफ) द्वारा घोषित ड्रॉ के अनुसार, भारत फरवरी 2026 में डेविस कप 2026 क्वालिफायर में नीदरलैंड्स की मेजबानी करेगा। यह मुकाबला 6-7 फरवरी या 7-8 फरवरी 2026 को खेला जाएगा, और जगह और सरफेस की पुष्टि समय पर की जाएगी।

एशियाई घुड़सवारी में भारत को पांच पदक

नई दिल्ली : भारत ने बुधवार को थाईलैंड के पटाया में इवेंटिंग और ड्रेसेज स्पर्धाओं में पांच पदक जीतकर एफईआई एशियाई घुड़सवारी चैंपियनशिप में अपना अभियान खत्म किया। टारगेट एशियाई खेल समूह (टीएजीजी) योजना के खिलाड़ी आशीष लिमये ने इवेंटिंग में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने के अलावा अपने साथियों शशांक सिंह कटारिया और शशांक कनमुरी के साथ मिलकर टीम रजत जीता। ड्रेसेज में श्रुति वोरा ने तीन रजत पदक जीते। उन्होंने व्यक्तिगत वर्ग के अलावा दूसरा रजत इंटरमीडिएट फ्रीस्टाइल-1 में और और तीसरा ड्रेसेज टीम स्पर्धा में जीता।

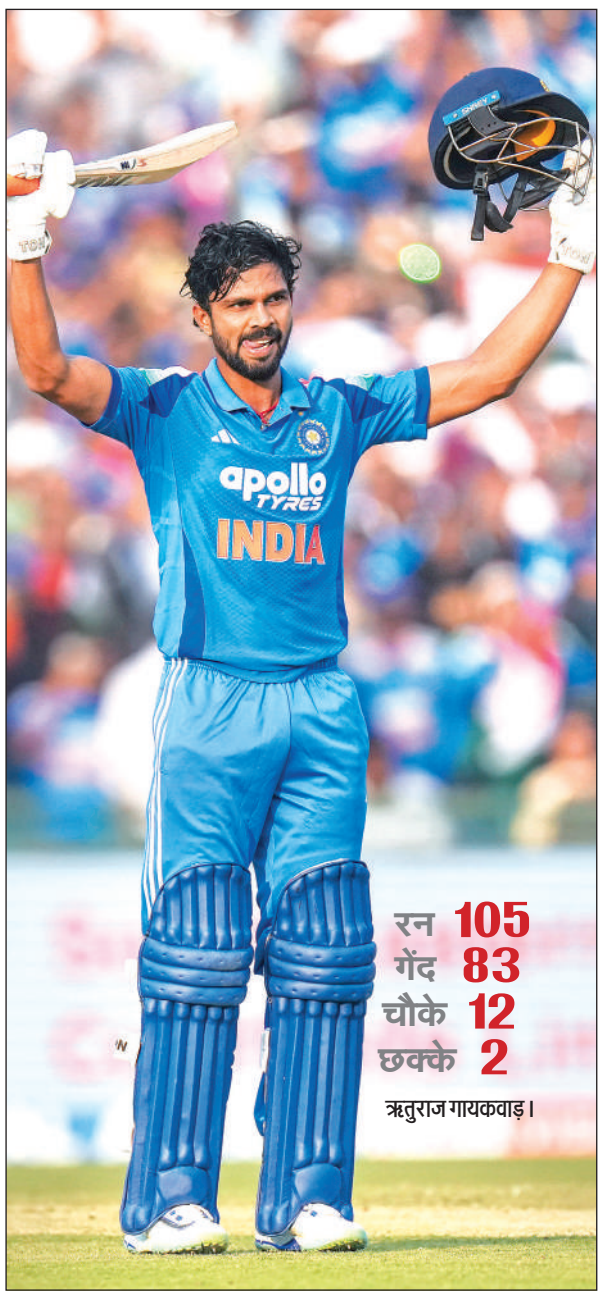

ऋतुराज गायकवाड़।

विशाल लक्ष्य भी नहीं बचा सका भारत

दक्षिण अफ्रीका चार विकेट से जीता, सीरीज 1-1 से बराबर, कोहली और गायकवाड़ का शतक बेकार

रायपुर, एजेंसी

सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम के शतक के बाद मैथ्यू ब्रीट्जके और डेवाल्ड ब्रेविस के अर्धशतक से दक्षिण अफ्रीका ने विराट कोहली और रुतुराज गायकवाड़ शतकों पर पानी फेरते हुए भारत को यहां दूसरे एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में चार विकेट से हराकर तीन मैच की सीरीज 1-1 से बराबर की।

भारत के 359 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने मार्करम की 98 गेंद में 10 चौकों और चार छक्कों से 110 रन की पारी और ब्रीट्जके (68 रन, 64 गेंद, पांच चौके) तथा ब्रेविस (54 रन, 34 गेंद, पांच छक्के, एक चौका) के अर्धशतक से 49.2 ओवर में छह विकेट पर 362 रन बनाकर जीत दर्ज की।

यह विदेशी सरजमीं पर लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की सबसे बड़ी जीत है जबकि भारत के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए किसी भी टीम की संयुक्त रूप से सबसे बड़ी जीत है। ऑस्ट्रेलिया ने भी इससे पहले भारत के खिलाफ 359 रन के लक्ष्य को हासिल किया था। ब्रीट्जके और ब्रेविस ने चौथे विकेट के लिए 64 गेंद में 92 रन की आक्रामक साझेदारी भी की जबकि मार्करम ने कप्तान तेम्बा बावुमा (46) के साथ दूसरे विकेट के लिए 101 और ब्रीट्जके के साथ तीसरे विकेट के लिए 70 रन जोड़े।

कोहली (102 रन, 93 गेंद, सात चौके, दो छक्के) ने इससे पहले रिकॉर्ड में सुधार करने वाला 53वां और लगातार दूसरा शतक जड़ने के अलावा गायकवाड़ (105 रन, 83 गेंद, 12 चौके, दो छक्के) के साथ तीसरे विकेट के लिए 195 रन की सझेदारी भी की जिससे भारत ने पांच विकेट पर 358 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। कप्तान राहुल ने भी नाबाद 66 रन बनाए। कोहली व गायकवाड़ की यह साझेदारी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय में इस विकेट की भारत की सबसे बड़ी साझेदारी है।

लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने पांचवें ओवर में ही क्विंटन डिकॉक (08) का विकेट गंवा दिया। मार्करम और बावुमा ने इसके बाद पारी को संभाला। मार्करम ने 110 रन बनाकर जीत के जरूरी काम कर दिया था। दक्षिण अफ्रीका को अंतिम पांच ओवर में 27 रन की जरूरत थी पर टॉनी डिजॉर्जी 17 रन बनाने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो गए लेकिन कोर्बिन बॉश (नाबाद 29) ने टीम को जीत दिला दी।

शतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्करम। एजेंसी

भारत

358/5 (50 ओवर)

यशस्वी का बॉश बो यान्सेन	22
रोहित शर्मा का डिकॉक बो बर्गर	14
कोहली का मारक्रम बो एनगिडी	102
गायकवाड़ का डिजॉर्जी बो यानसेन	105
लोकेश राहुल नाबाद	66
वाशिंगटन सुंदर रन आउट	01
रविंद्र जडेजा नाबाद	24

अतिरिक्त : 24

गेंदबाजी : बर्गर 6.1-0-43-1, एनगिडी 10-1-51-1, यान्सेन 10-0-63-2, महाराज 10-0-70-0, बॉश 8-0-79-0, मारक्रम 5.5-0-48-0

110 रन बनाकर एडेन मार्करम ने रखी जीत की नींव

दक्षिण अफ्रीका

362/6 (49.2 ओवर)

मार्करम का गायकवाड़ बो हर्षित	110
डिकॉक का वाशिंगटन बो अर्शदीप	08
तेम्बा बावुमा का हर्षित बो प्रसिद्ध	46
मैथ्यू ब्रीट्जके पगबाधा बो कृष्णा	68
ब्रेविस का जायसवाल बो कुलदीप	54
टॉनी डिजॉर्जी रिटायर्ड हर्ट	17
यान्सेन का गायकवाड़ को अर्शदीप	02
कोर्बिन बॉश नाबाद	29
केशव महाराज नाबाद	10

अतिरिक्त : 18

गेंदबाजी : अर्शदीप 10-0-54-2, हर्षित 10-0-70-1, प्रसिद्ध 8.2-0-85-2, वाशिंगटन 4-0-28-0, जडेजा 7-0-41-0, कुलदीप 10-0-78-1

ऋतुराज गायकवाड़ ने 77 गेंदों पर पहला वनडे शतक बनाया

रायपुर : ऋतुराज गायकवाड़ ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 77 गेंदों में पहला वनडे शतक लगाकर अपने आने का शानदार अंदाज में ऐलान किया। उन्होंने मार्को यानसन के मुश्किल शुरुआती स्पेल से बचने के बाद यह उपलब्धि हासिल की। ओपनर, जिन्होंने अपना अर्धशतक पूरा करने के लिए 52 गेंदें लीं, ने इसके बाद जबरदस्त वापसी की, और पारी को कंट्रोल करने के लिए कई तेज स्ट्रोक लगाए। यह पल 34वें ओवर में आया जब कॉर्बिन बॉश की गेंदों पर लगातार दो चौके मारकर यह उपलब्धि अपने नाम की। उन्होंने शतक पूरा करने के बाद अपना हेलमेट उतारा, दर्शकों की भीड़ की तरफ अपना बल्ला उठाया, और विराट कोहली ने उन्हें गर्मजोशी से गले लगाया। गायकवाड़ का 77 गेंदों में शतक अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ किसी भारतीय का दूसरा सबसे तेज वनडे शतक है, इससे पहले 2011 में सेंचुरियन में यूसुफ पठान ने 68 गेंदों में शतक बनाया था। शुरुआती झटकों के बाद, उनकी पारी में धैर्य, सटीकता और टाइमिंग की झलक मिली।

विराट कोहली चौथे स्थान पर पहुंचे

दुबई, एजेंसी

स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रांची में पहले एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय में मैच विजयी शतकीय पारी की बदौलत बुधवार को जारी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की नवीनतम एकदिवसीय रांष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गए। कोहली ने रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 120 गेंद में 135 रन की पारी खेली जो 50 ओवर के प्रारूप में उनका 52वां शतक था। उनकी पारी की बदौलत भारत ने 17 रन से जीत दर्ज की।

सैंतीस साल के कोहली के अब 751 रैंकिंग अंक हैं। वह शीर्ष पर

आईसीसी रैंकिंग

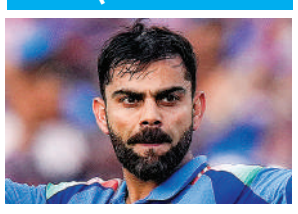

बरकरार पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा (783), न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल (766) और अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान (764) से पीछे हैं। कोहली ने भारत के एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल को पीछे छोड़ा जो गर्दन की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैच की मौजूदा सीरीज से बाहर होने के कारण पांचवें स्थान पर खिसक गए।

लगातार दूसरा शतक लगाया

रायपुर : भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने बुधवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे में लगातार दूसरा शतक और कुल 84वां अंतर्राष्ट्रीय शतक लगाया जिससे साबित होता है कि वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं, भले ही वह खेल के एक ही प्रारूप में खेलते हों। दक्षिण अफ्रीका के भारत को बल्लेबाजी का न्योता दिए जाने के बाद कोहली ने 93 गेंद में 102 रन बनाए और रुतुराज गायकवाड़ (83 गेंद में 105 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 195 रन की साझेदारी की।

एशेज में विजय अभियान जारी रखने उतरेगा ऑस्ट्रेलिया

ब्रिस्बेन : पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में धमाकेदार जीत दर्ज करने के बाद उत्साह से भरी ऑस्ट्रेलिया की टीम इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे दिन रात्रि एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच में अपना विजय अभियान जारी रखने की कोशिश करेगी।

इंग्लैंड ने 1986 के बाद से गाबा में कोई एशेज टेस्ट नहीं जीता है। वह 2010-11 सीरीज के बाद से ऑस्ट्रेलियाई धरती पर अपनी पहली जीत हासिल करने की तलाश में भी है। ऑस्ट्रेलिया का दिन रात्रि टेस्ट मैच में रिकॉर्ड अच्छा है।

गिल व हार्दिक टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल

रायपुर, एजेंसी

भारत के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अपनी अपनी चोट से उबर गए हैं जिससे बुधवार को उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया। गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे।

वह गर्दन की चोट के कारण गुवाहाटी में खेले गए दूसरे टेस्ट और मौजूदा एकदिवसीय श्रृंखला में नहीं खेल पाए। बोर्ड ने एक बयान में कहा कि गिल की भागीदारी हालांकि बीसीसीआई के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' से उनकी फिटनेस पर मिलने वाली मंजूरी पर निर्भर करेगी। एशिया कप 2025 फाइनल और ऑस्ट्रेलिया में पांच मैच की श्रृंखला में नहीं खेलने वाले पंड्या ने भी मंगलवार को हैदराबाद में पंजाब के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैच के दौरान अपनी फिटनेस साबित करने के बाद भारतीय टीम में वापसी की। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पांच मैच की टी20 सीरीज नौ दिसंबर से कटक में शुरू होगी। इसके लिए टीम का चयन करने के लिए बुधवार को यहां चयन समिति की बैठक हुई। सूर्यकुमार यादव भारत के नियमित टी20 कप्तान हैं।

टी-20 विश्व कप की जर्सी का अनावरण करते तिलक वर्मा व रोहित शर्मा।

टी-20 विश्व कप के लिए जर्सी का अनावरण

रायपुर : टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम की जर्सी का अनावरण बुधवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान किया गया। टी20 विश्व कप का 10वां चरण भारत और श्रीलंका के आठ स्थलों पर सात फरवरी से आठ मार्च तक आयोजित किया जाएगा। भारत को ग्रुप ए में उसके पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान, अमेरिका, नीदरलैंड और नामीबिया के साथ रखा गया है। भारत सात फरवरी को मुंबई में अपने अभियान की शुरुआत अमेरिका के खिलाफ करेगा। जर्सी का अनावरण इस टूर्नामेंट के ब्रांड दूत और पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा व टी20 टीम के सदस्य तिलक वर्मा ने किया।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वॉशिंगटन सुंदर।

सेड्यूल : पांच मैचों की सीरीज नौ दिसंबर से कटक में शुरू होगी। अन्य मैच चंडीगढ़ (11 दिसंबर), धर्मशाला (14 दिसंबर), लखनऊ (17 दिसंबर) और अहमदाबाद (19 दिसंबर) में खेले जाएंगे।

भारतीय निशानेबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

दोहा, एजेंसी

इस साल अभी तक बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले भारत के शीर्ष निशानेबाज गुरुवार से यहां शुरू होने वाले एलीट आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल्स में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर इस सत्र का शानदार समापन करना चाहेंगे। सत्र के आखिर में होने वाली इस प्रतियोगिता में भारत के 14 शीर्ष निशानेबाज भाग लेंगे, जिनमें पेरिस ओलंपिक की दो कांस्य पदक विजेता पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर, विश्व

विश्व कप फाइनल्स

चैंपियन सम्राट राणा और विश्व कप में कई पदक जीतने वाली विजेता सुरुचि सिंह शामिल हैं। ये निशानेबाज प्रत्येक स्पर्धा के व्यक्तिगत वर्ग में विश्व के शीर्ष 12 निशानेबाजों के साथ अपनी चुनौती पेश करेंगे। भारत ने इससे पहले काहिरा (पिस्टल/राइफल) और एथेंस (शॉटगन) में विश्व चैंपियनशिप में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करके ओलंपिक और गैर ओलंपिक स्पर्धाओं में तीन स्वर्ण सहित 14 पदक जीते।

अब वे विश्व कप फाइनल में इस सफलता को दोहराने की कोशिश करेंगे, जिसमें प्रत्येक वर्ग में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेता को क्रमशः 5,000, 4,000 और 2,000 यूरो की आकर्षक पुरस्कार राशि मिलेगी।

मनु और ईशा पर रहेगी निगाहें

भारत की दो शीर्ष पिस्टल निशानेबाज मनु और ईशा सिंह 10 मीटर एयर और 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल में जीत की प्रबल दावेदार होंगी। उन्होंने विश्व कप और विश्व चैम्पियनशिप में अपनी रैंकिंग और प्रदर्शन के आधार पर शीर्ष 12 में जगह बनाई है। पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में हाल ही में काहिरा में चैंपियन बने सम्राट राणा और कांस्य पदक जीतने वाले वरुण तोमर भाग लेंगे।

आईपीएल मिनी नीलामी में ग्रीन के सबसे महंगे खिलाड़ी बनने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

पहले भी आईपीएल मिनी ऑक्शन में विदेशी खिलाड़ियों को रिकॉर्ड पैसे मिले हैं, और कैमरून ग्रीन 16 दिसंबर को इस ट्रेंड को आगे बढ़ा सकते हैं।

ग्रीन के आने वाले आईपीएल ऑक्शन में सबसे महंगे खिलाड़ी बनने की उम्मीद है क्योंकि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), जिनके पास सबसे ज़्यादा पैसे हैं (क्रमशः 64.3 करोड़ और 43.4 करोड़ रुपये), दोनों से इस ऑलराउंडर के लिए ज़ोरदार बोली लगाने की उम्मीद है। 2023 में, मिचेल स्टार्क को केकेआर ने 24.75 करोड़ रुपये में खरीदा था, इसके कुछ ही मिनट पहले सनराइजर्स हैदराबाद

(एसआरएच) ने पैट कमिंस को 20.5 करोड़ में खरीदा, जिससे वह आईपीएल ऑक्शन में 20 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

इन खिलाड़ियों ने 18.5 करोड़ रुपये को पीछे छोड़ दिया, पंजाब किंग्स ने 2023 में पिछले मिनी ऑक्शन में सैम करन के लिए बोली लगाई थी। 2023 के ऑक्शन में, ग्रीन दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बने, जब मुंबई इंडियंस ने उन्हें INR 17.5 करोड़ रुपये में खरीदा था। मुम्बई ने एक साल बाद ग्रीन को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को उसी कीमत पर ट्रेड कर दिया। अपने अब तक के दो आईपीएल सीजन, 2023 और 2024 में, ग्रीन ने 29 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 153.70 के स्ट्राइक रेट से 707 रन बनाए हैं। उन्होंने लेटेस्ट ऑक्शन के लिए खुद को 2 करोड़ रुपये के मैक्सिमम बेस प्राइस पर लिस्ट किया है।

हालांकि वह फिर से करोड़पति बन सकते हैं, लेकिन यह 20 करोड़ रुपये से ज़्यादा नहीं होगा, क्योंकि मैक्सिमम फीस 18 करोड़ रुपये से ज़्यादा नहीं हो सकती। यह तब भी लागू होगा जब बोली उस नंबर से ज़्यादा हो। ऐसा इसलिए है क्योंकि आईपीएल पिछले साल नया अधिकतम फीस रूल लाया था ताकि फ्रेंचाइजी की इस चिंता को दूर किया जा सके।

हालैंड ने प्रीमियर लीग में सबसे तेज 100वां गोल दागा

लंदन : एर्लिंग हालैंड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में सबसे कम मैच में 100 गोल करने का नया रिकॉर्ड बनाया जिससे मैनचेस्टर सिटी ने फुलहम की अच्छी वापसी के बावजूद 5-4 से जीत दर्ज की। हालैंड ने खेल के 17वें मिनट में अपनी टीम की तरफ से पहला गोल करके गोल का शतक पूरा किया।

यह उनका प्रीमियर लीग में 111वां मैच था और इस तरह से वह इस प्रतियोगिता में सबसे कम मैच में 100 गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने इंग्लैंड के दिग्गज एलन शीयर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 124 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की थी। मैनचेस्टर सिटी की टीम ने एक समय 5-1 से बढ़त बना रखी थी लेकिन इसके बाद फुलहम ने शानदार वापसी की। वह इंजरी टाइम में बराबरी का गोल करने की करीब पहुंच गया था।

असंतोष भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह के इस्तीफे के बाद खिलाड़ियों ने तोड़ी चुप्पी

कोच के तानाशाहीपूर्ण रवैये से परेशान थीं खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह के अचानक इस्तीफे के बाद चुप्पी तोड़ते हुए खिलाड़ियों ने कहा कि टीम को मैदान के भीतर और बाहर अच्छे माहौल की जरूरत है लेकिन कोच की कार्यप्रणाली और 'तानाशाहीपूर्ण रवैये' को लेकर लंबे समय से ड्रेसिंग रूम में काफी तनाव था। अप्रैल 2024 में भारतीय महिला हॉकी टीम से जुड़े हरेंद्र सिंह ने सोमवार को मुख्य कोच के पद से इस्तीफा देकर चौंका दिया था।

सूत्रों से हालांकि पता चला है कि उनकी कार्यप्रणाली को लेकर काफी समय से खिलाड़ियों में रोष था और खिलाड़ियों ने 'मानसिक उत्पीड़न' की शिकायत हॉकी इंडिया, साइ टॉप्स अधिकारियों और पिछले सप्ताह खेल मंत्रालय से की थी। खेल मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार खिलाड़ियों की शिकायत पर तुरंत

हरेंद्र सिंह। एजेंसी

संज्ञान लेते हुए हॉकी इंडिया को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिये गए।

सूत्रों ने बताया कि खिलाड़ियों ने उनके तानाशाहीपूर्ण रवैये, कोचिंग के तरीकों और टीम के लगातार गिरते प्रदर्शन को लेकर शिकायत की थी। उन्होंने यह भी कहा कि इससे पहले साइ टॉप्स अधिकारियों ने भी 'नकारात्मक' रिपोर्ट दी थी जिन्हें चार महीने पहले बेंगलुरू निरीक्षण के लिये भेजा गया था। मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, इस मसले की गंभीरता को समझते हुए बहुत कम लोगों को इसकी जानकारी देकर चार दिन के भीतर जांच की गई। हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की और महासचिव भोलानाथ सिंह चेन्नई और मदुरै में चल रहे जूनियर हॉकी विश्व कप से सीधे बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण पहुंचे और शिविर में भाग ले रही खिलाड़ियों से व्यक्तिगत स्तर पर बात की।

पता चला है कि अधिकांश खिलाड़ियों ने हॉकी इंडिया के आला अधिकारियों के सामने मुख्य कोच समेत पूरे कोचिंग स्टाफ को बदलने की मांग की थी। पूर्व कोच शोर्ड मारिन और यानेके शॉपमैन से तुलना में लगभग सभी ने हरेंद्र सिंह को सबसे नीचे रखा। कई खिलाड़ियों ने यह भी कहा कि उनके रहने से टीम को कोई फायदा नहीं हो रहा है। खिलाड़ियों से फीडबैक लेने के बाद उनसे इस्तीफा लिया गया।

टीम का लगातार गिर रहा था प्रदर्शन

नई दिल्ली : क्या कोच के खिलाफ कोई और भी आरोप थे यह पूछने पर एक सीनियर खिलाड़ी ने कहा हमने जो भी शिकायत की थी वह सिर्फ हॉकी के बारे में थी। हमें सिर्फ उनके खराब रवैये और कोचिंग के तौर तरीकों से दिक्कत थी और हम बदलाव चाहते थे। टीम का प्रदर्शन और फिटनेस का स्तर बहुत गिर गया है और कोचिंग के खराब तौर तरीकों के कारण दर्जन भर से अधिक खिलाड़ी चोटिल हैं। ऐसी टीम पदक कैसे जीत सकती है। इस बीच बेंगलुरू में महिला हॉकी टीम का शिविर खत्म कर दिया गया है और सभी खिलाड़ी अगली सूचना तक अपने अपने घर लौट गए हैं। खिलाड़ियों का कहना है कि टीम में तनाव का असर प्रदर्शन पर भी पड़ रहा था।